RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Div./244/2020-2022
Desp. Date - 02 May, 2021

अंक – 11 (मासिक) वर्ष – 16 मई, 2021 मूल्य 20/–

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

माहेश्वरी समाज जयपुर
शिक्षा के बाद अब स्वास्थ्य सेवा भी

फिर रचा इतिहास

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वर्चुअल सखी एक्सपो 2021 सम्पन्न

कोरोना 2.0 को भी देंगे शिकस्त

श्री माहेश्वरी मेलापक
वैवाहिक डायरेक्ट्री
श्री माहेश्वरी मेलापक 2021
का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us
@ www.srimaheshwaritimes.com

देखें प्रति मंगलवार
SMT NEWS
VIDEO NEWS BULLETIN

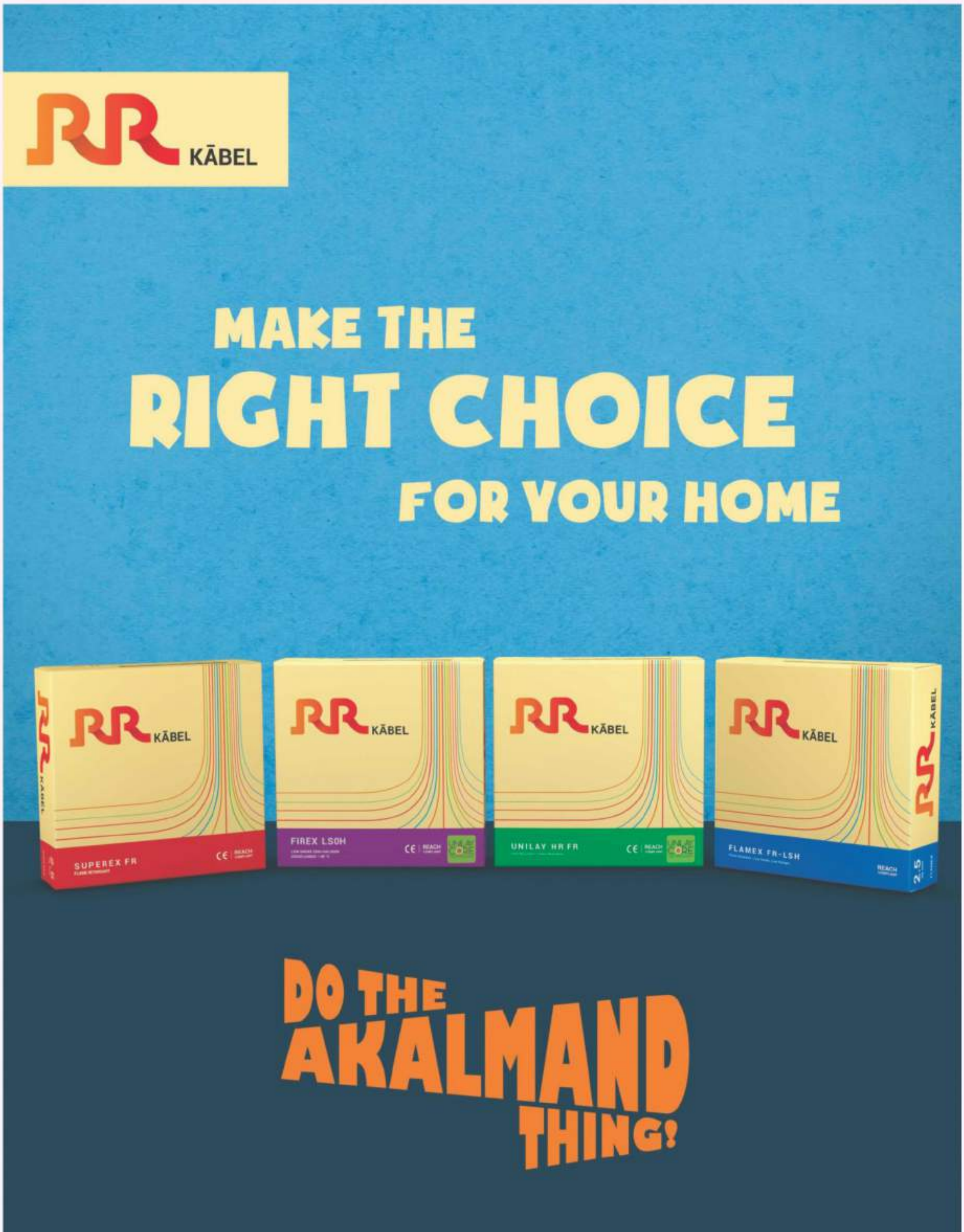

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

R R KABEL LTD. Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
T : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
T : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
www.rrkabel.com • www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-11 ▸▸ मई 2021 ▸▸ वर्ष-16

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री रामकुमार टावरी (दिल्ली)

अतिथि सम्पादक
डॉ. सचिन झंवर, जयपुर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

सारे पाप की जड़ है लोभ

देश-दुनिया की मानवता इस समय प्राणघातक वायरस कोरोना की दूसरी लहर का कहर झेल रही है। एक ओर अस्पतालों में भीड़, बिस्तरों की कमी, आक्सीजन की मारामारी और जीवनरक्षक दवाइयों का टोटा है तो दूसरी ओर लोभ से भरे लोगों का एक बड़ा वर्ग इन सहित आवश्यक खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी में जुट गया है। आम जनता एक ओर महामारी से लड़ रही है तो दूसरी ओर इन धन लोभियों की काली करतूतों से हलाकान है, मानो कलयुग मूर्तिमान होकर धरती पर उतर आया है और जन-मन को क्लेश दे रहा है।

महाभारत के शांतिपर्व की कथा कहती है कि ऐसे ही आचरण पाप कहलाते हैं, जो मानवता की पीड़ा का कारण बनते हैं। तब भीष्म और युधिष्ठिर का वह संवाद स्मरण आता है, जिसमें शरशय्या पर लेटे पितामह से युधिष्ठिर ने पूछा कि 'पाप का आधार, पाप का बीज क्या है?' इसके उत्तर में भीष्म ने दो टूक कहा, 'हे राजन! एक मात्र लोभ ही पाप का अधिष्ठान है। वह मनुष्य को निगल जाने के लिए एक बड़ा ग्राह है। इस लोभ से ही पाप की प्रवृत्ति होती है।'

भीष्म कहते हैं, 'अतः पापमधर्मश्च तथा दुःखमनुत्तमम्। निकृत्या मूलमेतद्धि येन पापकृता जनाः।।' अर्थात् लोभ से ही पाप, अधर्म तथा महान दुःख की उत्पत्ति होती है। शठता तथा छल-कपट का मूल कारण भी लोभ ही है। इसी के कारण मनुष्य पापाचारी हो जाते हैं।

हमारे शास्त्र कहते हैं 'असहनशीलता, निर्लज्जता, सम्पत्ति नाश, धर्मक्षय, चिंता और अपयश ये सब लोभ के ही कारण होते हैं, अतः लोभ से बचना चाहिए। मगर दुर्भाग्य कि प्रायः हर युग में संकटकाल में कुछ लोग अपने लोभ के कारण न केवल स्वयं अपयश के भागी बनते हैं बल्कि समूची मानवता को पूरी निर्ममता के साथ दुःख के दावानल में झोंक देते हैं। मत भूलिए, संसार में आज तक कोई धन की पोटली साथ लेकर अंतिम यात्रा पर नहीं निकला है। जो अज्ञानी होते हैं वे ही लोभ में आसक्त होते हैं और मनुष्य होकर भी राक्षसों जैसा व्यवहार कर अधर्म के निमित्त बनते हैं। ऐसे लोग कुछ समय के लिए भले तिजोरियाँ भरने में सफल हो जाऐ, अंत में नरक ही जाते हैं। यही ईश्वर का विधान है। इसीलिए भीष्म चेताते हैं, 'तस्याज्ञानाद्धि लोभो हि लोभादज्ञानमेव च। सर्वदोषास्तथा लोभात् तस्माल्लोभं विवर्जयेत्।।' अर्थात् मूढ़ मनुष्य को अज्ञान से लोभ और लोभ से अज्ञान होता है। लोभ से ही सारे दोष पैदा होते हैं, अतः लोभ को त्याग देना चाहिए।

■ डॉ. विवेक चौरसिया

सम्पादकीय

स्वस्थ समाज हमारी प्राथमिकता हो

वर्तमान में जहाँ हर और नकारात्मकता छायी हुई है, ऐसे में मैं अपनी अभिव्यक्ति की शुरूआत सकारात्मकता से करता हूँ। कोरोना महामारी के कारण देश के अधिकांश क्षेत्रों में लॉकडाऊन चल रहा है, ऐसे में भी अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने न सिर्फ 'वर्चुअल सखी एक्सपो 2021' का आयोजन कर माहेश्वरी महिलाओं को व्यवसाय का नया मंच प्रदान किया। अपितु इस आयोजन ने ऐसे माहौल में जब सभी व्यवस्थाऐं जुटाना अत्यंत कठिन कार्य था, ऐसे में भी इस आयोजन को ग्लोबल स्तर पर पहुंचाया और इतना सफल बना दिया कि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड को भी इसे विश्व स्तरीय उपलब्धि के रूप में दर्ज करना पड़ा। ऐसे गरिमामय आयोजन के लिये सम्पूर्ण महिला संगठन व इस कार्यक्रम के संयोजक बधाई के पात्र हैं।

ऐसी ही एक और उपलब्धि समाज को दिलवाई है, जयपुर माहेश्वरी समाज ने भी उत्तर भारत के प्रथम माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर की शुरूआत करके। इस सेन्टर ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अपने कलेक्शन सेन्टर्स द्वारा सेवा देना प्रारम्भ भी कर दी है। यह सेन्टर समाजजनों को तो न्यूतम दर पर सेवा प्रदान करेगा ही साथ ही बिना किसी जाति - धर्म के भेदभाव के यह आम जरूरतमंदों को भी अत्यंत उचित दर पर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाऐं प्रदान करेगा। शिक्षा के क्षेत्र अपनी उत्कृष्टता से सतत कीर्तिमान स्थापित कर रहे जयपुर माहेश्वरी समाज ने इस सेन्टर के द्वारा अब स्वास्थ सेवाओं के क्षेत्र में भी अपना कदम बढ़ाया है। इस अभिनव प्रयास के लिये जयपुर माहेश्वरी समाज व समस्त दानदाता बधाई के पात्र हैं। इसके साथ ही समाज की एक और उपलब्धि का भी उल्लेख कर लिया जाए। देश के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत कार्यरत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा सिम्प्लेक्स ग्रुप के चेयरपर्सन कोलकाता निवासी डॉ. बिट्ठलदास मुंदड़ा को 'डिस्टिंग्विश चेयर प्रोफेसर' मनोनीत किया गया है। डॉ. मूंदड़ा इस सम्मानित पद के साथ विद्यार्थियों को तो अपनी विशेषज्ञता से मार्गदर्शित करेंगे ही साथ ही तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई योजना बनाने में भी अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस उपलब्धि पर भी समाज का मस्तक गर्व से ऊंचा हो रहा है। इस उपलब्धि के लिये हम डॉ. मूंदड़ा को बहुत - बहुत बधाई प्रेषित करते हैं।

अब बात कर ली जाऐ कोरोना संक्रमण की तो कोरोना संक्रमण के दूसरे दौर ने यह साबित कर दिया कि स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं है। अरबों की दौलत के बावजूद इंसान इतना निरीह हो गया है कि जिंदगी बचाने में नाकाम है। पैसे से अच्छे से अच्छा इलाज खरीद लेने के बावजूद सांसों की डोर टूट रही है। कोरोना न बूढ़ों को छोड़ रहा न जवानों को। कल तक स्वस्थ्य, हंसते-बोलते व्यक्ति के बारे में अचानक चौंकाने वाली खबर आ जाती है। हम अफसोस के अलावा कुछ नहीं कर पाते। अंतिम संस्कार में शामिल होकर परिवार को ढाढस देने का वक्त भी नहीं है।धन का अंबार है लेकिन खर्च करने के लिए बाजार नहीं हैं। लॉकडाउन में फंसी जिंदगी कसमसा रही है लेकिन बाहर जाने की न हिम्मत है और हालात। सब्जी खरीदते वक्त डर लगता है कि कहीं संक्रमण इसी रास्ते न आ जाए।

इसे बुरा वक्त जरूर कह सकते हैं। लेकिन यह वक्त हमें आने वाले समय के लिए बहुत सजग, सतर्क और सबल बनाने की सीख भी दे जा रहा है। हमारी पुरानी संस्कृति, सभ्यता और जीवन शैली हमें फिर याद आ रही है। जिसका मकसद व्यक्ति को निरोग और प्रसन्न बनाए रखना था। हम इससे हटे इसलिए मुश्किलें ज्यादा ताकतवर हो गईं। वक्त कह रहा है, हम वापस उस जीवनशैली की ओर लौटें जो हमें न केवल शरीर बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बना कर स्वस्थ समाज की रचना करती है। आज जरूरत इसी की है। हम अपने समाज की ओर से पूरी दुनिया को संदेश दें सकते हैं। वह ऐसे कि हम अपने हर सदस्य को स्वस्थ और प्रसन्न बनाने के लिए सामाजिक स्तर पर प्रबंध करें। इसके लिए हमें समाज के स्तर पर 'स्वास्थ्य और जीवन' नाम का नया प्रकल्प खड़ा करना होगा। यह प्रकल्प समाज के स्तर पर बच्चों, युवा, वृद्ध और महिलाओं के लिए ऐसे कार्यक्रम तैयार कर लागू करे जो उन्हें स्वस्थ और प्रसन्न रखे।

इसके अलग-अलग आयाम हो सकते हैं, यथा- योग और व्यायाम, खान-पान, रहन-सहन, परंपराएं, जीवन शैली, सांस्कृतिक कलाएं, हास्य और मनोरंजन... आदि। विशेषज्ञों का कहना है कि आधुनिक जीवन में तनाव और चिंताएं दो ऐसे कारण है जिनसे हर व्यक्ति जूझ रहा है। जबकि यह तो हर काल में जीवन का हिस्सा रहा है। लेकिन पहले संयुक्त परिवार, मार्गदर्शक समाज प्रमुख, आपसी सौहार्द्र और कुंठा रहित सामाजिक संरचना के कारण व्यक्ति को अपनी हर समस्या का समाधान मिल जाता था। आज हर व्यक्ति एकाकी महसूस कर रहा है। जब सामूहिक रूप से हम ऐसे प्रकल्प चलाएंगे तो यह एकाकीपन टूटेगा। तब स्वस्थ मन, स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज की रचना हो पाएगी। तब कोरोना जैसी सौ महामारियां भी आ जाएं तो पत्ता तक नहीं हिला सकेंगी।

मुझे यह विश्वास है कि समाज इस बारे में जरूर सोचेगा। यह अंक आपको समर्पित करते हुए मन में हर्ष है। कोशिश यही है कि आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप पठनीय और ज्ञानवर्द्धक सामग्री प्रस्तुत कर सकें। लौटती डाक से अपनी प्रतिक्रिया अवश्य भेजें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

अतिथि सम्पादकीय

अपेक्स के नाम से देश के कई प्रमुख शहरों में हॉस्पिटल्स की वृहद श्रृंखला का संचालन करने वाले डॉ. सचिन झंवर की पहचान समाज में एक ऐसे प्रतिष्ठित चिकित्सक के रूप में है, जो चिकित्सा क्षेत्र में समाज की गौरव पताका फहरा रहे हैं। 8 मई 1971 को बीकानेर (राज.) में डॉ. एस.बी. झंवर व श्रीमती सरला झंवर के यहाँ जन्में डॉ. झंवर ने वर्ष 1990 में एम.बी.बी.एस. व वर्ष 2000 में एम.एस. पूर्ण किया। फिर वर्ष 2001 में इडिनवर्ग से एमआरसीएस तथा वर्ष 2002 में एएफआरसीएस जैसी चिकित्सा क्षेत्र की अन्तर्राष्ट्रीय उपाधि प्राप्त की। आपने स्ट्रॉसबर्ग (फ्रांस) से टेलीसर्जरी में डिप्लोमा भी किया। आप अपेक्स हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर हैं। चिकित्सा क्षेत्र में आपकी विशेष पहचान लेपेरोस्कोपिक सर्जरी के लिये है, जिसके आप विशेषज्ञ हैं। आप हार्निया और वायराट्रिक सर्जरी के प्रोक्टर और नेशनल फेकल्टी भी हैं। नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर को सलाहकार समिति सदस्य तथा सिप्ला, ग्लेक्सो, जे एण्ड जे आदि के टीचिंग एंड ट्रेनिंग एक्सपर्ट तथा प्रतिष्ठित अलहयात हॉस्पिटल ओमान को विजिटिंग कन्सल्टेंट के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। आपका विवाह भी चिकित्सक परिवार में ही डॉ. विमला व डॉ. आर.के.जाजू की सुपुत्री शीनू के साथ हुआ। वर्तमान में आपके परिवार में एक पुत्र सिद्धांत हैं, जो यूएसए की युनिवर्सिटी में अध्ययन कर रहे हैं।

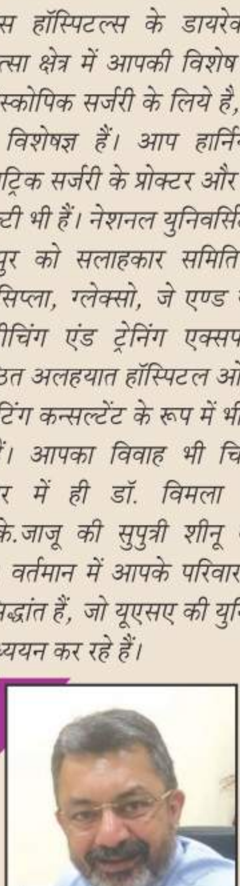

जयपुर समाज बना रहा सेवा का इतिहास

इतिहास साक्षी है कि माहेश्वरी समाज ने सदैव समाजजनों ही नहीं बल्कि मानवता की भी सदा सेवा की। मुझे यह कहते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है कि वर्तमान में जयपुर माहेश्वरी समाज इन्हीं आदर्शों का अक्षरशः अनुसरण करता रहा है। इसी का प्रमाण समाज की वृहद शिक्षण संस्थाऐं हैं, जो बिना किसी जाति - धर्म के भेदभाव के उत्कृष्टतम् शिक्षा प्रदान कर रही हैं। अपने सेवा अभियान में एक कदम आगे बढ़ाते हुए जयपुर माहेश्वरी समाज ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में पदार्पण करते हुए माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर की शुरूआत की है, जो समाज जनों के साथ - आम जरूरतमंदों को भी अत्यंत उचित दर पर विभिन्न सेवाऐं प्रदान करेगा। मानवता की सेवा में बढ़ाए गये इस कदम के लिये सम्पूर्ण जयपुर माहेश्वरी समाज तथा इस प्रकल्प में सहयोगी बने समस्त दानदाता बधाई के पात्र हैं। निःसंदेह समाज का यह कदम भी जयपुर माहेश्वरी समाज का नाम देश के समाजसेवा के क्षेत्र में स्वर्णाक्षरों में अंकित करेगा।

आईये अब बात करते हैं, वर्तमान में कहर बरपा रही कोरोना की दूसरी लहर की। गत वर्ष जब कोरोना की प्रथम लहर आयी थी, तब हम इस महामारी से बिल्कुल अनजान थे। इससे बचाव के लिये हम शोध ही कर रहे थे। फिर भी यह हमारे देश की जीवटता ही है और शासन का कुशल प्रबंधन कि सीमित संसाधनों के बावजूद हमने प्रथम चरण में कोरोना को अच्छी खासी टक्कर ही नहीं दी, बल्कि उसे शिकस्त दी। विश्व पटल पर सबसे सघन आबादी वाला देश होने के बावजूद कोरोना संक्रमितों तथा इससे मरने वालों की जितनी कम संख्या हमारे देश में थी, वह अपने आपमें सम्पूर्ण विश्व को चौंकाने वाली ही थी। इसका श्रेय जितना शासन को जाता है, उससे कहीं अधिक भारतीय चिकित्सकों को भी जाता है, जिन्होंने अपने जीवन की परवाह किये बिना सतत सेवा दी। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि इन कोरोना योद्धाओं में बड़ी संख्या में माहेश्वरी समाज के चिकित्सक व समाजसेवी भी रहे हैं। समाज के समर्थजनों ने जरूरतमंदों की मदद के लिये उस समय अपनी तिजोरी खोलने में भी कोई कसर नहीं रख छोड़ी थी।

वर्तमान में सम्पूर्ण राष्ट्र कोरोना की दूसरी लहर से जूझ रहा है। पहलें की तुलना में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमितों व इससे मरने वालों के आंकड़ों से मीडिया भरा पड़ा है और ये आंकड़े हर किसी को डराने के लिये पर्याप्त भी हैं। इन्हें देखकर ही लग रहा है कि कोरोना का यह दूसरा चरण पहले चरण से ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। किंतु हमें उससे बिल्कुल भी भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है, हमें सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए हौसला बनाए रखने की आवश्यकता है। हमें मानसिक रूप से कोरोना को हराने के लिए तैयार होना होगा। इसके लिये जरूरी है, हम आत्मचिंतन करें कि हमसे कहाँ क्या भूल हुई, जिसकी वजह से हम पूर्व की तरह कोरोना को प्रारम्भिक स्तर पर हरा नहीं पाऐ। कहीं न कहीं हम सभी इसके लिये जिम्मेदार हैं। प्रथम लहर के समय सभी ने भय से ही सही लेकिन कोरोना से बचाव के लिये पर्याप्त सतर्कता बरती लेकिन इस बार हम लापरवाह हो गये, जिसका नतीजा सामने है। हमारे पास वैक्सीन थी, चिकित्सा का अनुभव था और आम व्यक्ति के लिये यह बीमारी अनजान नहीं थी, बस यहीं मुद्दे लापरवाही का कारण बन गये।

अब जब हम बुरी तरह से इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं, तो सबसे पहलें तो अपनी गलतियों का सुधार करना चाहिये। हमें इस समय सोशल मीडिया पर भयभीत करने वाले पोस्टों से बचना चाहिए और सकारात्मक रहना चाहिए। हमें कोरोना वायरस से सावधान रहना है लेकिन किसी भी दशा में डर को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना है। जब डर हावी होने लगे तो हमें कोरोना के प्रथम दौर को याद करना चाहिये, जब हमने बिना संसाधनों के भी इसे मात दी थी। उस दौर को यादकर हिम्मत एवं सकारात्मकता बनाए रखें। याद रखें, जैसे हमने उसे हराया, यह कठिन दौर भी गुजर जाएगा। निश्चित तौर पर हम इसमें कामयाब होंगे। कोरोना योद्धाओं का रोगियों को बचाने का यथासंभव प्रयास जारी है। चिकित्सक इस दौर में भी अपने जीवन को दांव पर लगाकर अपनी सेवा दे रहे हैं, तो उन्हें यथोचित सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन अवश्य करें। आईये इस विकट दौर में संकल्प लें कि हम इस महामारी से बचाव के लिये बताये जा रहे निर्देशों का न सिर्फ स्वयं पालन करेंगे बल्कि अन्य को भी प्रेरित करेंगे।

डॉ. सचिन झंवर
अतिथि सम्पादक

श्री दधिमती माताजी

श्री दधिमती माताजी माहेश्वरी समाज की बाहेती, डागा, असावा, चेचानी, मणियार, होलानी, कचौलिया, जाखेटिया, ईनानी, लोया, गिलड़ा, पलौड़ एवं लखोटिया खाँप की कुलदेवी है। इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण दाधीच ब्राह्मण समाज की यह एक ही कुलदेवी हैं। अन्य कई समाज वाले भी इन्हे अपनी कुलदेवी मानते हैं।

माताजी का मंदिर राजस्थान में नागौर जिले के जायल तहसील के छोटे से गाँव गोठ मांगलोद में स्थित है। ग्राम गोठ मांगलोद जायल तहसील से 12 किलोमीटर तथा नागौर जिले से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। माताजी का मंदिर भव्य एवं आकर्षक रूप लिये लगभग 4 बीघा क्षेत्रफल में फैला हुआ है। मंदिर परिसर में दो कुएँ स्थित हैं जिनका जल निर्मल एवं मीठा है, जबकि बाहर स्थित कुओं का जल खारा है।

पौराणिक आख्यान

ऋषि अथर्वा की दो संतान स्वयं नारायणी देवी व महर्षि दधीचि हुए। जब किसी भी अस्त्र-शस्त्र से न मरने का वरदान प्राप्त कर वृत्रासुर उन्मादी हो गया तो उसने सम्पूर्ण सृष्टि में आतंक मचा दिया। ऐसे में ब्रह्माजी की प्रेरणा से देवताओं ने महर्षि दधीचि से उनकी अस्थियाँ प्रदान करने का अनुरोध किया जिससे वृत्तासुर को मारा जा सके। महर्षि दधीचि ने सृष्टि के कल्याणार्थ प्राणोत्सर्ग कर अपनी अस्थियों का दान कर दिया। इनसे बने वज्र से इंद्र ने वृत्रासुर का वध किया। महर्षि की धर्मपत्नी अपने पुत्र पिप्लाद को ऋषि की बहन नारायणी देवी को सौंप स्वयं सती हो गई। माता नारायणी देवी ने गोठ मांगलोद के समीप कपाल क्षेत्र पुष्कर में दधी समुद्र में छुपे विकटासुर सहित अन्य असुरों का वध किया। इसके लिये माताजी ने दधी समुद्र का मंथन किया था। अतः माताजी दधिमती कहलाई। दधीचि ऋषि के पुत्र पिप्लाद के वंशज दधीचि ब्राह्मण कहलाने लगे।

क्या है विशेष

माताजी का मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ 24 घंटे खुला रहता है। प्रातः मुहूर्त 4 बजे मंगला आरती और 8 बजे अभिषेक, संध्या 7.30 बजे आरती एवं रात्रि 9.30 बजे शयन आरती की जाती है। माताजी को दाल-बाटी एवं चुरमे का भोग लगाया जाता है तथा दूध से अभिषेक किया जाता है।

कैसे पहुंचे

ग्राम गोठ मांगलोद जयपुर से लगभग 300 किमी तथा अजमेर से लगभग 110 किलोमीटर दूर स्थित है। विमान द्वारा जयपुर पहुंचकर यहां से बस, या स्वयं के चौपहिया वाहन द्वारा पहुंचा जा सकता है। यदि आप ट्रेन से जाना चाहते हैं तो ट्रेन द्वारा अजमेर पहुंचकर यहां से बस या स्वयं के चौपहिया वाहन द्वारा यहां पहुंच सकते हैं।

जगतनारायण जोशी-इंदौर, **बालमुकुंद जोशी**-भीलवाड़ा व **राधेश्याम दाधीच**, वडोदरा से प्राप्त जानकारी अनुसार

खेद व्यक्त

श्री माहेश्वरी टाइम्स के पिछले अप्रैल 2021 के अंक में प्रकाशित मां दधिमति के बारे में लेख में भूलवश कुछ भ्रामक और मिथ्या तथ्य प्रकाशित हो गए थे, संपादक मंडल उस लेख से सहमत नहीं है। इस से दाधीच समाज की भावनाएं आहत हुई हैं, जिसके लिए हमें खेद है। इस त्रुटि के सुधार के लिये हम तथ्य परक एवं प्रमाणिक संशोधित आलेख का पुनः प्रकाशन कर रहे हैं। पूर्व प्रकाशित आलेख के लिये हम पुनः सकल दाधीच समाज से खेद प्रकट करते है।

\- सम्पादक

फिर रचा विश्व कीर्तिमान

वर्चुअल सखी एक्सपो 2021 का सफल आयोजन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में 9 दिवसीय आयोजन गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में फिर दर्ज

कोटा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में 9 दिवसीय वर्चुअल सखी एक्सपो 2021 का भव्य आयोजन आधुनिक तकनीकों के साथ किया गया। महिला संगठन के अंतर्गत महिला अधिकार सुरक्षा एवम सशक्तिकरण समिति द्वारा इसका आयोजन 16 अप्रैल से 24 अप्रैल तक किया गया। यह आयोजन इतना ऐतिहासिक व सफल रहा कि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में यह भी दर्ज किया गया।

उक्त जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने देते हुए बताया कि हमारे प्रधानमंत्री श्री मोदी जी की आत्मनिर्भर योजना के अंतर्गत वर्तमान परिवेश में टेक्नोलॉजी के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु यह योजना सखी एक्सपो के रूप में तैयार की गई। कोरोना पेंडेमिक के कारण महिलाओं को अपने घरेलू उत्पाद बेचने में आ रही समस्याओं को देखते हुए यह वर्चुअल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया, जिसमें केवल माहेश्वरी समाज ही नहीं अपितु राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर की सभी महिलाओं ने स्टॉल लगाकर सहभागिता निभाई। इस मेले में एंट्री करने के लिए www.sakhiexpo.com की वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण रजिस्ट्रेशन कराकर नौ दिवसीय रात दिन चलने वाले इस एक्सपो में घर बैठे ही एंट्री करके जब चाहे अपनी सुविधानुसार शॉपिंग, एंजॉय तथा प्रतिदिन श्रेष्ठ वक्ताओं की मोटिवेशनल टॉक सुनने का भी सभी ने लाभ लिया।

बिरला ने किया शुभारम्भ

एक्सपो का उद्घाटन करते हुए लोकसभा स्पीकर ओमकृष्ण बिरला ने कहा कि महिलाओं में इतना आत्मबल होता है कि वे हर परिस्थिति का अपनी बहादुरी व हुनर से सफलतापूर्वक सामना कर लेती है व परिवार को संभाल लेती है, प्रधानमंत्री जी की आत्मनिर्भर भारत बनाने की योजना के सपने को साकार करने में महिलाएं प्रमुखता से काम कर रही हैं और सफल भी हो रही हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में ओसवाल ग्रुप की चेयरमैन एवम लायंस क्लब इंटरनेशनल की पूर्व डायरेक्टर अरुणा जी ओसवाल ने कहा कि महिलाएं सशक्त हैं बस सशक्त बने रहने और समय के साथ कदम मिलाकर चलने की जरूरत है जो आप कर रहे हो। महिलाओं को आगे बढ़ने में परिवार का योगदान अवश्य शामिल रहता है। कार्यक्रम की

संचालक व एक्सपो कन्वीनर गिरिजा सारडा ने इस वर्चुअल एक्सपो में कैसे विजिटर के रूप में स्वयं को रजिस्टर करना, 6 हॉल में लगी 131 स्टाल्स को कैसे देखना, समान खरीदना, पेमेंट व शिपमेंट करना, ऑडिटोरियम में जाना, लक्की ड्रा में शामिल होना सभी कुछ ऑन द स्पॉट करके बताया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आर.आर केबल की डायरेक्टर कीर्ति काबरा विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगडानी व प्रसिद्ध गायिका रजनीगंधा शेखावत, सुरभि समदानी भीलवाड़ा एवं संगठन के गणमान्य जन उपस्थित थे।

आधुनिकतम तकनीकों का उपयोग

राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने बताया कि आपदा में भी अवसर ढूंढना महिलाओं का नैसर्गिक गुण है। कठिन परिस्थितियों में परिवार को संबल देने व आत्मनिर्भर बनने की दिशा में संलग्न होने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करके, स्वयम को अपडेट कर सशक्तिकरण की ओर कदम बढ़ाते हुए ऑनलाइन सेल-परचेज करने व अपने हुनर को पहचान देने के लिए यह वर्चुअल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया। इसमें एक्सपो कन्वीनर व समिति प्रमुख नेपाल से गिरिजा सारडा व टीम के सहयोग से 3 माह की तैयारी से 360 डिग्री अनवायरमेंट पर 3 डी इफ़ेक्ट के साथ 24 घंटे दुनिया के किसी भी देश से देखा जा सकने वाला वर्चुअल प्लेटफॉर्म बनाया गया। इसमें प्रोडक्ट खरीदने-बेचने के साथ ही 9 फेमस सशक्त महिलाओं के साथ मोटिवेशनल टॉक भी ऑडिटोरियम में की गई। न केवल भारत से वरन नेपाल, बहरीन, सिंगापुर, अमेरिका आदि देशों से भी इस मे महिलाओं ने स्टाल लगाई।

लम्बे समय तक मिलेगा लाभ

सखी टीम की सलाहकार एवं राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री मधु - ललित बाहेती ने बताया कि इस एक्सपो में महिलाओं ने अपने द्वारा निर्मित या दूसरी कंपनियों द्वारा उत्पादित प्रोडक्ट्स या सेवाओं की खरीद-बिक्री की तथा एक-दूसरे के साथ रिलेशन बिल्डिंग भी की, जिससे भविष्य में माहेश्वरी समाज के अंतर्गत समाज के ही लोगों के साथ व्यापार करते हुए उचित मूल्यों पर रॉ मैटेरियल की खरीद- बिक्री का कार्य किया जा सके। एक्सपो की प्रोजेक्ट हेड - गिरिजा सारडा ने बताया कि देश में पहली बार किसी भी महिला संगठन द्वारा एक 3डी वर्चुअल एक्सपो जो कि 360 डिग्री इन्वायरमेंट पर क्रिएट करते हुए, आयोजित किया गया। महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु इस एक्सपो में ना सिर्फ स्टाल लगाए गए बल्कि ऑडिटोरियम के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में अपना एक अलग स्थान हासिल कर चुकी महिलाओं को बुलाया गया और उनके अनुभव का फायदा उठाकर हमारी महिलाएं तथा युवतियां उनसे प्रेरणा पा सकें इस उद्देश्य से एक वेब सीरीज का निर्माण किया गया है। ऑडिटोरियम के माध्यम से सभी महिलाओं को प्रेरित करने के लिए सिस्टर शिवानी, सहर लतीफ, मोनिका पनपलिया, सीमा तापड़िया, तूलिका तलवार, सुनीता धारीवाल, शोभा इंदाणी, डॉली जैन एवं अवनी बियानी जैसी भारत की सशक्त महिलाओं से रूबरू करवाया गया।

आयोजन के प्रमुख सूत्रधार

मंजू बांगड़ | ज्योति राठी | शैला कलंत्री | गिरिजा सारड़ा

मधु बाहेती | उषा मोहंता | स्वाति काबरा | रश्मि बिनानी

कंचन राठी | राजश्री मोहता | प्रतिभा नाथानी | भाग्यश्री चांडक

फिर रचा स्वर्णिम इतिहास

प्रथम बार आयोजित इस 3-डी वर्चुअल ट्रेड फेयर ने भी इतिहास रचते हुए विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के एशिया हेड डॉ. मनीष विश्नोई ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 16 से 24 अप्रैल 2021 के दौरान आयोजित यह ट्रेड फेयर अपने आप में अनूठा था, क्योंकि यह किसी महिला संगठन द्वारा आयोजित दुनिया का पहला वर्चुअल ट्रेड फेयर था। अतः इसे ''First Virtual Trade Fair Organized By Women Organization'' शीर्षक के साथ गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है।

आयोजन को सभी ने सराहा

महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी, अध्यक्ष श्याम सोनी, युवा संगठन के अध्यक्ष राजकुमार काल्या, ज्योति राठी, शैला कलंत्री ने भी महिलाओं के इस प्रयास की सराहना की। समिति प्रभारी उषा मोहन्ता ने समिति के कार्यो की जानकारी दी। महिला संगठन की महामंत्री मंजू बांगड़ ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कोटा से ही कार्यालय मंत्री मधु बाहेती ने मेले की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि एक्सपो के प्रथम दिवस पर ही राउंड द ग्लोब 35 देशों के 60,000 लोगों ने इसे विजिट किया। इस आयोजन में समिति की आंचलिक सह प्रभारी स्वाति काबरा, राजश्री मोहता, कंचन राठी, प्रतिभा नत्थानी और रश्मि बिनानी, टेक टीम प्रमुख तथा भाग्यश्री चांडक का विशेष सहयोग मिला।

सभी के स्नेह का प्रतिफल है सखी एक्सपो का सफल आयोजन

प्रथम बार अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन ने 3D आधुनिक तकनीकों के साथ वर्चुअल ट्रेड फेयर सखी एक्सपो 2021 का आयोजन किया गया। वास्तव में इसकी सफलता भी एक बहुत बड़ी चुनौती थी, लेकिन महिला संगठन ने इस चुनौती में खरा उतर कर बता ही दिया। आईये जाने इस आयोजन की कहानी इसकी संयोजिका गिरिजा सारडा की जुबानी।

सखी एक्सपो 2021, एक एक्स्पो जिसकी संकल्पना करते वक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने एक व्यापार मेला लगाने की जिम्मेदारी महिला अधिकार सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति को सौंपी। जब समिति को यह जिम्मेदारी मिली तो समिति की प्रभारी प्रमुख होने के नाते मुझसे भी सलाह-मशवरा किया गया। इसी दौरान हमें महसूस हुआ कि अगर मेला करना है, तो टेक्नोलॉजी का पूरा सदुपयोग करते हुए क्यों ना इसे एक वृहद ट्रेड फेयर का रूप दिया जाए और जब वर्चुअल ही कर रहे हैं तो पूरे भारत से ही क्यूं बल्कि ग्लोबली जहां-जहां से हो सके स्टॉल लेकर इसे एक सुंदर रूप दिया जाए। फिर जब जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई और मुझे एक्सपो कोऑर्डिनेटर बनाया गया तो सबसे पहले स्टडी किया कि वेबसाइट बेस्ड, 2D या 3D किससे फुटफाल बेहतर आने की संभावनाएं होती है?

विभिन्न कंपनियों के साथ प्रेजेंटेशन ली व कॉस्ट कैलकुलेट की, और जब सबको अपना आइडिया शेयर किया तो एक बार सबके मन में आशंका थी कि इतनी कॉस्ट लगाकर क्या एक्सपो इतना सफल हो पायेगा? इतनी टेक्नोलॉजी क्या हमारी महिलाएं समझ पाएंगी? पर सभी आशंकाओं के बावजूद मेरे मन में सिर्फ एक ही बात थी कि सेल्स को नहीं सीखने को टारगेट करना चाहिए चूंकि आगे का जमाना डिजिटल एज है और अभी कोविड की वजह से जब लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की आदत पड़ने लगी है, तो क्यों ना इस मौके का फायदा उठाया जाए और लोगों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए ट्रेन्ड किया जाए।

इस बहाने हमारी बहनों को एडमिन पैनल मैनेज करना अपनी प्रोडक्ट्स को डिस्प्ले करने के साथ-साथ एडवरटाइजिंग कैसे की जाए, यह भी सीखने को मिलेगा? साथ ही इस एक्सपो के लिए तैयार की गई सारी सामग्री भविष्य में उन्हें किसी भी और प्लेटफार्म पर एडवरटाइज करने के लिए तथा सामान को डिस्प्ले करने के लिए काम आएगी क्योंकि इस तरह की कोई ट्रेनिंग किसी कक्षा के माध्यम से नहीं होती तो यह ट्रेनिंग हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण रहेगी। क्योंकि हमारे लिए भी वर्चुअल एक्सपो आर्गेनाइज करने का पहला अवसर होगा। एक एक्सपो ऑर्गेनाइज करके अक्सर लोग सेल्स की बातें किया करते हैं और मेरा यह आईडिया हमारी टीम को अच्छा लगा। फिर भी मन में संभावनाऐं थी, परंतु जब 3D को फाइनल करके पहली प्रेजेंटेशन संगठन की बहनों के सामने दी गई तो सब ने एक ध्वनि से किया जाये कहे कर उत्साह को द्विगुणित किया ।

इस एक्सपो के दौरान हमने बहुत सी बातें सीखी और बहुत सी बातें जानीं। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए जब हम ऑडिटोरियम में लोगों को बुला रहे थे तो हमने देखा कि हमारे समाज और इतर समाज की महिलाएं भी ऐसे ऐसे क्षेत्रों में आगे बढ़ी हैं कि जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उसी प्रकार जब हमें वीडियोस बनाने थे, टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग देनी थी, ब्रोशर्स या कैटलॉग्स बनाने थे, तो हमें जो डिजाइनिंग और फोटोग्राफी की जो स्किल्स मिलीं वह शायद हम कभी भी ना सीखते यदि हमें यह एक्सपो नहीं करना होता। जिस तरह प्रोफेशनल तरीके से हमने और हमारी टीम ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन करके लोगों के सामने अपनी बात रखी, इससे उनका टीम पर विश्वास बढ़ा। हमने उनको ट्रेनिंग देते हुए सिखाया तो यह ना सिर्फ एक सुखद अनुभूति थी कि हम अपनी बहनों को अपग्रेड कर रहे हैं बल्कि साथ में हम खुद को भी अपग्रेड कर रहे थे क्योंकि हम भी वह चीजें सीख रहे थे। इस मेले के दौरान हमें एहसास हुआ कि हमें बहुत एक्सटेंसिव ट्रेनिंग की जरूरत होगी क्योंकि हमारे साथ जुड़ा हुआ महिलाओं का वर्ग ज्यादातर 50 वर्ष से ऊपर की महिलाओं का है तो खास करके हम महिलाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की ट्रेनिंग की सख्त जरूरत है।

इस एक्सपो ने उस क्षेत्र में एक कदम जरूर बढ़ाया है, पर अभी भी हमें काफी कुछ सीखना होगा। छोटे-छोटे वीडियोस के माध्यम से कैसे रजिस्ट्रेशन की जाती है? कैसे ओटीपी आता है? कैसे एक्सपो के अंदर हम सेल्फी खींच सकते हैं? किस तरह शॉपिंग की जा सकती है? कैसे पेमेंट की जाती है? इत्यादि बहुत सारी चीजें हमने अपनी बहनों को ना सिर्फ सिखाई बल्कि विभिन्न तरह के प्रतियोगिता रखकर मेले में बिक्री बढ़ाने की चेष्टा भी की। जहां घर-घर में बीमारी पैर पसार चुकी थी, वहीं लॉकडाउन ने स्थिति और गंभीर कर दी थी क्योंकि ऑनलाइन एक्सपो में डिलेवरी के लिये कोरियर सर्विस बहुत इंपॉर्टेंट थी पर जगह-जगह कोरियर सर्विस बंद होने से भी बाधा आई। हमारी बैक एंड टीम जहां पर थी वहां लॉक डाउन होने की वजह से वह लोग ऑफिस नहीं जा पा रहे थे तो सारा काम उन्होंने सिस्टम उठाकर घर लाकर 'work-from-home' करके किया।

हमारी टीम की महिलाएं खुद भी बहुत टेक्नोलॉजी फ्रेंडली नहीं थी, उन पर भी एक्सपो का जुनून हावी था। कोई खुद कोविड को झेल रही थीं, किसी के घर में परिजन बीमार थे, किसी की बिल्डिंग सील थी, किसी के प्रिय जन हॉस्पिटलाइज्ड थे, परंतु कमिटमेंट का लेवल ऐसा था कि क्योंकि 131 स्टोल्स हम पर निर्भर होकर हमारी तरफ देख रहे थे, तो किसी ने भी ना रात देखा ना दिन, सुबह 6 बजे भी कॉल अटेंड कर रहे थे और रात को 12 बजे भी। यहां की वर्चुअल प्लेटफार्म टीम जो हमारी संस्था की सदस्य तक नहीं है उन्होंने रात को 2 बजे तक भी हम लोगों की दिक्कतों को सुलझाया, क्योंकि कहीं उनके मन में भी यह था कि यह निर्विकार भाव से महिला सशक्तिकरण के लिए जो एक्सपो लगाया जा रहा है वह भी उस भावना में अपना सहयोग देना चाहते थे। वर्ल्ड रिकॉर्ड का मिलना महज संयोग था परंतु इस एक्सपो को इतनी विषम परिस्थितियों में भी ठीक से पूरा कर पाने की जो सुखद अनुभूति हमारे मन में है, जो संतोष हमें हर महिला को ट्रेन्ड कर पाने की कोशिश में मिला वह शायद और कोई चीज नहीं दे पाती।

गणगौर से की अखंड सौभाग्य की कामना

इस बार माहेश्वरी समाज का परम्परागत पर्व गणगौर भी कोरोना गाईड लाईन का पालन करते हुए मनाया गया। अधिकांशतः सीमित संख्या में सदस्याओं ने उपस्थित रहकर गणगौर की पूजा कर उससे अखंड सौभाग्य की कामना की।

भीलवाड़ा। गणगौर के शुभ अवसर पर दक्षिणी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन तथा जिला एवं नगर माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में गणगौर पर्व की सभी कहानियों एवं गीत का वीडियो श्रीमती रीना डाड की आवाज में लॉन्च किया गया। इसकी वीडियो एडिटिंग श्रीमती विनीता नुवाल द्वारा की गई। आज के तकनीकी युग में सभी कुछ डिजिटल हो रहा है एवं कोरोना महामारी का द्वितीय लहर चल रही है, ऐसे में सामूहिक पूजा संभव नहीं। ऐसे में कहानी-किस्से सुनने - सुनाने की समस्या ना हो तथा पुस्तक ढूंढने की कोई परेशानी ना हो इसके लिए यह वीडियो जारी किया गया। पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता मोदानी, प्रदेश अध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल, प्रदेश मंत्री अनिल अजमेरा जिला अध्यक्ष सीमा कोगटा, जिला मंत्री प्रीति लोहिया, नगर अध्यक्ष भारती आदि ने घर में ही रह कर पूजा वीडियो की मदद से करने की अपील सभी से की थी।

भीलवाड़ा (राजस्थान)। रंगीले राजस्थान के प्रमुख पर्व गणगौर की पूर्व संध्या पर स्थानीय सखी माहेश्वरी क्लब ने सिंजारे के दिन गणगौर का बिंदोरा मनाया। सभी सदस्याएँ पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर गीत गाती हुई उद्यान में गई, सेवरा सजाया,ईसर जी और गणगौर माता की पूजा कर अखंड सुहाग का आशीर्वाद मांगा। रीना डाड़, विनीता नवाल, अनु मोदी, चेतना जागेटिया, रेणू समदानी, नीलम दरगड़, अमिता मूंदड़ा, रंजना बिड़ला, प्रीति डाड़, चेतना बसेर, सुचिता कोगटा, रीना गट्टानी, स्नेहा सिंगी आदि उपस्थित थीं। सभी ने गणगौर पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की।

रायपुर। लॉक डाउन के कारण श्री माहेश्वरी सभा रायपुर द्वारा गणगौर तीज उत्सव पर जूम गीतों की संध्या का आयोजन किया गया। समाज के लोगों ने आनंद-उमंग के साथ भाग लिया व गीतों की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष सम्पत काबरा, सचिव कमल राठी, कार्यक्रम संयोजक संदीप मर्दा, सूत्रधार गोपाल बजाज, गीत प्रस्तुति के लिए डॉ. सतीश राठी, डॉ. छाया राठी, दीपक डागा, जितेश मोहता, आशा राठी, अंजू मल्ल, हर्षिका मल्ल सहित समस्त समाजजनों का इसमें सहयोग रहा।

भरूच। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव ऑनलाइन जूम पर अनेकता में एकता थीम पर 6 अप्रैल को मनाया गया। उत्सव में विभिन्न प्रान्त जैसे कश्मीर, केरल, उत्तर प्रदेश, पंजाब व राजस्थान के गौराजी बने। साथ ही सरप्राइज प्राइज, हाऊजी एवं दोहा सुनाने की स्पर्धा भी रखी गयी। इस अवसर पर अध्यक्ष ज्योति लढ़ा, सचिव दीपश्री सोडानी, कुमकुम बियानी, किरण राठी, माधुरी मालपानी, कविता साबू, अनिता डागा एवं डॉ सीमा मूंदड़ा सहित कई सदस्याऐं उपस्थित थीं।

> *कुछ रिश्तों से इंसान, अच्छा लगता है*
> *कुछ इंसानों से रिश्ता, अच्छा लगता है।*

हैदराबाद। संस्कार धारा कोठी सुल्तान बाजार द्वारा आयोजित गणगौर उत्सव 2021 जूम एप पर संपन्न हुआ। संस्थापिका कलावती जाजू ने बताया कि इस उत्सव को जूम एप पर आयोजित कर गणगौर पर गणगौर के गीत गाने की प्रतियोगिता रखी गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अनुराधा जाजू ने किया। संस्था की अध्यक्षा श्यामा नावंदर व मंत्री अंजना अटल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गोपाल मंजू बल्दवा, विशेष अतिथि राजकुमारी शकुंतला लोया, निर्णायक कलावती लढढा, कलावती जाजू तथा सभा में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विडियो मंगाकर प्रस्तुत किये गये। विजेताओं को नगद राशि पुरस्कार स्वरूप गणगौर उत्सव समिति संयोजिका कंचन मोदानी द्वारा प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष प्रेमलता काकाणी, उपाध्यक्ष निर्मला झंवर, करूणा काकाणी पुष्पा दरक, कविता अटल सहित सभी पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं सदस्यायों का पूर्ण सहयोग रहा।

उज्जैन। माहेश्वरी सभा महिला मंडल गोलामंडी द्वारा कोरोना काल में लॉकडाउन के चलते ऑनलाइन गणगौर वीडियो स्पर्धा आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने अपने - अपने घरों से दो मिनट का वीडियो सौलह श्रृंगार करके गणगौर के गीतों पर नृत्य करके प्रेषित किया। इसमें महिलाओं ने अतिउत्साह से भाग लिया। संस्था अध्यक्ष हेमलता गांधी ने बताया कि स्पर्धा में प्रथम रूचि गांधी, द्वितीय मनीला बंग तृतीय मीनल राठी रहीं। संयोजिका ममता बांगड व मनोरमा मंडोवरा थी। प्रतिभागियों में नमीता मालू, अनिता मंत्री, ममता काबरा, अवनी मालू, प्राची माहेश्वरी आदि ने भागीदारी निभाई।

हैदराबाद। तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक महिला मंडल के तत्वावधान में गणगौर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ईसर गणगौर युगल नृत्य प्रतियोगिता 12 अप्रैल को जूम ऐप पर आयोजित की गई। संस्था की अध्यक्ष उर्मिला साबू तथा सचिव रजनी राठी ने बताया कि भारतीय त्यौंहारों की थीम पर प्रतियोगिता में ईसर गणगौर की वेशभूषा में नृत्य का आयोजन हुआ, जिसके लिये जिलों एवं स्थानीय संगठनों से डेढ़ मिनट का वीडियो मंगाया गया। स्वागत भाषण उर्मिला साबू व रजनी राठी ने देते हुए नववर्ष, उगादि, सिंजारा, गणगौर, श्रीरामनवमी की शुभकामनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम में दक्षिणांचल उपाध्यक्ष कलावती जाजू, दक्षिण समिति सह प्रभारी चंदाणी काबरा और प्रदेश के जिलों की अध्यक्ष, मंत्री व पदाधिकारियों का योगदान रहा। प्रदेश की सांस्कृतिक मंत्री मीना नावंदर एवं श्रुति भक्कड़ ने कार्यक्रम का संचालन कर निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मंजू लाहोटी, मीना नावंदर, श्रुति भक्कड़, पद्मा झंवर, मोनिका सोमानी, प्रीति सारडा, अंजू सोमानी, प्रेमा भट्टड़, हर्षा दरक, आदि का सहयोग रहा।

संगरिया। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गणगौर उत्सव का आयोजन वार्ड 18 स्थित महेश कुंज में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महिला मंडल सदस्यों द्वारा राजकुमारी करवा के नेतृत्व में दीप प्रज्ज्वलित करके की गई। महिलाओं द्वारा राजस्थानी गीतों पर नृत्य किए गए। युवा संगठन के कपिल करवा ने बताया कि इस अवसर पर पार्षद अनिता करवा, प्रेमलता पेड़ीवाल, बिंदु सोमानी, रेणू लखोटिया, सुनीता लखोटिया, सविता राठी, सरोज सोमानी, शारदा पेड़ीवाल, कांता लखोटिया, कांता सोमानी, ज्योति राठी, विम्पल गट्टाणी, कंचन सोमानी, पायल लखोटिया, निकिता गट्टाणी, प्रियंका करवा, कुसुम वर्मा, सरला गोयल, अनिता गर्ग, मीनाक्षी सिंगला, माधुरी तंवर, दिव्या गहलोत, मीनाक्षी शर्मा, सुनीता शर्मा आदि उपस्थित रहे।

गर्वित माहेश्वरी, उरई, जालौन (उत्तरप्रदेश) ये यहाँ गणगौर पूजा।

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है
इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए
60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए
70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए
1 लाख से अधिक

Registration Free

Website
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

जन्म दिवस पर काव्य गोष्ठी

मैनपुरी (उत्तर प्रदेश)। कवि एवं साहित्यकारों के सम्मान एवं स्मरण की श्रृंखला में प्रत्येक माह की 30 तारीख को होली पब्लिक स्कूल ओम भण्डार गली मैनपुरी में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। 98 वें माह की काव्यगोष्ठी कवि श्याम सुन्दर 'श्याम' के जन्म दिवस पर गत दिनों आयोजित की गई। यह काव्यगोष्ठी किसी-न-किसी कवि एवं साहित्यकार के जन्म दिवस स्मृति दिवस पर आयोजित की जाती है। गोष्ठी की अध्यक्षता कवि राजेन्द्र तिवारी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव पाण्डेय गाजियाबाद कवि थे। स्कूल के प्रबंधक विनोद माहेश्वरी (दरगढ) एवं आशा माहेश्वरी दरगढ ने मुख्य अतिथि का सम्मान शॉल, प्रतीक चिन्ह एवं माल्यार्पण, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कई कवियों ने भाग लिया। काव्यगोष्ठी में रामदेव लाहोटी, रितिक लाहोटी, अर्पित माहेश्वरी, देवर्षि माहेश्वरी, गौरी माहेश्वरी, नीलम लाहोटी, विश्वास दरगढ, अनुराग दरगढ आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में होली पब्लिक स्कूल के प्रबन्धक विनोद दरगढ ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विनोद माहेश्वरी दरगढ ने किया।

सामूहिक रुद्राभिषेक का आयोजन

संगरिया।. स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा शिवरात्रि के अवसर पर वार्ड सात स्थित भोमियाजी मंदिर प्रांगण में सामूहिक रुद्राभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पार्थिव शिवलिंग तैयार करके करवाया गया यह समाज का द्वितीय आयोजन था। युवा संगठन के प्रदेश प्रतिनिधि कपिल करवा ने बताया कि कार्यक्रम में मंदिर व्यवस्थापक जगदीश लखोटिया, युवा संगठन अध्यक्ष महेश लखोटिया, सभा के प्रदेश प्रतिनिधि कृष्ण करवा, महिला मंडल अध्यक्ष सरोज राठी, पूर्व अध्यक्ष सीताराम सोमानी व देवकिशन लखोटिया, जिला सचिव पवन राठी, पार्षद दम्पत्ति लखन करवा-अनिता करवा, कोषाध्यक्ष जयकिशन गट्टाणी आदि परिवार सहित पूजा में शामिल हुए।

जिला सभा की बैठक सम्पन्न

पीलीबंगां। हनुमानगढ जिला माहेश्वरी सभा की बैठक 11 अप्रैल को स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित की गई। बैठक के मुख्य वक्ता उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष बाबूलाल मोहता ने स्वरोजगार के लिये मार्गदर्शित किया। जिलाध्यक्ष रतनलाल लाहोटी व जिला सचिव राधेश्याम लखोटिया ने जिले में कोरोना काल के समय करवाए गए प्रकल्पों की जानकारी दी। कार्यक्रम को प्रदेश सचिव राकेश जाजू, जिला संरक्षक रामेश्वर लाल पेड़ीवाल, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सदस्य नौरंग लाल सोमानी, पूर्व प्रदेश संगठन मंत्री मदन गोपाल लड्ढा, माहेश्वरी महिला मंडल की जिला सचिव श्वेता नढाणी, पार्षद लखन करवा आदि ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कपिल करवा व मनोज कोठारी ने किया। विशिष्ट अतिथि महासभा सदस्य शिवभगवान ढुढाणी, कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पार्षद संदीप बिहाणी रावतसर, सुशीला करवा, लखन करवा व अनिता करवा संगरिया एवं लगातार पांच वर्ष से निःशुल्क नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन करने के लिए विजय कुमार थिरानी नोहर का शॉल ओढाकर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

समाज ने आयोजित किया टीकाकरण शिविर

नोखा। सरकारी दिशा निर्देशों के अनुसार कोरोना से बचाव हेतु 45 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का टीकाकरण किया जा रहा है। माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष डॉ.राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत माहेश्वरी समाज नोखा द्वारा आयोजित किए गए मंगल टीकाकरण शिविर में 45 वर्ष से अधिक आयु वालों को टीका लगाया गया। इस टीकाकरण अभियान में 262 लोग लाभान्वित हुए। सभा अध्यक्ष पुरषोतम तापड़िया व सचिव शिव चाण्डक ने बताया कि इस अभियान में माणकचन्द राठी, आसकरण भट्टड़, किशनगोपाल चितलांगिया, मनोहर सोनी, ललित झंवर, भँवरलाल बाहेती, बजरंग कोठारी, मनोज राठी, हरि डागा, सुरेन्द्र भट्टड़, अंकित तोषनीवाल आदि कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

> "सलाह के सौ शब्दों से ज्यादा
> अनुभव की एक ठोकर
> इंसान को बहुत मजबूत बनाती है।"

परम योग 2021 का हुआ वर्चुअल आयोजन

पूर्वांचल अधिवेशन के साथ अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन की चतुर्थ कार्यसमिति बैठक सम्पन्न

कोटा। पूर्वांचल अधिवेशन परम योग 2021 का 6 से 9 अप्रैल चार दिवसीय वर्चुअल प्लेटफार्म पर सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसके साथ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की चतुर्थ राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक का आयोजन भी किया गया।

गत 5 अप्रैल को महेश वंदना के साथ राष्ट्रीय महामंत्री मंजू बांगड़ ने कार्यसमिति बैठक का शुभारंभ सचिवीय अभिवादन के साथ किया गया। इसमें सर्वप्रथम महिला संगठन की आधार स्तंभ पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पदमा देवी मूंदड़ा को देहावसान पर सदन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी ने वर्ष 2021 के भावी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आंचलिक भ्रमण में ध्यान रखने वाले बिंदुओं की चर्चा की। 16 अप्रैल से शुरू होने वाले सखी वर्चुअल एक्सपो 2021 को सफल बनाने हेतु सबके सहयोग का आह्वान किया तथा 2022 जनवरी में महिला महा अधिवेशन में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की सूक्ष्म जानकारी दी। गत कार्यसमिति बैठक पांचजन्य की पुष्टि कर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ज्योति राठी, संगठन मंत्री शैला कलंत्री, कार्यालय मंत्री मधु बाहेती ने अपने कार्य से सबको अवगत कराया। सचिव प्रतिवेदन में महामंत्री मंजू बांगड़ ने संपन्न हुए राष्ट्रीय कार्यक्रमों का पूर्ण विवरण प्रस्तुत किया। इन गतिविधियों में विशेष रूप से विशिष्ट युवक-युवती परिचय सम्मेलन, बढ़ते कदम कंप्यूटर कार्यशाला,'परवरिशः संस्कार से संसार तक' ज्ञानशाला, कवयित्री सम्मेलन, दादी नानी का पिटारा, पर्यावरण

संवर्धन, सखी एक्सपो की वेबसाइट लॉन्च आदि शामिल हैं।

सभी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकों का उपयोग

निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना गगड़ानी ने अपने उद्बोधन में संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व को बधाई प्रेषित की। दोनों स्थाई प्रकल्प महिला पत्रिका की संपादक सुशीला काबरा ने तथा महिला सेवा ट्रस्ट की विस्तृत जानकारी दी। गीता मूंदड़ा ने नए ट्रस्टी तथा प्रमोट हुई ट्रस्टी सदस्याओं का सम्मान किया। महिला अधिकार सशक्तिकरण समिति द्वारा आयोजित वर्चुअल सखी एक्सपो की जानकारी मेला संयोजिका गिरजा सारडा एवं समिति प्रभारी उषा जी द्वारा प्रस्तुत की गई। पांचों अंचल के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने अंचल में किए गए भ्रमण एवं पश्चिमांचल अधिवेशन युवा उड़ान की जानकारी पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की। सभी प्रदेशों की त्रैमासिक रिपोर्ट का मूल्यांकन कर- सात प्रदेश डायमंड श्रेणी में, सात प्रदेश गोल्ड श्रेणी में तथा बाकी सभी को सिल्वर कैटेगरी से नवाजा गया। प्रेरणा गीत धन्यवाद आभार के साथ बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, सभी पूर्व अध्यक्ष, दसों समिति प्रभारी सह प्रभारी, 27 प्रदेशों के अध्यक्ष व सचिव, कार्यसमिति एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति के सभी सदस्यों ने उपस्थित होकर सार्थकता प्रदान की।

कई ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

शुभ कार्य, शुभ विचार, शुभ संस्कृति से प्रेरित इस अधिवेशन में विभिन्न समितियों के माध्यम से ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए गए । इसके अन्तर्गत सूक्ष्म गायत्री हवन से कार्यक्रम का शुभारंभ, मीडिया के बढ़ते प्रभाव एवं विवाह संबंधित समस्याओं पर जागृति, सामयिक विषयों पर उपयोगी वार्ता, आओ बनाएं अपना शहर, ज्वेल्स ऑफ पूर्वांचल, ई पुस्तिका पूर्वांचल के गौरव, पूर्वांचल की पुरवाई का विमोचन एवं अंत में अनमोल नगमे का आयोजन मनोरंजक एवं कला प्रतिभा के साथ किया गया। निशा प्रणीत टेक्नोलॉजी का भी इसमें योगदान रहा। इसमें पूर्वांचल के कर्मठ पदाधिकारी उपाध्यक्ष मंजू कोठारी तथा संयुक्त मंत्री गिरजा सारडा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, सभी पूर्वांचल सह प्रभारी, 6 प्रदेशों के अध्यक्ष, सचिव, प्रदेश संयोजिका एवं उनकी टीम के प्रत्येक कार्यकर्ता ने समर्पित भाव से अपना योगदान दिया।

हर्ष को जेईई मेंस में 99.977 परसेंटाइल

प्रयागराज। स्थानीय समाज की प्रतिभा हर्ष बिहानी ने जेईई मेंस मार्च में 99.977 परसेंटाइल हासिल किये। अनिल बिहानी एवं ललिता बिहानी के सुपुत्र हर्ष ने इससे पूर्व भारत सरकार की किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (के.वी.पी.वाई) की राष्ट्रीय स्तर की अंतिम परीक्षा में भी 185वीं रैंक हासिल की थी। इस योजना में देश के शीर्ष संस्थानों में विज्ञान वर्ग के अंतर्गत स्नातक से प्री पी.एच.डी. कक्षाओं तक अध्ययन व शोध आदि के लिए भारत सरकार से 10000 रुपये प्रतिमाह फलोशिप मिलेगी। नेशनल टेलेंट सर्च एग्जामिनेशन में भी हर्ष को 15000 रुपये प्रति वर्ष स्कॉलरशिप मिल रही है।

माहेश्वरी मेवाड़ा ट्रस्ट के चुनाव संपन्न

इंदौर। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा सार्वजनिक ट्रस्ट के चुनाव श्रीनिवास मालपाणी चुनाव अधिकारी द्वारा करवाये गये। इसमें नंदलाल बाहेती अध्यक्ष, महेश कुमार तोतला मंत्री व केदारमल हेड़ा कोषाध्यक्ष मनोनित किये गये। उल्लेखनीय है कि इस ट्रस्ट द्वारा चिकित्सा हेतु जरूरतमंद समाज बंधुओं को सहायता प्रदान की जाती है। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सभी ट्रस्टीयों का आभार महेश तोतला ने माना।

जैथलिया का हुआ सम्मान

बूंदी। सेवा व समर्पण के सात साल के अंतर्गत माहेश्वरी पंचायत संस्थान के निवर्तमान अध्यक्ष जगदीश जैथलिया का देवपुरा स्थित एक निजी रिसोर्ट में आयोजित समारोह में समाज से जुड़े प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में अभिनंदन किया गया। समारोह में कैलाश बहेड़िया, द्वारका जाजू, नारायण मंडोवरा, जगदीश लड्ढा, विनोद मंत्री, संजय मंडोवरा, दिनेश लखोटिया, रमेश जैथलिया, चतुर्भुज गुप्ता, सोहन तोषनीवाल, भगवान झंवर, राधेश्याम मूंदड़ा, आदेश गुप्ता, सत्यप्रकाश बिल्या, जगदीश बाहेती, आशीष तोतला आदि ने सामूहिक रूप से जैथलिया दम्पति का 21 किलो वजनी पुष्पाहार, शाल व दुपट्टा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। सभा अध्यक्ष विजेन्द्र माहेश्वरी ने जैथलिया के सात साल के कार्यकाल को बेमिसाल बताते हुए उनकी समरसता व संगठनात्मक क्षमता को अतुलनीय बताया। कार्यक्रम में पँचायत अध्यक्ष भगवान बिरला, पूर्वी प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम लाठी, जिलाध्यक्ष विजेंद्र जाजू व मनीष मंत्री ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन महेश क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष संजय लाठी ने किया। कार्यक्रम में सुनील जैथलिया, महिला संगठन जिलाध्यक्ष उर्मिला नुवाल, जिला सचिव अनिता लाठी, शहर अध्यक्ष नीलम हल्दिया, सचिव नीलम थेबड़िया आदि गणमान्य उपस्थित थे।

सेवा गतिविधियों का सतत आयोजन

कानपुर। मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत माह सतत रूप से सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें ग्राम विकास एवम राष्ट्रीय समस्या निवारण समिति द्वारा कंडे की होली जलाकर, पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। स्वास्थ्य एवं पारिवारिक समरसता समिति ने योगा के महत्व को समझ कर योगाभ्यास व कैम्प में कोविड वैक्सीन लगवाने के सफल प्रयास किये गये। महिला अधिकार सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति ने सखी एक्सपो का प्रचार-प्रसार किया।

विवाह संबंध सहयोग समिति के अंतर्गत 20-21 मार्च को हुए विशिष्ट युवक युवती परिचय सम्मेलन में 5 वीडियो भेज विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा का आदान-प्रदान किया गया है। कम्प्यूटर नेटवर्किंग एंड एडवांस तकनीकी शिक्षा समिति के अंतर्गत कल आज कल कार्यक्रम में विशेष सहभागिता के लिए समिति प्रभारी करुणा अटल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साहित्य एवं सामाजिक चिंतन मनन समिति के अंतर्गत जिला स्तर पर प्रतियोगिता ''कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन'' आयोजित हुई। उक्त जानकारी अध्यक्ष प्रीति तोषनीवाल तथा सचिव सीमा झंवर ने दी।

रूपाली को 6 पुरस्कार

सीहोर। रुपाली सोनी ने राष्ट्रीय स्तर पर 'मैं भारत हूँ संघ' द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में आल राउंडर अवार्ड जीतकर नृत्य में लहराया परचम और सीहोर को 6 पुरस्कार दिलवाये। राजस्थान स्थापना दिवस महोत्सव- ''आपणों राजस्थान'' के साथ आयोजित किया गया था। इसमें रुपाली ने स्वयं के साथ-साथ अपनी संस्था सरस्वती कथक की 7 बच्चियों को भी अपने मार्गदर्शन द्वारा राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाकर कर सीहोर का नाम रोशन किया।

गोवर्धन दास बिन्नाणी को पहला स्थान

बीकानेर। अच्छे सृजन को सम्मान देने के लिए हिंदीभाषा डॉट कॉम परिवार द्वारा मासिक स्पर्धाओं का आयोजन निरन्तर जारी है। इसी क्रम में 'ज से जल-जीवन' विषय पर स्पर्धा आयोजित की गई। इसमें गद्य वर्ग में राजस्थान से गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू' ने पहला, तो मप्र से डॉ. पूर्णिमा मंडलोई ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

> *बुरा जो देखन मैं चला,*
> *बुरा न मिलिया कोय।*
> *जो दिल ढूंढा आपना,*
> *मुझसे बुरा न कोय।।*

समर स्पेशल मॉकटेल कार्यशाला का हुआ आयोजन

नागपुर। स्थानीय राजस्थानी महिला मंडल गत द्वारा तीन अप्रैल को समर स्पेशल मॉकटेल की कार्यशाला आयोजित की गई, जिसकी प्रशिक्षिका चीफ पूनम राठी थीं। इसमें उन्होंने बहुत ही सुंदर तरीके से विभिन्न प्रकार के इनोवेटीव व हेल्दी मॉकटेल बनाना तथा प्रेजेंट करना सिखाया। इस कार्यशाला का करीबन 450 महिलाओं ने लाभ लिया।

चिकित्सा केन्द्र को वाटर फिल्टर किया भेंट

अहमदनगर (महा.) ग्राम भालवणी तालुका पारनेर जिला अहमदनगर में 1000 बेड का निःशुल्क कोरोना चिकित्सा केंद्र काफी समय से आमदार निलेश लंके प्रतिष्ठान द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस क्षेत्र में शुद्ध पेयजल नहीं होने से लगभग 800 मरीजों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। सांगवी परिसर महेश मंडल, पुणे ने इस केंद्र की सहायतार्थ जन-सहयोग से गत 24 अप्रैल 2021 को महेश जल शुद्किरण संयंत्र भेंट किया। इसका लोकार्पण पारनेर से विधानसभा सदस्य निलेश लंके के कर-कमलों द्वारा किया गया। सांगवी परिसर महेश मंडल की ओर से अध्यक्ष सतीश लोहिया व कार्यकारिणी सदस्य मनोजकुमार अटल ने संयंत्र भेंट किया।

शीतल पेयजल मशीन का शुभारम्भ

तेलंगाना। तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा कोठी सुल्तान बाज़ार क्षेत्र में पीने के ठंडे पानी की मशीन स्थापित की। इसका उद्घाटन संस्था की अध्यक्ष उर्मिला साबू, कोषाध्यक्ष मंजू लाहोटी, पद्मा झवर, सुनीता झंवर, सुमीत राठी आदि ने किया।

रंग उमंग का हुआ आयोजन

कोलकाता। वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित रंग उमंग 2021 होली कार्यक्रम माहेश्वरी भवन में गत 28 मार्च को संम्पन्न हुआ। भगवान महेश की वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत पश्चात कोलकाता की सुप्रसिद्ध चंग मंडलिया राम मंत्री पार्टी, पगलिया ग्रुप व मस्ताना ग्रुप द्वारा चंग व ढप की मधुर गूंज, होली के मधुर गीतों की सरगम व मस्ती भरे नृत्य की धमाकेदार प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। अ.भा.मा.सं. के अध्यक्ष श्याम सोनी का युवा अध्यक्ष केशव डागा, मंत्री राजीव लखोटिया ने साफा, दुपट्टा व फूलों से स्वागत सत्कार किया। नंदू लखोटिया, श्याम सुंदर राठी, राजेश नागौरी, सूरज बागड़ी, पुरषोत्तम मूंधड़ा सहित समस्त आँचलिक अध्यक्ष, मंत्री, सदस्य व समाज जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम संयोजक कमल गट्टानी व विष्णुकांत लखोटिया थे।

पृथ्वी दिवस पर किया घर-घर हवन

इन्दौर। संस्था आनन्द गोष्ठी का पृथ्वी दिवस पर महा अभियान हर घर आंगन में हवन, दीप प्रज्वलन और रंगोली बना संकल्प लेकर उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। उक्त जानकारी देते हुए संरक्षक गोविन्द मालू और अध्यक्ष उष्मा मालू ने बताया कि पृथ्वी पर बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, इबोला, निपाह, सार्स के बाद अब कोरोना हमारे द्वारा पैदा किये गए असन्तुलन का परिणाम है। इसलिये 51 वें पृथ्वी दिवस पर संस्था के आव्हान पर घर-घर गायत्री मंत्र और अथर्ववेद के चार मन्त्रों ॐ इन्द्राय स्वाहा, ॐ प्रजापतये स्वाहा, ॐ अग्नये स्वाहा, ॐ सोमाय स्वाहा से सूर्यास्त के पूर्व हवन किया गया, शाम को घी का दीपक तुलसी के पास प्रज्जवलित किया गया। हर घर आंगन में रांगोली बनाकर पृथ्वी का श्रृंगार किया। इसके लिये शहर में 108 टीमों नें दिन भर सोशल मीडिया और व्यक्तिगत फोन कर लोगों को प्रेरित किया। इसमें अनेक प्रमुख गणमान्य नागरिकों विधायक मालिनी गौड़, उमा शशि शर्मा, अजयसिंह नरुका, हरिनारायण यादव, विधायक रमेश मेंदोला, महेंद्र हार्डिया, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता समेत अनेक गणमान्यजनों ने भी हवन किया।

श्री दामोदरलाल बंग की मूर्ति का अनावरण

हरिद्वार। श्री माहेश्वरी समाज के कर्मठ समाजसेवी स्व. श्री दामोदरलाल बंग की मूर्ति का अनावरण समारोह पूर्वक अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, हरिद्वार स्थित भवन में गत17 अप्रैल को वैदिक मंत्रोच्चार के बीत संतों के पावन सानिध्य, समाज के पदाधिकारियों तथा देश भर के विभिन्न क्षेत्रों से आये समाजबंधुओं की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने बताया कि माहेश्वरी समाज के कर्मठ समाजसेवी एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता स्व. दामोदरलालजी बंग की प्रतिमा उनके अविस्मरणीय कार्यों की चिर स्थाई स्मृति एवं समाजबंधुओं को सतत प्रेरणा मिलने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। महामण्डलेश्वर जूना अखाड़ा पीठाधीश्वर अवधेशानंदगिरीजी महाराज ने भी भावुक होते हुए स्व. श्री बंग के योगदानों का स्मरण किया।रामकथा वाचक संत मुरलीधर महाराज, युवाचार्य संत अभयदासजी महाराज, गौ भक्त राधाकिशन महाराज, भाजपा उत्तराखण्ड के प्रदेशाध्यक्ष मदन कौशिक, श्री माहेश्वरी सेवा सदन के मंत्री सोहनलाल मूंदड़ा ने भी विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर पधारे संतों का स्वागत जोधपुर नगर निगम दक्षिण के उप महापौर किशन लड्ढा, अशोक बंग, भीकमचंद बूब, राजेश लोहिया, कैलाश जाजू, मनोहरलाल पूंगलिया, गोपाल बंग, ओमप्रकाश राठी, मोहनलालजी राठी, रामदयाल गांधी ने पुष्पहार द्वारा किया। कार्यक्रम का संचालन रनिश दरगड़ ने किया। इस अवसर पर दामोदरलाल लोहिया, सोहन जैसलमरिया, शशि मनिहार सहित समाज के सैकड़ों गणमान्यजन उपस्थित थे।

सीख....

बुरी से बुरी परिस्थितियों में भी आशा नहीं छोड़नी चाहिए।

एक राजा ने दो लोगों को मौत की सजा सुनाई। उसमें से एक यह जानता था कि राजा को अपने घोड़े से बहुत ज्यादा प्यार है। उसने राजा से कहा कि यदि मेरी जान बख्श दी जाए तो मैं एक साल में उसके घोड़े को उड़ना सीखा दूँगा। यह सुनकर राजा खुश हो गया कि वह दुनिया के इकलौते उड़ने वाले घोड़े की सवारी कर सकता है ।

दूसरे कैदी ने अपने मित्र की ओर अविश्वास की नजर से देखा और बोला, तुम जानते हो कि कोई भी घोड़ा उड़ नहीं सकता! तुमने इस तरह पागलपन की बात सोची भी कैसे ? तुम तो अपनी मौत को एक साल के लिए टाल रहे हो।

पहला कैदी बोला, ऐसी बात नहीं है। मैंने दरअसल खुद को स्वतंत्रता के चार मौके दिए हैं .. **पहली बात** राजा एक साल के भीतर मर सकता है! **दूसरी बात** मैं मर सकता हूं ! **तीसरी बात** घोड़ा मर सकता है ! और **चौथी बात** हो सकता है, मैं घोड़े को उड़ना सीखा दूं !!

कहानी की सीख - बुरी से बुरी परिस्थितियों में भी आशा नहीं छोड़नी चाहिए। रिकवरी रेट बढ़ रहा हैं, पॉज़िटिवीटी रेट घट रहा हैं, बिस्तर बढ़ रहे हैं, आक्सिजन बढ़ रही है, इंजेक्शन का बड़ा उत्पादन शुरू हो गया है। वैक्सीन आ गई है !! रेल एक्सप्रेस, वायुयान दौड़ रहे है, आयुर्वेद और योग शक्ति दे रहा हैं, धेर्य रखें हम जीत रहें हैं। आत्मविश्वास बनाए रखना है और सकारात्मक रहना है। सब तरफ से कुछ अच्छा होने वाला है।

हेड़ा बने विदर्भ प्रदेश मंत्री

अकोला (विदर्भ)। विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन मानद मंत्री पद पर डॉ. रमण हेडा का निर्विरोध चयन किया गया। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी की उपस्थिति में संपन्न, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन की कार्यसमिति सभा में प्रदेश अध्यक्ष रमेशचंद्र चांडक ने डॉ. हेडा के प्रदेश मंत्री बनने की घोषणा की। डॉ. हेड़ा ने अकोला के स्थानिक युवा संगठन व माहेश्वरी प्रगति मंडल के अध्यक्ष के रूप में 1995-96 में अपना सामाजिक सफ़र शुरू किया। फिर उन्होंने युवा संगठन से लेकर प्रदेश सभा तक विविध पदों पर सफलता पूर्वक कार्य किया। आप अकोला-वाशीम संयुक्त जिला युवा संगठन के संस्थापक ज़िलाध्यक्ष, प्रदेश संयुक्त मंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं देने के उपरांत, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के प्रदेशाध्यक्ष की ज़िम्मेदारी भी निभा चुके है। प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल में पूरे प्रदेश का दौरा कर समाज को सही मायने में ''संगठन आपके द्वार'' का अधिकार दिया।

फागोत्सव का किया आयोजन

खरगोन। माहेश्वरी समाज महिला मंडल की अध्यक्ष अलका सोमानी के नेतृत्व में फाग महोत्सव एवं रंगो भरी होली का कार्यक्रम समाज सदस्य कांता फोफलिया के घर पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी सदस्याओं ने बड़े हर्ष उल्लास के साथ भगवान के साथ होली खेली एवं भजन गाए। कार्यक्रम में पश्चिमाचल म. प्र. व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति संयोजिका स्मिता बियाणी, उमा सोमानी, कांता फोफलिया, पूजा कोठारी, सुमन खटोड़, कांता सोनी, शकुंतला सोमानी, निशा भट्टड़, पार्वती कोठारी आदि कई महिलाएं उपस्थित थी।

एआईसीटीई को भी मार्गदर्शन देंगे डॉ. मूंदड़ा

कोलकाता। देश के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत कार्यरत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा सिम्प्लेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के चेयरपर्सन डॉ. बिट्ठलदास मूंदड़ा को 'डिस्टिंग्विश चेयर प्रोफेसर' मनोनीत किया है। डॉ. मूंदड़ा इस सम्मानित पद के साथ विद्यार्थियों को तो अपनी विशेषज्ञता से मार्गदर्शित करेंगे ही साथ ही तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नई योजना बनाने में भी अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

डॉ. बिट्ठलदास मूंदड़ा का जन्म सन् 1942 ई० में हुआ। उन्होंने सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड की स्थापना के साथ मात्र 19 साल की उम्र में अपनी जीवनयात्रा की शुरुआत की थी। आपने अपनी लगन और उत्साह के साथ व्यावसायिक कौशल से गत 50 वर्षों में सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड को नई ऊंचाईयां दी। डॉ. मूंदड़ा ने अपनी मौलिक सूझ-बूझ तथा आधारभूत शोध से भू-प्रोद्योगिकी, प्लांट एण्ड मशीनरिज, प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट सिस्टम, इन हाउस डेवलपमेंट ऑफ इआरपी तथा अभियंताओं, श्रमिकों एवं कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं कौशल विकास के नये आयाम प्रस्तुत किए। सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड के चेयरमैन (एमेरिटस) के रूप में डॉ. मूंदड़ा औद्योगिक क्षेत्र में एक सफल, प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। निर्माण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में आपकी उपलब्धियों को देखते हुए ही सिंघानिया विश्व विद्यालय ने डॉक्टरेट (पीएच.डी.) एवं केआईआईटी विश्वविद्यालय ने डी. लिट. की उपाधि से आपको विभूषित किया है। इसके साथ ही आपको राष्ट्रीय एवं अंतरर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने भी सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित किया है। उल्लेखनीय है कि सन् 2010 में डॉ. मूंदड़ा को श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा माहेश्वरी ऑफ द ईयर से भी सम्मानित किया गया। डॉ. मूंदड़ा के नेतृत्व में सिम्पलेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड ने भी बहुत सारे सम्मान प्राप्त किये हैं।

सेवा गतिविधियों का सतत आयोजन

दिल्ली। प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा गत मार्च माह में भी सेवा गतिविधियों का भी सतत आयोजन हुआ। इसके अंतर्गत महिला अधिकार, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण समिति ने सखी एक्स्पो में 9 स्टॉल्स बुक किये, 2 स्पॉन्सर प्रेषित किए गए, राफेल टिकट्स खरीदी भी जा रही है। बाल एवं किशोरी विकास समिति द्वारा दक्षिणी क्षेत्र में विडियो प्रतियोगिता रखी गई। इसमें 3 प्रकार के पुरस्कार दिये गये। विवाह संबंध सहयोग गठबंधन समिति के प्रयास से दिल्ली प्रदेश में 56 घरों में विवाह सम्बंध हुए। अखिल भारतवर्षीय विवाह संबंध सहयोग समिति द्वारा भी 10 संबंध करवाए गए। विशिष्ट युवक-युवती सम्मेलन में दिल्ली प्रदेश से 11 वीडियो भेजे गए। साहित्य चिंतन मनन समिति व राष्ट्रीय साहित्य समिति के अंतर्गत "कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन" प्रतियोगिता में दिल्ली पंचम स्थान पर रहा। प्रथम विजेता जयश्री भंडारी को राष्ट्रीय कवयित्री सम्मेलन में भाग लेने का सुअवसर प्राप्त हुआ। कम्प्यूटर नेटवर्किंग समिति द्वारा संपर्क ऐप की ट्रेनिंग व जानकारी दी जा रही है। पर्व एवं संस्कृति समिति ने जोर शोर से फागोत्सव मनाया, जिसमें चंग की तरंग ने खूब सतरंगी धमाल मचाई। उत्तरी पश्चिमी क्षेत्र ने "हास्य के गुलाल" का आयोजन किया। सखियों ने जमकर हास्य रंग बिखेरा। अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट में 51000 रुपये की राशि देकर इंदु लड्ढा सदस्य बनीं। उक्त जानकारी अध्यक्ष श्यामा भांगड़िया व सचिव प्रभा जाजू ने दी।

माहेश्वरी का किया सम्मान

जयपुर। प्रमुख समाजसेवी एवं जयपुर माहेश्वरी समाज के पूर्व कोषाध्यक्ष नंदकिशोर माहेश्वरी को उनकी सतत समाजसेवा के लिए रोटरी क्लब जयपुर द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया। गत 17 मार्च को रोटरी भवन जयपुर में आयोजित समारोह में रोटरी क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजेश अग्रवाल एवं क्लब के जयपुर अध्यक्ष प्रदीपसिंह राजावत ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी रोटरी कम्यूनिटी कोर बीलवा के गत 45 वर्षों से निरंतर अध्यक्ष रहे हैं और प्रतिवर्ष निःशुल्क आंखों के ऑपरेशन कैम्प आदि सेवा कार्य करते रहे हैं। आयोजित इन शिविरों में अब तक लगभग 10 हजार लोगों के ऑपरेशन कराए गए।

रक्तदानी उपेंद्र ने किया प्लाज्मा दान

इंदौर। माहेश्वरी समाज जिला संगठन के फूटी कोठी इंदौर क्षेत्र में निवासरत अन्नपूर्णा क्षेत्र इंदौर के सदस्य महेंद्र गोपाल अयसनिया के पुत्र उपेंद्र माहेश्वरी 39 वर्ष वर्तमान में धार स्थित बिरला सन लाइफ इन्श्योरेंस कम्पनी में कार्यरत हैं। उन्होंने कोरोना से ठीक होने के बाद इंदौर के निजी अस्पताल में भर्ती एक महिला को प्लाज्मा दान किया। इसके लिये वे स्वयं के खर्चे से इंदौर आये। श्री माहेश्वरी ने बताया कि गत सितम्बर में पूरा परिवार कोरोना पॉजिटिव हो गया था। 14 दिन बाद में सभी स्वस्थ्य हो गये थे। उल्लेखनीय है कि श्री माहेश्वरी अभी तक 25 बार रक्तदान कर चुके हैं।

शादी के खर्च से बचे रूपयों से फाउण्डेशन बनाया

इंदौर। उषानगर में रहने वाली वित्तीय सलाहकार युवती निधि बंग ने सेवा का अनूठा जज्बा दिखाया है। कोरोना काल में विवाह समारोह सादगी से करने के कारण विवाह खर्च में खासी कमी आई है। निधि ने अपने विवाह में खर्च होने वाली राशि से एक फाउण्डेशन की स्थापना कर ली है। इसके जरिए आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को शिक्षा में मदद की जाएगी। निधि बताती है कि उनका विवाह बायपास स्थित एक गार्डन में 23 अप्रैल को होना तय था लेकिन बदली परिस्थितियों के कारण अब केवल चुनिंदा स्वजनों की मौजूदगी में ही विवाह होगा। अतः मेरे विवाह में खर्च करने के लिए जो राशि एकत्रित की थी अब वह बच जाएगी। मेरे पिता लक्ष्मीकांत बंग श्री माहेश्वरी सेवा संगठन के माध्यम से पिछले 30 वर्षों से वैष्णव स्कूल में सर्वसमाज के गरीब बच्चों को निशुल्क पढ़ा रहे हैं। इस दौरान कई बार मैं भी उनके साथ गई। तब मैंने ऐसे बच्चों की तकलीफ को नजदीक से देखा था। इसलिए मैने पिता के नाम से लक्ष्मीकांत बंग चैरिटेबल फाउंडेशन बनाने का निर्णय लिया है। इसके माध्यम से सभी समाजों के जरूरतमंद बच्चों को पाठय पुस्तकें, यूनिफार्म, स्कूल बैग, स्कूल की फीस आदि सहायता प्रदान की जाएगी। इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष सुमन सारडा ने भी इस कार्य की प्रशंसा की।

11वें रक्तदान शिविर का आयोजन

फरीदाबाद (उ.प्र.)। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट एवं माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा रोटरी क्लब फरीदाबाद एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में 11वें रक्तदान शिविर का आयोजन माहेश्वरी सेवा सदन, 160 सेक्टर 7ए, फरीदाबाद में गत 28 फरवरी को किया गया। इसका आयोजन देवचंद बिहानी एवं बिहानी परिवार द्वारा स्व. श्री संजय बिहानी की स्मृति में कोविड-19 के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखकर किया गया। इसमें 158 युनिट रक्तदान हुआ। माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश गटटानी एवं माहेश्वरी मण्डल के अध्यक्ष नारायण झंवर ने अतिथियों- विधायक नरेंद्र गुप्ता, संजीव राय मेहरा, डीजी रोटरी क्लब, श्रीकृष्ण सिंघल आदि का स्वागत किया। इस शिविर में युवा अध्यक्ष तरुण सोमानी, कैंप संयोजक महेश बिहानी, अजय बिहानी, गौरव बाहेती, युवा सचिव रितेश सोमानी, मंडल सचिव नवल मूंदड़ा, विनोद बिहानी, रोहित डंवर, अंशुमन लखोटिया, प्रादेशिक अध्यक्ष संदीप कोठारी, पूर्व अध्यक्ष सुशील नेवर, उपाध्यक्ष सुशील सोमानी आदि का योगदान रहा। आभार माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष नारायण प्रसाद झंवर ने माना।

नव संवत का किया स्वागत

कोलकाता। समाज का सर्वांगीण विकास के साथ ही संस्कारी व्यक्तित्व का निर्माण ही समाज को आनंद दे सकता है। उक्त उदगार डॉ. विठ्ठलदास मूंदड़ा अध्यक्ष, सिम्पलेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने माहेश्वरी औद्योगिक शिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित नववर्ष संवत 2078 के कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कौशल शिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षण केंद्र ट्रेनर एवं ट्रेनी की दूरी को दूर कर सकता है। केंद्र के अध्यक्ष डॉ.के मेहता ने स्वागत उदबोधन दिया। माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य बुलाकीदास मिमानी ने विशिष्ट अतिथि डॉ. विठ्ठलदास मूंधड़ा का परिचय दिया। केंद्र के सदस्य प्रतिनिधि पंचानन भट्टड़ ने क्विज मास्टर के रूप में प्रश्न किए और उनके सही उत्तर देने वालों को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का सफल संचालन केंद्र के मंत्री अरूण कुमार सोनी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नंदकुमार लड्ढा, मदन मोहन भट्टड़, अशोक चांडक राजव लखोटिया आदि का सक्रिय योगदान रहा।

चलें गाँव की ओर अभियान प्रारम्भ

नागौर। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा गाँवों की उपयोगिता को प्रतिपादित करने तथा उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़े रखने के लिये अभियान "चलें गाँव की ओर.." का आयोजन किया जा रहा है। सचिव पुरूषोत्तम लाहोटी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष सत्यनारायण भण्डारी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य 'बेटी को जल्दी परनाओ, बहु को आगे पढ़ाओ' अभियान का प्रचार-प्रसार करना होगा। साथ ही अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के सामाजिक सर्वेक्षण के कार्य को पूर्ण करना व जो परिवार नहीं जुड़े हुए हैं उनको जोड़ना, महासभा के सभी ट्रस्टों की जानकारी उपलब्ध करवाना, मध्य राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी सभा व नागौर जिला माहेश्वरी सभा द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी देना, एक लाख तक की आय वाले परिवारों की पहचान कर उनको मेडिक्लेम व अन्य सहायता उपलब्ध करवाना तथा असहाय परिवारों व असहाय विधवाओं की समस्या की जानकारी प्राप्त कर उनका तत्काल निदान किया जाना भी इसके लक्ष्यों में शामिल हैं।

"आंसू न होते तो आंखे इतनी सुंदर ना होती
दर्द ना होते तो खुशी की कीमत ना होती
अगर मिल जाता सब कुछ केवल चाहने से
तो दुनिया में ऊपर वाले की जरूरत ही न होती"

नव वर्ष पर तुलसी पौधा वितरण

भीलवाड़ा। शास्त्री नगर माहेश्वरी सभा द्वारा नववर्ष विक्रम संवत 2078 के पावन पर्व पर घर में तुलसी पौधा स्थापित कर कोरोना से राहत पाने की अपील की गई। इसी क्रम में 250 तुलसी पौधे शास्त्री नगर माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों ने वितरित कर नव वर्ष धूमधाम से मनाया। कोरोना काल के प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए तुलसी के राम और श्याम पौधों का वितरण एवं नीम की नव कोपल, काली मिर्च एवं मिश्री का वितरण कर शास्त्री नगर महेश्वरी भवन में हर्षोल्लास के साथ महिला मंडल, युवा संगठन एवं शास्त्रीनगर माहेश्वरी सभा के समस्त कार्य समिति सदस्यों द्वारा नववर्ष मनाया गया। प्रदेश माहेश्वरी सभा सदस्य सुशील मारोठिया, जिला सभा सदस्य शिव नुवाल, शास्त्रीनगर अध्यक्ष संजय जागेटिया, सचिव राजेंद्र तोषनीवाल शास्त्री नगर महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता झवर, सचिव मधु समदानी आदि अपने कार्यकारिणी मंडल के साथ उपस्थित थे।

कोरोना से जंग मे सहयोग

बड़नगर। आत्मनिर्भर बड़नगर के अंतर्गत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय बस स्टैंड कोविड सेंटर पर डॉक्टर वासुदेव काबरा परिवार एवं काबरा मेडिकल स्टोर्स द्वारा मानव सेवा-माधव सेवा के वचनामृत को चरितार्थ करते हुए अनुविभागीय अधिकारी को कोरोना मरीजों की सेवा के लिए 5000 कैप्सूल डॉक्सीसाइक्लिन, 5000 टेबलेट आइवरी मेक्टिन, 10 लीटर सैनिटाइजर, 10 फेस शील्ड, 10 एन 95 मास्क, 3 सुरक्षा किट भेंट दिए। इस अवसर पर परिवार के डॉक्टर प्रखर काबरा, प्रणव काबरा आदि उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि

जगदीश प्रसाद पुंगलिया

बालोतरा। विपश्यी साधक एवं माहेश्वरी समाज बालोतरा के पूर्व अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद पुंगलिया का गत 4 अप्रैल को देहावसान हो गया। उन्होंने 8 विपसना साधना कोर्स 10 दिन के किये एवं 10 दिन की एक सेवा उनके द्वारा हुई। उन्होंने समाज सेवा एवं धर्म के प्रति भी अनेकों कार्य किये। वे शांतप्रिय स्वभाव थे। दया, दान, मौन सभी को साथ लेकर चलने की प्रवत्ति यहीं उनका जीवन था। उनकी धर्मपत्नी श्रीमती उषा देवी पुंगलिया भी वर्ष 1996 में धर्म साधना में लगी।

श्री गोपालजी एवं शरद सोमानी

उज्जैन। उज्जैन के प्रातिष्ठित श्री गोपालजी सोमानी का विगत 16 अप्रैल को एवं उनके पुत्र शरद सोमानी का गत 28 अप्रैल को कोरोना से निधन हो गया। आपके निधन पर स्नेहीजनों ने श्रद्धांजलि व्यक्त की। श्री शरद सोमानी अपने पीछे पुत्र सोमिल एवं पुत्री सानिया व भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

श्री माँगीलाल कैला

बड़ोदिया (शाजापुर)। जिले की 'केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट ऐसोसिएशन' के पूर्व अध्यक्ष तथा समाजसेवी श्री माँगीलाल कैला का गत 16 अप्रैल को देहावसान हो गया। बड़ोदिया में प्रथम मेडिकल स्टोर खोलने का श्रेय उनको जाता है। गॉव के लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ना, सामाजिक कुरूतियों के प्रति जागरूक करने में आपका विशेष योगदान था। लगभग 45 वर्षों से आप राधास्वामी सत्संग व्यास से भी जुड़े रहे। उनका जीवन एवं आचार शैली बहुत संयमित थी। आपका व्यक्तित्व में ऐसा आकर्षण था कि मिलने वाले हर व्यक्ति पर अपनी छाप अंकित कर देते थे। आप उद्योगपति पंकज एवं पियुष कैला के पिताश्री थे। उनके निधन से परिवार व समाज की अपूरणीय क्षति हुई है।

श्री सुशील तोषनीवाल

भीलवाड़ा। माहेश्वरी समाज के निःस्वार्थ कर्मठ सेवादार 48 वर्षीय श्री सुशील तोषनीवाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री रामनिवास तोषनीवाल का गत 22 अप्रैल को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। स्व. श्री तोषनीवाल माहेश्वरी समाज में ही नहीं अपितु अन्य कई सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं में भी अपनी निःस्वार्थ सेवा दे रहे थे। आप अपने पीछे शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

नव संवत्सर का स्वागत

जोधपुर। माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा हिंदू संवत्सर 2078 के शुभ आगमन पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत नव वर्ष की पूर्व संध्या पर 51 दीपक से भगवान राम की आरती उतार कर भजन कीर्तन एवं मंगल गीत गाकर नव वर्ष का स्वागत किया एवं साथ ही सभी सदस्याओं ने कोरोना वायरस से जल्दी ही मुक्ति की भगवान से प्रार्थना की। संयोजक संगीता भट्टड़ ने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। सुशीला बजाज ने बताया कि जिला अध्यक्ष शिवकन्या धूत सहित मंडल की करीबन 40-45 महिलाएं उपस्थित थीं।

राम चरित मानस वीडियो लॉन्च

भीलवाड़ा। दक्षिणी राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश कोठारी, मंत्री सत्येन्द्र बिरला, कोषाध्यक्ष सुरेश कचोलिया ने बताया कि दक्षिणी राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी सभा द्वारा प्रायोजित सम्पूर्ण राम चरित मानस वीडियो यू ट्यूब पर लॉन्च किया गया। दक्षिणी राजस्थान माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल, मंत्री अनिला अजमेरा ने बताया कि दक्षिणी राजस्थान प्रदेश जिला एवम् नगर माहेश्वरी महिला संगठन भीलवाड़ा द्वारा वृहद आयोजन पश्चिमाञ्चल उपाध्यक्ष ममता मोदानी के निर्देशन में किया गया। जिलाध्यक्ष सीमा कोगटा व मंत्री प्रीति लोहिया ने बताया कि पाठ वाचन नगर मंत्री रीना डाड द्वारा किया गया। वीडियो विनीता नुवाल द्वारा बनाए गए। नगर अध्यक्ष भारती बाहेती ने बताया कि मास पारायण के अनुसार 30 एपिसोड में सम्पूर्ण रामचरित मानस बनाया गया।

वरिष्ठों को लगवाए निःशुल्क टीके

बठिंडा। सविता होलानी की अध्यक्षता में माहेश्वरी महिला संगठन बठिंडा द्वारा कोरोना वायरस से बचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8 मार्च से 31 मार्च तक वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क टीकाकरण अभियान माहेश्वरी चिल्ड्रन हॉस्पिटल एंड वेक्सिनेशन सेंटर में डॉ. रोबिन माहेश्वरी की देख रेख में आयोजित हुआ। होली की छुट्टियों के कारण इस अभियान को 7 अप्रैल तक कर दिया गया और अंतिम दिन तक कुल 1001 टीके लगे। सचिव अंजू मालपानी ने बताया कि इस कार्य की अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा अध्यक्ष श्याम सोनी, हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष सुमन जाजू व सचिव सीमा मुंधड़ा आदि ने काफी सराहना की। राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य पूनम राठी अभियान इंजार्च रामनारायण माहेश्वरी, सुशील मूंधड़ा, सोनी माहेश्वरी, केके मालपानी, हरीश लखोटिया आदि उपस्थित थे।

मालू ने वित्तमंत्री को लिखा पत्र

इन्दौर। खनिज निगम के पूर्व उपाध्यक्ष गोविन्द मालू ने कोविड मरीजों को क्लैम देने में बीमा कंपनियों की मनमानी व एम्स की गाईड लाइन की आड़ लेने पर वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा। श्री मालू ने कहा कि एक तरफ तो रोजगार नहीं, व्यापार नहीं, है और अस्पताल कैश लेस सुविधा नहीं दे रहे, मरीजों से नगद जमा करवा रहे हैं। बीमा कम्पनियां क्लेम में भी बिल की आधी राशि काट रही है। श्री मालू ने वित्त मंत्री से मांग की कि बीमा कंपनियों को निर्देशित करें, कि वे मनमाने ढंग से काम न करे और मानवीय, व्यवहारिक पहलू को ध्यान में रखे। यदि बिलों में कोई मनमानी कीमत ली गई है तो उस अस्पताल पर जिला प्रशासन से कार्रवाई करवाए।

राजस्थानी महिला संगठन की नवीन कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद। राजस्थानी महिला संगठन इसमियाँ बाजार की नई कार्यकारिणी की बैठक पूर्व कोषाध्यक्ष सुमित्रा राठी के निवास पर संपन्न हुई। इसमें पूर्व अध्यक्ष सुधा लाहोटी व मंत्री सुनीता राठी की देखरेख में नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष सुमित्रा राठी, मंत्री सुमन लोया, कोषाध्यक्ष श्वेता बजाज, उपाध्यक्ष किरण राठी, सह मंत्री सुधा लाहोटी, सह कोषाध्यक्ष सुमित्रा राठी को चुना गया।

बल्दुआ को रेलवे ने दिया गोल्ड मेडल

कोटा। रेलवे के कोटा मण्डल स्तरीय पुरस्कार के अन्तर्गत कोटा स्टेशन पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक खानपान के पद पर पदस्थ प्रबोध बल्दुआ को गोल्ड मेडल, नगद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पूरे कोटा मण्डल में रेल यात्रियों को उत्कृष्ट खानपान सेवाएं प्रदान करने एवं कोरोना काल में यात्रियों को पूर्णतः साफ सुथरी यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह प्रदान किया गया।

> *दो बातों की गिनती करना छोड़ दो*
> *खुद का दुःख और दुसरे का सुख*
> *जिंदगी आसान हो जाएगी।*

दिप्ती माहेश्वरी एवं भाई कृष्णाजी कल्याणी विधानसभा चुनाव में विजयी

राजस्थान प्रदेश की पूर्व केबिनेट मंत्री श्रीमती किरण माहेश्वरी की पुत्री श्रीमती दिप्ती माहेश्वरी ने राजसमन्द के विधायक पद पर 5310 से अधिक मतों से विजयी हुई। उनके इस उपलब्धि पर प्रवक्ता लक्ष्मीनारायण डाड ने बताया कि समाज की पूर्व विधायक स्व. श्रीमती किरण माहेश्वरी के सपनों को साकार करती हुई उनकी पुत्री श्रीमती दिप्ती माहेश्वरी भी विधानसभावासियों की सेवा तथा क्षेत्र का विकास कर माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित करेगी। इसी प्रकार पश्चिम बंगाल की रायगंज के विधानसभा सीट के प्रत्याशी भाई कृष्णाजी कल्याणी 20748 मतों से विजयी हुए। आपकी उपलब्धि पर समाज के कई गणमान्यजनों ने बधाई व शुभकामनाएं दीं।

सिंगी दंपत्ति ने हंसते-हंसते कोरोना को हराया

इंदौर। 82 वर्षीय गोपालदास सिंगी और 78 वर्षीय पत्नी कमलदेवी साथ में कोरोना से संक्रमित हुए और अस्पताल में दोनों ने 12 दिन बिताए। श्री सिंगी ने कहा सीटी स्कैन में मेरा संक्रमण 60 फीसद और पत्नी का 50 फीसद था। रिपोर्ट आने के चार घंटे बाद अस्पताल में भर्ती हो गए। डॉक्टरों और नर्सों ने बहुत ध्यान रखा। हम भी उनके साथ परिवार के सदस्यों की तरह रहे। हंसी-मजाक में हमें 12 दिन कैसे हो गए पता ही नहीं चला। हम नाश्ता अस्पताल में करते थे, लेकिन खाना घर से मंगवाते थे। इसमें जो खाने की इच्छा होती थी वह खाते थे। फल भी खूब खाए और पानी भी खूब पीया। श्री सिंगी का कहना है हमें बिल्कुल डर नहीं लगा कि संक्रमण होने के बाद हमें कुछ हो जायेगा। सबसे बड़ी बात यही होती है कि आपका आत्मबल कैसा है। यह बीमारी मानसिक तौर पर भी बीमार कर देती है इसलिए मैं सभी को कहता हूँ कि इससे डरना नहीं है। समय पर इलाज शुरू कर देना चाहिए। डॉक्टर जैसा बोले उसका पालन करना चाहिए। जिस भी अस्पताल में आप भर्ती हों उसे घर जैसा समझना चाहिए। वहां के डॉक्टर और नर्स को परिवार के सदस्यों की तरह देखें।

कविता

कैसा होगा वो सफर?

नेहल लढ्ढा, जोधपुर

कैसा होगा वो सफर?
कैसा होगा हमारी पहली मुलाक़ात से रोज़ सुबह एक दूजे को देखकर उठने तक का सफर...?
कैसा होगा हमारी पहली मुस्कुराहट से हर ग़म और ख़ुशी बांटने तक का सफ़र...?
कैसा होगा वो हिचकिचाहट भरी बातचीत से घंटों बातें करने तक का सफ़र..?
कैसा होगा एक दूसरे के ख़्यालों में रहने से एक दूसरे का ख़्याल रखने तक का सफ़र...?
कैसा होगा एक दूसरे के ख़्वाब देखने से एक दूसरे के ख़्वाबों को पूरा करने का सफ़र...?
आख़िर कैसा होगा इन ख्वाहिशों को पन्ने पर उतारने से उन्हें जीने तक का सफ़र...?

हाईकू

राम मूंदड़ा, इंदौर

खुद का
माइनस पॉइंट
जान लेना
ज़िंदगी का
सबसे बड़ा
प्लस पॉइंट है।

■

ठुकरा दो
अगर दे कोई
ज़िल्लत से
समंदर,
इज्ज़त से
जो मिल जाये
वो कतरा ही
काफी है।

■

हर किसी को
सफाई देने से बचिए
खुद में और झाड़ू में
फर्क़ करना सीखिए।

■

ऐसा व्यक्ति
जो किसी अन्य
व्यक्ति के हृदय में
साहस बोता है,
वह सर्वश्रेष्ठ
चिकित्सक होता है।

■

वहाँ तूफ़ान भी
हार जाते हैं,
जहाँ कश्तियाँ
ज़िद पे होती हैं

संगीता बियानी को पीएच.डी.उपाधि

जलगांव (महाराष्ट्र)। ख्यात समाजसेवी व बियानी एजुकेशन ग्रुप की सचिव संगीता मनोज बियानी को पीएच.डी. की पूर्णता पर डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि श्रीमती बियानी दक्षिणांचल की सक्रिय कार्यकर्ता व नगर सेविका भी है। श्रीमती बियानी ज्ञानवर्धिनी, अपराजिता, अग्र ग्रामीणी, नारी रत्न पुरस्कारों से भी प्रादेशिक स्तर पर सम्मानित हो चुकी हैं।

केशव सी.ए. इंटर मे अव्वल

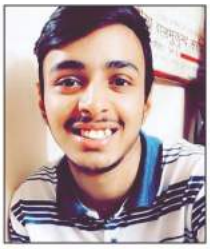

सीहोर। केशव सोनी सुपुत्र नवीन एवं रुपाली सोनी ने आईसीएआई द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट जनवरी-2021 की परीक्षा दोनों ग्रुप प्रथम प्रयास मे 800 मे से 496 अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। सीहोर जिले में प्रथम एवं भोपाल संभाग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है ।

नेहा को सी ए इंटर में 11वीं रैंक

छापर। कोलकाता प्रवासी व छापर निवासी स्व.श्री माणकचंद सारडा की सुपौत्री एवं सत्य प्रकाश सारडा की सुपुत्री नेहा सारडा ने सी.ए इंटर की परीक्षा में संपूर्ण भारतवर्ष में ग्यारहवां स्थान हासिल किया। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता के उचित मार्गदर्शन एवं अपनी लगन को देती हैं।

डॉक्टर बनीं महिमा मूंधड़ा

कोलकाता। राजस्थान के बीकानेर जिले के देशनोक के मूल निवासी व वर्तमान में लंबो समाय से कोलकाता प्रवासी विमल-कंचन मूंधड़ा की सुपुत्री महिमा मूंधड़ा ने एम. बी. बी. एस. पूर्ण कर सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित किया है। महिमा ने एम. बी. बी. एस. की डिग्री मिदनापुर मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल वेस्ट बंगाल से पूर्ण की है। वे अब एम.एस. की तैयारी कर रही हैं।

मोदानी को पीएचडी की उपाधि

भीलवाड़ा। स्थानीय संगम विश्वविद्यालय द्वारा संगम इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रीनिवास मोदानी को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। यह उपाधि उनको स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर किए गए शोध कार्य के लिए दी गई। यह शोध कार्य उन्होंने मैनेजमेंट विभाग के डिप्टी डीन डॉ. विभोर पालीवाल के मार्गदर्शन में पूरा किया। इस शोध कार्य को करने में एसएन मोदानी को लगभग 4 वर्ष का समय लगा, जिसमें उन्होंने स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट के चार विभिन्न मॉडलों पर शोध किया। भविष्य में भीलवाड़ा के औद्योगिक क्षेत्र में इन चार मॉडल को क्रियान्वित करने का प्रयास किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. के.पी. यादव ने इस शोध कार्य को इंडिस्ट्री उपयोग में लाते हुए उत्पादन अधिक बढ़ाने पर बल दिया।

सीएमए में मुस्कान को 13वीं रैंक

जोधपुर। दी इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया की ओर से आयोजित सीएमए फाइनल की परिक्षा में जोधपुर की मुस्कान बियानी ने देशभर में 13वाँ स्थान प्राप्त किया। सीएमए फायनल में ऑल इंडिया 13वीं रैंक और सिटी टॉप मुस्कान बियानी के लिए यह परिणाम बर्थडे सरप्राइज है। इस उपलब्धि का पूरा श्रेय मुस्कान अपने पैरेंटस को देती है। उनके पिता बीएम बियानी खुद सीए हैं। मुस्कान सीए व सीएमए दोनों की पढ़ाई एक साथ कर रही हैं।

इंफोर्मेटिक्स ओलंपियाड में सौम्या अव्वल

कोलकाता। समाज सदस्य शशि और सुशील लाहोटी की पुत्री सौम्या लाहोटी ने कक्षा 12की इंटरनेशनल इंफोर्मेटिक्स ओलंपियाड (सिल्वरज़ोन) 2020 में ज़ोनल रैंक 1 और इंटरनेशनल रैंक 4 हासिल की। इसमें उसने पायथन भाषा को परीक्षा का विषय चुना था।

> "चरित्र एक वृक्ष है और प्रतिष्ठा, यश, सम्मान उसकी छाया, लेकिन विडंबना यह है कि वृक्ष का ध्यान बहुत कम लोग रखते हैं और छाया सबको चाहिए।"

कोरोना की दूसरी लहर प्रथम से ज्यादा विकट रूप में आयी है, लेकिन पूर्व की तरह यदि इससे सतर्क रहें पर डरें नहीं तो हम इस पर फिर विजय प्राप्त कर सकते हैं। जीवन रक्षा की इस जंग में सम्पूर्ण समाज साथ है। आईये जानें इस जंग में क्या कह रहे हैं, समाज के नेतृत्वकर्ता?

कोरोना से सतर्क रहें पर डरें नहीं

धैर्य के साथ करें परिस्थिति का सामना

कोरोना महामारी सम्पूर्ण मानवता पर कहर बन कर टूट पड़ी है। वर्तमान में हालात ये हैं कि अपनी एवं अपने परिवार की जीवन रक्षा करना एक चुनौती बन गया है। फिर भी हमें आत्मबल बनाकर रखना होगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिये कि इसकी पहली लहर को भी हमने सतर्कता व आत्मबल से पराजित किया है, तो इससे भी हम अवश्य ही विजयी होंगे।

रामायण में कहा गया है कि धैर्य की परीक्षा विपरीत परिस्थितियों में होती है, तो यह वही विपरीत परिस्थिति है, जिसमें हमें धैर्य के साथ अपने मानसिक संतुलन को बनाये रखकर अपने लिये, अपने परिवार, अपने समाज और अपने देश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिये जो उचित हो सके वह करना है। माहेश्वरी समाज हमेशा मानवता की सेवा में सबसे आगे रहा है और निश्चित ही इन परिस्थितियों में भी तन - मन - धन से सहयोग में पीछे नहीं रहेगा।

पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

सकारात्मकता को भी बनाये रखें

कोरोना महामारी की दूसरी लहर ने हमारे कई सगे संबंधियों, स्वजनों, समाज जनों को अपनी चपेट में ले लिया है। बहुत मुश्किल की घड़ी है। इस महामारी में सावधानी जरूरी है, किंतु भय का वातावरण नहीं बनाना है। अदृश्य कोरोना वायरस हमारे प्राण हर सकता है तो भगवान उमा महेश हमारी रक्षा भी कर सकते हैं।100 में से 98 मरीज ठीक हो कर घर भी आ रहे हैं, यह समाचार कोई भी नहीं डालता है। सिर्फ दो परसेंट मृत्यु के समाचार डालने से उपचार ले रहे हैं, मरीजों का मनोबल कम होता है। इसे टाला जाना चाहिए।

कोरोना से डरना नहीं लड़ना है। प्राणायाम, योग करना है। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग एवं सेनीटाइजर का उपयोग बराबर करना है। ऑक्सीजन की उपलब्धता एवं वैक्सीनेशन - टीकाकरण अभियान का हिस्सा बनना है। जो लोग कोरोना पॉजिटिव हैं और होम आइसोलेशन में हैं, वे 14 दिन अन्य परिजनों से अलग रहे तथा दवाई व उपचार के साथ सभी नियमों एवं प्रोटोकॉल का पालन भी अवश्य करें। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन एवं महिला सेवा ट्रस्ट कोरोना प्रभावित एवं जरूरतमंद परिवारों की सेवा सहयोग हेतु संकल्पित है। जिन समाज बंधुओं को किसी तरह की भी जरूरत है, कृपया संपर्क करें। अभी हमने संस्थागत संगठन से संबंधित कार्यों को रोक दिया है। इस विकट परिस्थिति में केवल हमें समाज के प्रति व राष्ट्र के प्रति सेवा कार्यों को साकार करना है। सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक रहना है। स्वयं एवं परिवारजनों को स्वस्थ एवं सुरक्षित रखना है।

आशा माहेश्वरी
अध्यक्ष - अ. भा. माहेश्वरी महिला संगठन

स्वयं का ध्यान रखें और औरों का भी

कोविड किसी अणुबम की तरह चेन रिएक्शन कर रहा है और लगातार भयावह हुआ जा रहा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि न जीवन रक्षक इंजेक्शन मिल रहे हैं, न ऑक्सीजन। दवाखानों में बेड भी खाली नहीं हैं। यह समय हर अन्य बात को गौण मान केवल और केवल स्वयं के और अन्यों के प्राण बचाने के लिये हर सुख सुविधा का त्याग कर अपने-अपने स्तर पर जो संभव है, वह करने के लिये कटिबद्ध होने का है।

मेरा सभी से निवेदन है कि कुछ दिन अन्य कुछ बधाई से लेकर चुटकुलों तक, सोशल मीडिया पर न पोस्ट करते हुए केवल महत्वपूर्ण जानकारियों का ही आदान प्रदान करें - जैसे रेमडेसेविर कहाँ उपलब्ध हैं? किस कोविड अस्पताल में पलंग खाली हैं? एम्बुलेंस किस नम्बर पर मिल सकेगी? प्लाज्मा डोनेशन का महत्व क्या है? इत्यादि। डरावने फैक्ट्स एण्ड फिगर्स सोशल मीडिया पर डाल, बीमार और उसके परिवारजनों को नर्वस न करना भी एक तरह से समाज सेवा ही होगी। स्वतः वैक्सीन लेना और उस सम्बंध में कोई गलतफ़हमी न फैलाना भी आपका कर्तव्य है। कोविड ग्रस्त परिवार और मरीज को हिम्मत बंधाने का कार्य पवित्र कार्य ही माना जाएगा। समय है कि हम स्वतः सुरक्षित रखते हुए तन-मन-धन से राष्ट्र हित में जुट जाएं।

श्याम सोनी
सभापति- अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

शत प्रतिशत सफल बनाऐं टीकाकरण

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन कोरोना महामारी की इस विपदा की घड़ी में हर संभव सहयोग करने हेतु तत्पर है। कोरोना की दूसरी लहर भयावह रूप ले रही है। आप सभी बंधुओं से आग्रह है कि घर में रहें-सुरक्षित रहें, जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकले, दो गज की दूरी बनाए रखें, मास्क जरूर पहने, सैनिटाइजर का उपयोग करे, साबुन से हाथ धोते रहे, अपनी बारी आने पर टीका जरूर लगवाएं। संकट की इस विकट घड़ी में पूरा एहतियात बरतें।

सभी समाज बंधुओं से आग्रह है कि 1 मई से 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 'टीकाकरण अभियान' का हिस्सा बनें और टीका जरुर लगवाएं। प्रादेशिक/जिला/तहसील/स्थानीय संगठनों के साथियों से आग्रह है कि अपने-अपने शहरों एवं गांवों में माहेश्वरी भवन में कैंप लगाकर अधिक से अधिक समाज बंधुओं को टीका लगवाएं। हम सभी को ऐसा सामूहिक प्रयास करना चाहिए कि मई के प्रथम सप्ताह में समस्त समाजजनों के टीके की प्रथम डोज लग जाए व निर्धारित समय अंतराल के पश्चात द्वितीय डोज लगाकर समाज शत-प्रतिशत टीकाकरण की सफलता को प्राप्त करें।

राजकुमार काल्या
अध्यक्ष - अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

जयपुर माहेश्वरी समाज उत्तर भारत क्षेत्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के समाज संगठनों में एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम है। अभी तक लम्बे समय से जयपुर माहेश्वरी समाज अपने वृहद प्रकल्पों के माध्यम से स्कूलों से लेकर कॉलेज स्तर तक की अत्यंत उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान कर रहा था। अपने सेवा अभियान में एक कदम आगे बढ़ाते हुए जयपुर माहेश्वरी समाज ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में पदार्पण करते हुए माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर की शुरूआत की है, जो समाजजनों के साथ आम जरूरतमंदों को भी अत्यंत उचित दर पर विभिन्न सेवाऐं प्रदान करेगा।

चंद्रमोहन शारदा, जयपुर

जयपुर माहेश्वरी समाज का शिक्षा के बाद अब स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में पदार्पण

अच्छे स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं। कहा जाता है कि "पहला सुख निरोगी काया"। यदि आपका शरीर स्वस्थ है, तो आप भाग्यशाली हैं। एक स्वस्थ शरीर में ही एक स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। स्वास्थ्य के इसी महत्व को देखते हुए व्यक्ति हमेशा अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहा हैं। पर गत कुछ वर्षों से काम की अधिकता, प्रतिस्पर्धा, महत्वाकांक्षाओं के चलते वह स्वास्थ्य के मोर्चे पर लड़खड़ाने लगा है। आज व्यक्ति अनेक बीमारियों का शिकार हो गया है। महंगे इलाज व मेडिकल जांचो ने उसकी कमर तोड़ दी हैं। उसकी रोजमर्रा की जरूरतें ही नहीं पूरी होती, ऐसे में चिकित्सा व स्वास्थ्य संबंधी उसका बजट लड़खड़ाना स्वाभाविक है। माहेश्वरी समाज, जयपुर ने उसकी इन परेशानियों को देखते हुए स्वास्थ्य-चिकित्सा के क्षेत्र में एक अभिनव पहल की है। माहेश्वरी समाज, जयपुर ने शिक्षा के क्षेत्र में तो कीर्तिमान स्थापित किए ही है। गत नौ दशकों से शिक्षा से संबंधित उसके कार्यों में उत्तरोत्तर प्रगति हुई है। विद्यालयों की संख्या बढ़ी है। इसी के साथ-साथ अब माहेश्वरी समाज ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी पदार्पण कर लिया है। यह पदार्पण भी बहुत ही वृहद स्तर पर हुआ है। माहेश्वरी समाज के सहयोग से स्वास्थ्य चिकित्सा संबंधी अनेक गतिविधियाँ तो काफी पहले से चल रही हैं। इनमें कुछ क्लीनिक व समय-समय पर लगने वाले मेडिकल कैम्प शामिल रहे हैं।

मालपानी ने की भूमि दान

कोई व्यक्ति या समाज जब किसी अच्छे काम की शुरूआत करता है तो लोग उसकी मदद को आगे आ ही जाते हैं। माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने बताया कि श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर के निर्माण के दौरान उन्हें समाज के लोगों को भरपूर सहयोग मिला। इस सेन्टर के लिए कहीं किराए की जमीन तलाश रहे थे, लेकिन उन्हें यह जमीन दान में मिल गई। समाज के पदाधिकारियों की जानकारी में आया कि श्री नटवर गोपाल मालपानी का निर्माण नगर, जयपुर में एक भू-खण्ड खाली पड़ा है। वे मालपानी जी से इस भूखण्ड को किराए पर लेने के लिए बात करने गए। श्री मालपानी को जब पता चला कि समाज उस पर एक डायग्नोस्टिक सेन्टर बनाएगा, जिसमें बहुत ही कम रेट पर जाँच एवं अन्य सुविधाएँ दी जाएंगी और यह सेन्टर सभी के लिए होगा, तो उन्होंने यह जमीन अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती भगवती देवी मालपानी की स्मृति में दान में ही दे दी। यही नहीं, उन्होंने भवन निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग भी दिया। इस भवन को संपूर्ण सुसज्जित करने का कार्य भवन निर्माण समिति के चेयरमैन श्री उमेश सोनी द्वारा किया गया। उनकी सूझबूझ से इसका सुन्दर व विशाल रूप सामने आया। समिति के सचिव देवेन्द्र झंवर ने भी कंधे से कंधा मिलाकर पूर्ण सहयोग दिया।

निर्माण में भी मिला भरपूर सहयोग

पाँच मंजिला इस भवन के निर्माण के लिए जो आर्थिक सहयोग मिला, उससे पूरा समाज अभिभूत है। श्री बाहेती ने बताया कि सभी के सहयोग से ही हम अपने इतने बड़े संकल्प को पूरा कर पाए हैं। डायग्नोस्टिक सेन्टर में डायलिसिस सुविधा उपलब्ध होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। महामंत्री गोपाल लाल मालपानी ने बताया कि चेन्नई निवासी आर.एस. फलोड़ ने सेन्टर को डायलिसिस बेड्स हेतु 51 लाख रू. प्रदान करने का आश्वासन दिया है। समाज के संरक्षक आर.डी. बाहेती ने भवन के प्रथम फ्लोर के निर्माण के लिए अपनी पत्नी स्व. श्रीमती कान्ता देवी बाहेती की स्मृति में 35 लाख रूपये का आर्थिक सहयोग दिया। भवन के सेकेण्ड फ्लोर के लिए ज्योति माहेश्वरी ने 35 लाख, थर्ड फ्लोर के लिए जमनादास मनिहार एवं परिवार की ओर से 25 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई। नटवर गोपाल मालपानी ने प्रथम तल (रिसेप्शन) का निर्माण कराया है। बेसमेंट के लिए सुरेन्द्र-श्याम बजाज ने 15 लाख रूपए की राशि प्रदान की। इनके अतिरिक्त भी अनेक महानुभावों ने भवन निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग दिया।

अत्याधुनिक सुविधाऐं होंगी उपलब्ध

समाज के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर फलोड़ ने बताया कि सभी तकनीकी जानकारी, मशीनों, उपकरणों की खरीद और तकनीकी स्टॉफ की भर्ती डॉ. देवेन्द्र लड्ढा की देखरेख में संपन्न हुई। भवन व सेंटर संबंधी कानूनी जानकारियां, गिफ्ट डीड आदि सभी सेवाएँ द्वारकादास मालू के निर्देशन में निशुल्क संपन्न हुई। समाज ने निश्चय किया है कि समाज के वंचित व निर्बल वर्ग के लोगों को डायलिसिस की जरूरत पड़ने पर यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। अत्याधुनिक डिजाइन व तकनीक से निर्मित इस सेन्टर में जगह की उपयोगिता का पूरा ध्यान रखा गया है। पाँच मंजिला इस भवन के बेसमेंट में एक्स-रे-मशीन व लैबोरेटरी, ग्राउण्ड फ्लोर पर रिसेप्शन व वेटिंग हॉल, फर्स्ट फ्लोर पर सोनोग्राफी, ई.सी.जी., ब्लड कलेक्शन, आई चेकअप, डेंटिस्ट रूम बनाया गया है। द्वितीय फ्लोर पर डायलिसिस मरीजों के लिए रूम बनाए गए हैं। इनमें अत्याधुनिक बेड लगाए गए हैं। भवन के थर्ड फ्लोर पर फिजियोथैरेपी सैक्शन है। शीघ्र ही यहां सीटी स्कैन, एमआरआई और डेंटल आदि सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

समाज द्वारा संचालित देश का पहला सेन्टर

लगभग 28 हजार सदस्यों वाले जयपुर माहेश्वरी समाज का शिक्षा के क्षेत्र में लम्बे समय से नाम रहा है। अब मानवता की सेवा में योगदान के अन्तर्गत समाज ने स्वास्थ सेवा के क्षेत्र में भी पदार्पण किया है। किसी समाज द्वारा अपने खुद के 12 हजार वर्ग फीट के भवन में डायग्नोस्टिक के साथ-साथ डायलिसिस एवं फिजियोथैरेपी सुविधा उपलब्ध करवाने वाला देश का यह पहला सेन्टर है। इसकी एक विशेषता यह भी है कि यह सभी लोगों के लिए है, चाहे वह किसी भी समाज का हो। अर्थात् बिना किसी जाति बंधन के सभी को न्यूनतम दरों पर जाँच सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएंगी। यह बाजार दर से 30-40 प्रतिशत तक कम ही होगी। लोगों की सुविधा के लिये पूरे शहर में लगभग 10-12 जगह सेम्पल कलेक्शन सेन्टर भी शीघ्र प्रारम्भ किये जा रहे हैं।

-प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष - माहेश्वरी समाज जयपुर

जाँच होगी, ज़रूर होगी पर अब जेब नहीं कटेगी

नवीनतम टेक्नोलॉजी

ई-मेल रिपोर्ट सुविधा

अनुभवी स्टाफ

शिक्षा में भी माहेश्वरी समाज चिकित्सा में भी

जांच 30/- से शुरू 750/- पे खतम*

फ़ोन : 0141-2948760/ 1

*अपॉइंमेंट और अधिक जानकारी के लिए फ़ोन करें

श्री माहेश्वरी डायलिसिस, डायग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेंटर
210-A, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर, गौतम मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर- 19

सम्मानित होंगे माहेश्वरी समाज के 100 कर्मयोगी

भगवान श्रीकृष्ण कर्मयोग के प्रवर्तक और निष्काम कर्म के प्रेरक पुरुषोत्तम हैं। सृजन के विविध आयाम और कर्म की पराकाष्ठा से ओतप्रोत श्रीकृष्ण के मार्ग का अनुसरण करते हुए माहेश्वरी समाज के भी अनेक बन्धु-बहिनों ने कर्मयोग की अनुकरणीय मिसालें प्रस्तुत की हैं।

प्रतिष्ठित चैनल **'भक्ति सागर'** और आपकी अपनी मासिक पत्रिका **'श्री माहेश्वरी टाइम्स'** ने सृजन की विभिन्न विधाओं और लोक कल्याण के नाना क्षेत्रों में अपने निष्काम कर्म की छाप छोड़ने वाले समाज के ऐसे ही प्रेरक कर्मयोगियों के अभिनन्दन का निर्णय किया है। अखिल भारतीय स्तर पर चुने हुए इन **'100 कर्मयोगियों'** के साक्षात्कार चैनल पर प्रसारित किए जाएंगे और पत्रिका इन सभी के योगदानो को समर्पित विशिष्ट पुस्तक का प्रकाशन करेगी।

समाजजनों से आग्रह है कि कृपया अपने क्षेत्र के ऐसे कर्मयोगियों के बारे में हमें सूचनाएं सुलभ कराने का कष्ट करें, जिन्होंने किसी भी क्षेत्र में उपलब्धि के शिखर छूकर लोक के लिए कर्म की पराकाष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया हो। आप इनके नाम, परिचय, कार्य विवरण, चित्र, सम्पर्क नम्बर या मेल आईडी उपलब्ध करा कर हमारे इस अभियान में सहयोगी बन सकते हैं। श्रेष्ठ 100 का चयन निर्णायक मंडल के अधिकार में होगा।

श्री माहेश्वरी टाईम्स
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे)
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

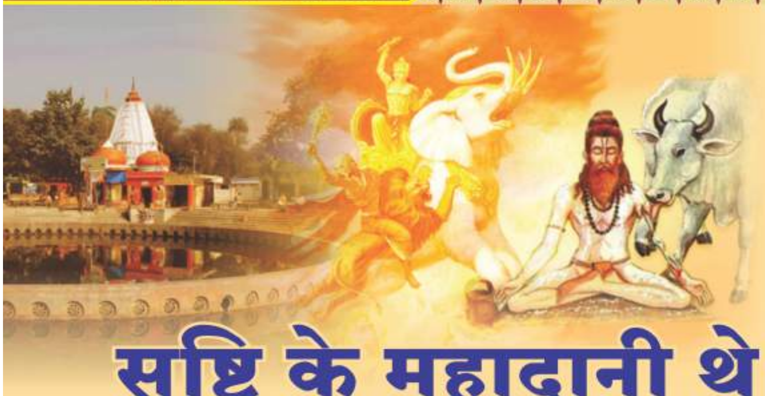

सामान्यतः धन आदि के दान की महिमा का भी लगभग सभी धर्मशास्त्रों ने गान किया है। ऐसे में यदि सृष्टि के कल्याण के लिये सर्वस्व ही नहीं, अपितु अपने जीवन का ही उत्सर्ग कर दिया जाऐ तो इसे महादान ही कहा जाएगा। महर्षि दधीचि एक ऐसे ही महादानी पुराण पुरूष हैं, जिनका उल्लेख दानियों के उल्लेख में सबसे पहले होता है।

सृष्टि के महादानी थे महर्षि दधीचि

बालमुकुंद जोशी
भीलवाड़ा

लोक कल्याण के लिये आत्म-त्याग करने वालों में महर्षि दधीचि का नाम बड़े ही आदर के साथ लिया जाता है। यास्क के मतानुसार दधीचि की माता 'चित्ति' और पिता 'अथर्वा' थे, इसीलिए इनका नाम 'दधीचि' हुआ था। किसी पुराण के अनुसार कर्दम ऋषि की कन्या 'शांति' के गर्भ से उत्पन्न अथर्वा के पुत्र थे। एक अन्य पुराणानुसार ये शुक्राचार्य के पुत्र थे। जो भी हो लेकिन महर्षि दधीचि तपस्या और पवित्रता की प्रतिमूर्ति थे। भगवान शिव के प्रति अटूट भक्ति और वैराग्य में इनकी जन्म से ही निष्ठा थी। दधीचि प्राचीन काल के परम तपस्वी और ख्याति प्राप्त महर्षि थे। उनकी पत्नी का नाम 'गभस्तिनी' था। महर्षि दधीचि वेद शास्त्रों आदि के पूर्ण ज्ञाता और स्वभाव के बड़े ही दयालु थे। अहंकार तो उन्हें छू तक नहीं पाया था। वे सदा दूसरों का हित करना अपना परम धर्म समझते थे। उनके व्यवहार से उस वन के पशु-पक्षी तक संतुष्ट थे, जहाँ वे रहते थे। गंगा के तट पर ही उनका आश्रम था। जो भी अतिथि महर्षि दधीचि के आश्रम पर आता, स्वयं महर्षि तथा उनकी पत्नी अतिथि की पूर्ण श्रद्धा भाव से सेवा करते थे।

ब्रह्म ज्ञान था उनकी शक्ति

कहा जाता है कि एक बार इन्द्रलोक पर 'वृत्रासुर' नामक राक्षस ने अधिकार कर लिया तथा इन्द्र सहित देवताओं को देवलोक से निकाल दिया। सभी देवता अपनी व्यथा लेकर ब्रह्मा, विष्णु व महेश के पास गए, लेकिन कोई भी उनकी समस्या का निदान न कर सका। बाद में ब्रह्मा जी ने देवताओं को एक उपाय बताया कि पृथ्वी लोक में 'दधीचि' नाम के एक महर्षि रहते हैं। यदि वे अपनी अस्थियों का दान कर दें और उन अस्थियों से एक वज्र बनाया जाये तो उस वज्र से वृत्रासुर मारा जा सकता है, क्योंकि वृत्रासुर को किसी भी अस्त्र-शस्त्र से नहीं मारा जा सकता। महर्षि दधीचि की अस्थियों में ही वह ब्रह्म तेज़ था, जिससे वृत्रासुर राक्षस मारा जा सकता था। इसके अतिरिक्त और कोई दूसरा उपाय नहीं थौ। देवराज इन्द्र महर्षि दधीचि के पास जाना नहीं चाहते थे, क्योंकि इन्द्र ने एक बार दधीचि का अपमान किया था, जिसके कारण वे दधीचि के पास जाने से कतरा रहे थे। देवलोक पर वृत्रासुर राक्षस के अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। वह देवताओं को भांति-भांति से परेशान कर रहा था।

महर्षि ने दान दी अस्थियाँ

अन्ततः देवराज इन्द्र को इन्द्रलोक की रक्षा व देवताओं की भलाई के लिए और अपने सिंहासन को बचाने के लिए देवताओं सहित महर्षि दधीचि की शरण में जाना ही पड़ा। दयालु महर्षि दधीचि ने इन्द्र को पूरा सम्मान दिया तथा आश्रम आने का कारण पूछा। इन्द्र ने महर्षि को अपनी व्यथा सुनाई तो दधीचि ने कहा कि-'मैं देवलोक की रक्षा के लिए क्या कर सकता हूँ?' देवताओं ने उन्हें ब्रह्मा, विष्णु व महेश की कहीं हुई बातें बताईं तथा उनकी अस्थियों का दान माँगा। महर्षि दधीचि ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी अस्थियों का दान देना स्वीकार कर लिया। उन्होंने समाधि लगाई और अपनी देह त्याग दी। उस समय उनकी पत्नी आश्रम में नहीं थी। अब देवताओं के समक्ष ये समस्या आई कि महर्षि दधीचि के शरीर के माँस को कौन उतारे। इस कार्य के ध्यान में आते ही सभी देवता सहम गए। तब इन्द्र ने कामधेनु गाय को बुलाया और उसे महर्षि के शरीर से मांस उतारने को कहा। कामधेनु ने अपनी जीभ से चाट-चाटकर महर्षि के शरीर का माँस उतार दिया। अब केवल अस्थियों का पिंजर रह गया था। इन्द्र ऋषि दधीचि की अस्थियों को लेकर विश्वकर्मा के पास गये। विश्वकर्मा ने उन अस्थियों से वज्र का निर्माण किया और इन्द्र को दे दिया। अब एक बार फिर से देवताओं और दैत्यों में भयंकर युद्ध हुआ। इस बार इंद्र के पास महर्षि दधीचि की ब्रह्म तेजयुक्त अस्थियों से बना वज्र था। अतः वृत्रासुर व उसकी असुर सेना उनके सामने टीक न सकी और वृत्रासुर अपनी कुलवंश सहित मारा गया।

दाधीच कहलाए उनके वंशज

महर्षि दधीचि ने तो अपनी देह देवताओं की भलाई के लिए त्याग दी, लेकिन जब उनकी पत्नी 'गभस्तिनी' वापस आश्रम मे आई तो अपने पति की देह को देखकर विलाप करने लगी तथा सती होने की जिद करने लगी। तब देवताओं ने उन्हें बहुत मना किया, क्योंकि वह गर्भवती थी। देवताओं ने उन्हें अपने वंश के लिए सती न होने की सलाह दी। लेकिन गभस्तिनी नहीं मानी। तब सभी ने उन्हें अपने गर्भ को देवताओं को सौंपने का निवेदन किया। इस पर गभस्तिनी राजी हो गई और अपना गर्भ देवताओं को सौंपकर स्वयं सती हो गई। देवताओं ने गभस्तिनी के गर्भ को बचाने के लिए पीपल को उसका लालन-पालन करने का दायित्व सौंपा। कुछ समय बाद वह गर्भ पलकर शिशु हुआ तो पीपल द्वारा पालन-पोषण करने के कारण उसका नाम 'पिप्पलाद' रखा गया। इसी कारण दधीचि के वंशज 'दाधीच' कहलाते हैं। भारतीय सुरक्षाबलों में सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र में महर्षि दधीचि के वज्र का अंकन है, और इसके इतिहास में इसका उल्लेख है ।

कोरोना महामारी ने अपनी पहली लहर में तो अधिक उम्र वालों को ही विशेष रूप से प्रभावित किया था, लेकिन दूसरी लहर युवा ही नहीं बल्कि बच्चों व किशोरों पर भी कहर बन कर टूट रही है। ऐसे में माता - पिता का चिंतित होना भी स्वाभाविक ही है कि आखिर वे अपने बच्चों को इससे बचाएें तो कैसे? आईये जानें वे सतर्कता जो रख सकती हैं, आपके बच्चों को इससे सुरक्षित।

कोविड-19 से बच्चों की करें सुरक्षा

milestones PEDIATRIC CLINIC
माइलस्टोन्स पेडियेट्रिक क्लिनिक

डॉ. प्रियंका शर्मा
शिशु रोग विशेषज्ञ, उज्जैन

कोविड - 19 कोरोना वायरस एक ऐसा नया वायरस है, जिसे पहले वुहान (चीन) में वर्ष 2019 में खोजा गया था। यह मानव समूहों को संक्रमित कर सकता है। कोविड-19 में पिछले वर्ष की पहली लहर के दौरान अपेक्षाकृत बच्चे व किशोर अप्रभावित रहे लेकिन, कोरोना वायरस की दूसरी लहर में बड़ी संख्या में प्रभावित हो रहे हैं। इसका कारण डबल म्यूटेशन है, जिसमें आनुवांशिक संरचना में परिवर्तन होता है। इस ताजा आंकड़ों में 1-8 साल और किशोर आयु के भी बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं। पहली लहर में अप्रभावित रहने वाले बच्चे अब बुखार, सर्दी, सूखी खांसी, लूज मोशन, उल्टी, थकान, भूख न लगना, साँस तेज चलना जैसे लक्षणों से ग्रस्त हो रहे हैं। वैसे इसका अर्थ कोरोना वायरस संक्रमण ही नहीं है, अन्य वायरल फीवर भी हो सकता है, लेकिन यह महामारी इतनी खतरनाक है कि इसकी समय पर जांच करवा लेना ही समझदारी है। इससे भी ज्यादा जरूरी है माता-पिता द्वारा बरती जाने वाली वे सावधानियाँ जो आपके बच्चों को इस महामारी से सुरक्षित रख सकती हैं।

स्वच्छता का रखवाऐं विशेष ध्यान

यह आपके बच्चों में सकारात्मक सोच व स्वच्छता की आदतों को विकसित करने का सबसे अच्छा समय है। इसमें हाथों को अच्छी तरह से धोना, हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करना, व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व तथा किसी भी तरह के सामाजिक मेलजोल से बचना भी शामिल है, खासकर यदि वे अन्य बच्चों के साथ खेलना चाहते हैं। आपको अपने बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका और समय सिखाना चाहिए। आप डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का उल्लेख कर सकते है।अपने हाथों को धोने और कीटाणुरहित करने के लिए सही तरीके में खासकर अपनी उंगलियों के बीच और अपने नाखूनों के नीचे भी सफाई जरूरी है। आपको बच्चे को अपने चेहरे को छूने या खाने से पहले एक अच्छे साबुन से हाथ धोना सिखाना चाहिए। कम से कम 20 सेकंड तक साबुन और पानी से हाथ धुलवाऐं। खासतौर पर खांसने, छींकने के बाद। हाथ के साथ दरवाजे के हैंडल जैसी वस्तुओं को भी धोएं, जो दूसरों द्वारा भी छुए जाते हैं।

अच्छी आदतों का करें विकास

खांसते और छींकते समय अपने बच्चे को मुंह और नाक को टीशू पेपर से ढकने के लिए शिक्षित करें। उपयोग किए गए टीशू पेपर को तुरंत हटा दें और साबुन और पानी से हाथ धो लें या अल्कोहल-आधारित सेनीटाईजर से हाथ रगड़ें। खांसने या छींकने के बाद किसी भी वस्तु या चेहरे को न छुएं। एक ऐसी दिनचर्या स्थापित करना जो उम्र के अनुकूल हो और आसानी से पालन की जा सके, जरूरी है। आप खेलने और पढ़ने के समय को भी इसमें शामिल कर सकते हैं, और उन्हें अपने बच्चों के लिए सीखने के अवसरों के रूप में उपयोग कर सकते हैं। जहाँ भी संभव हो, अपने बच्चों के साथ अच्छी योजनाएँ बनाना न भूलें। अपने बच्चे की गतिविधियों के साथ लचीला होना न भूलें, उन्हें स्विच करें, और अधिक सक्रिय विकल्प पर फ्लिप करें, यदि आपको लगता है कि आपका बच्चा उत्तेजित या बेचैन हो रहा है।

बच्चों के खिलौने भी रखें साफ

दिन में कम से कम एक बार बच्चे के खिलौने को भी साफ करें। घर में दिन में कम से कम एक बार आमतौर पर छुई गई वस्तुओं को भी साफ करें। अपने बच्चे को सर्दी, बुखार या फ्लू जैसे लक्षणों वाले किसी भी व्यक्ति के निकट संपर्क में न आने दें। अपने बच्चे को इनडोर गतिविधियों में शामिल करने की कोशिश करें। जितना हो सके बाहरी गतिविधियों से बचें, लेकिन घर के परिसर में कोई भी गतिविधियों की अनुमति दी जा सकती है, बच्चों को बुखार, खांसी और नाक बहने पर विशेषकर बुजुर्ग / दादा-दादी से मिलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कुल मिलाकर देखा जाए तो बच्चों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न ले जाएं, जितना हो सके उन्हें घर के अंदर ही रखें।

पौष्टिक आहार देना न भूलें

पानी से भरपूर पौष्टिक आहार देना न भूलें। खट्टे फल (नारंगी, नींबू, अंगूर) और सब्जियाँ, विटामिन सी, विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थ (पनीर, अंडे की जर्दी) और जस्ता युक्त खाद्य पदार्थ (फलियां, दाल, सेम, और नट्स) का उपयोग जरुर करें। मां बच्चे को स्तनपान करवा सकती हैं चाहे वे COVID-19 रोग से संक्रमित हों, लेकिन बच्चे के संपर्क में आने से पहले और बाद में हाथ धोना तथा मास्क का उपयोग करना जरूरी होगा। यदि आपके बच्चे को बुखार, खांसी या सांस लेने में कठिनाई हो, तो शीघ्र चिकित्सा देखभाल करें। अपने बच्चे के साथ खुली बातचीत करें और उन्हें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के साथ-साथ सवाल पूछने के लिए भी प्रोत्साहित करें। आपको याद रखना चाहिए कि आपके बच्चे तनाव से भी दूर रहें। साइबरस्पेस और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के प्रति चौकस रहें, लेकिन एक अभिभावक के रूप में आपको उस डेटा को फ़िल्टर करने की आवश्यकता है जो आपके बच्चे के लिए उपयुक्त है।

जैसा आप सभी जानते हैं कि अभी तक वैश्विक महामारी कोरोना का कहर जारी है और हम सभी वैक्सीन का इंतजार कर रहें हैं। लेकिन हमें इसके साथ महामारी के प्रकोप से बचने की प्रक्रिया में नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोते रहना भी जरूरी है। आईये हम जानें क्या उचित है, हाथ साबुन से धोते रहें या सैनेटाईज कर लें?

कोरोना से बचाव का पहला उपाय है स्वच्छता

गोवर्धन दास बिन्नाणी
बीकानेर

चूँकि महामारी के प्रकोप से बचने का सबसे प्रभावी तरीका विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नियमित रूप से साबुन और पानी से अपने हाथों को साफ करना बताया है। हम सब भी साधारणतया साबुन से ही हाथ धोते हैं लेकिन अगर कहीं साबुन और पानी उपलब्ध न हो तो हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल कर लेते हैं। यहाँ मुख्य बात यह है कि हाथ धोने से हम खुद को तो सुरक्षित करते ही हैं साथ-साथ अपने आसपास के लोगों को भी सुरक्षित रख पाते हैं। साबुन से हाथ धोने की इस प्रक्रिया के कुछ दुष्प्रभाव भी हैं । ज्यादा साबुन के इस्तेमाल से हमारे हाथ अधिक क्षारीय हो जाते हैं। इससे त्वचा रूखी हो जाती है। इससे त्वचा छिल भी सकती है और उंगलियों और हथेलियों पर दरारें भी पड़ सकती हैं। यहाँ यह भी ध्यान देना है कि ज्यादा गर्म पानी के उपयोग से भी बचना है क्योंकि ज्यादा गर्म पानी के उपयोग के चलते त्वचा की नमी को नुकसान होने की पूरी-पूरी सम्भावना हो जाती है और यदि त्वचा सम्बन्धित पहले से ही कोई समस्या है, तो पेट्रोलियम जेली का उपयोग कर सकते हैं।

सैनिटाईजर के भी साईड ईफेक्ट

आजकल देखा गया है कि हम सभी हैंड सैनिटाइजर का बहुत ज्यादा उपयोग करने लगे हैं जबकि इसके अत्यधिक प्रयोग के दुष्परिणाम भी हैं। अगर हाथ गंदे हैं तो यह गंदगी साफ नहीं करेगा, गंदे हाथ की बैक्टीरिया को मारने में यह कम प्रभावशाली रहेगा। यह सही है कि हैण्ड सैनिटाइजर कीटाणुओं और बैक्टीरिया को हाथों से बाहर निकाल देता है लेकिन उन बैक्टीरिया को भी मार देता है जो हमारे शरीर के लिए लाभदायक होते हैं। त्वचा में जलन और खुजली की समस्या भी हो सकती है। खुशबू वाले सैनिटाइजर लीवर, किडनी, फेफड़े तथा प्रजनन तंत्र को नुकसान पहुंचाते हैं। इसके ज्यादा इस्तेमाल से त्वचा ड्राई तो होती ही है। इसमें अल्कोहल होता है जिसका बच्चों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कुछ अनुसन्धान अनुसार इसका ज्यादा प्रयोग बच्चों की इम्यूनिटी को भी घटाता है।

हाथों को दोनों स्थिति में करें मॉइस्चराइज

चूँकि दोनों मामलों में त्वचा रूखी होती ही है इसलिये विशेषज्ञ की राय यही है कि हर बार हाथ धोने के बाद या सैनेटाईज पश्चात अपने हाथों को मॉइस्चराइज कर लें या नारियल और बादाम में से किसी भी तेल को हाथ पर लगा लें और उसके बाद दास्तानों को पहन लें। आप स्वयं भी मॉइस्चराइजर घर पर बना सकते हैं। इसके लिए विटामिन 'ई' के चार कैप्सूल (जो बाजार में एवियन 400 के रूप में उपलब्ध है) को तोड़कर थोड़ा नारियल तेल में मिला लें। यह एक प्रभावी हैंड मॉइस्चराइजर के रूप में काम करता है, जो आपकी त्वचा को हाइड्रेट भी रखता है और होने वाले नुकसान की मरम्मत भी करता है। यदि त्वचा में दरार पड़ने का खतरा रहे तो मॉइस्चराइजर तैयार करने के लिए दो-दो बड़े चम्मच बादाम और नारियल तेल के अलावा एलोवेरा और विटामिन 'ई' का समावेश कर लें।

अति से हमेशा बचते रहें

अंत में निष्कर्ष यही है कि 'अति सर्वत्र वर्जते' यानि सब तरह की 'अति' नुकसानदायक ही रहती है, इसलिये आप संतुलित भोजन यानि दाल, चावल, हरी सब्जी, सलाद एवं गेहूं की रोटी में यदि चने का आटा मिक्स हो, जो भोजन पचाने में सहायक होता है, ही करें क्योंकि संतुलित भोजन ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। संतुलित भोजन के अलावा कसरत करें, ध्यान लगाएं, गहरी नींद लें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। साथ ही साथ आप किसी आयुर्वेदाचार्य / डॉक्टर के सम्पर्क में रहें और उनकी सलाह अनुसार ही चलें क्योंकि ये लोग हमेशा मौसम, प्रकृति, उम्र और स्थिति देखकर आपको सही सलाह देंगें। इसके अलावा, उपरोक्त सभी को ध्यान में रखते हुए हम यह भी जान गए कि जहाँ तक हो साबुन से ही हाथ साफ करें लेकिन आवश्यकता होने पर हैंड सैनिटाइजर से हाथ साफ कर लें।

हर साल 22 अप्रैल विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रदूषण और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली पृथ्वी की वर्तमान स्थिति के मुख्य कारण हैं। विश्व पृथ्वी दिवस का महत्वपूर्ण लक्ष्य हर किसी को पृथ्वी की रक्षा करने की उनकी जिम्मेदारी को याद दिलाना है। यह जरूरी है कि लोग महसूस करें, मानव जाति का भविष्य अंधकारमय है, यदि वे प्राकृतिक संसाधनों जैसे वायु, जल और जंगलों के बढ़ते उपयोग और बढ़ते प्रदूषण को जारी रखते हैं।

पृथ्वी के प्रदूषण का चिंतन पर्व

विश्व पृथ्वी दिवस

डॉ. श्रीमती मंगल शरद राठी
परतवाड़ा

संयुक्त राज्य अमेरिका में पृथ्वी दिवस की शुरूआत 1970 में गेलार्ड नेल्सन द्वारा की गई थी। उन्होंने संयुक्त राज्य में दो मिलियन से अधिक लोगों के बीच पर्यावरण के मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाई। प्रदूषण और वनों की कटाई का मुद्दा सभी क्षेत्रों के लोगों द्वारा उठाया गया। उस समय हवा, पानी, जंगल और वन्य जीवन, प्रकृति की रक्षा के लिए बहुत सारा राजनीतिक दबाव बन गया था। 2009 में संयुक्त राष्ट्र ने 22 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस घोषित किया। तभी से प्रतिवर्ष दुनिया के लगभग अधिकांश देशों में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है।

तापमान की वृद्धि बड़ा खतरा

पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है और संतुलन में गिरावट आ रही है, और अगर यह तापमान बढ़ता रहा, तो भविष्य में मनुष्य और सभी जीवित चीजें नष्ट हो जाएंगी, इसलिए हमारे पर्यावरण को बचाने की आवश्यकता है। विश्व पृथ्वी दिवस स्वच्छ वायु, जल और पर्यावरण संरक्षण के बारे में लोगों को प्रेरित करता है। आइए हम सब इस पृथ्वी दिवस के अवसर पर संकल्प करें कि हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे। हम प्रदूषण को नियंत्रित करेंगे और पृथ्वी को हरा-भरा बनाने के लिए मिलकर काम करेंगे। शहरी क्षेत्रों में भी वनों की कटाई, अधिक पेड़ लगाने, प्रदूषण को कम करने, सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीकों से उचित जीवन शैली बनाए रखने जैसे मुद्दों पर जागरूकता और प्रसार की आवश्यकता है। अब अगर हम पृथ्वी की रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें अपने घर से इसके लिये संकल्पित होना पड़ेगा।

इन बातों का रखें ध्यान

▸▸ ट्यूब लाइट, बल्ब, पंखे, टीवी, एसी, कूलर की जरूरत न होने पर बंद करें। काफी समय बड़ी बड़ी दुकाने, कारखाने या रोड पर की लाइट्स दिन भर चालू रहती है। वह अगर समय पर बंद हो जाए तो काफी बिजली की बचत हो सकती हैं। सौर प्रणाली का यथासंभव उपयोग किया जाना चाहिए।

▸▸ पानी का भंडार दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है, इसलिए पानी का संयम से उपयोग करें। एक-एक करके नल के नीचे बर्तन धोने के बजाय, बाल्टी मे पानी लेकर बर्तन धोएं। लगातार नल चालू न करें। अपने चेहरे को धोने के लिए, ब्रश करने के लिए, अपने हाथों को धोने के लिए, पानी के नल की धार छोटी करें या पानी लोटे में लेकर उपयोग करें। नहाने के लिए शॉवर का इस्तेमाल करें। टैंक में पानी को ओवरफ्लो होने से रोकने के लिए अलार्म सेट करें। नदी में, तालाब में कपड़े धोने और कचरा फेंकने से बचें ताकि प्रदूषण कम हो। वर्षा जल और सांडपानी की स्टोरेज की व्यवस्था कर फिल्ट्रेशन प्रक्रिया करके दोबारा वापरने की व्यवस्था हर जगह होनी चाहिए।

▸▸ घर के हर व्यक्ति के जन्मदिन पर, सालगिरह पर, हर साल एक पेड़ लगाएं और अपने बच्चों की तरह उस पेड़ की देखभाल करें। कहीं पर भी बाहर जाते समय पानी की बोतल लेकर जाए और जहां पर पेड़ सूख रहा है उसे पानी दें। सभी छोटे-मोटे कार्यक्रमों में मेहमानों का स्वागत सुंदर-सुंदर पौधे देकर करें।

▸▸ पर्यावरण को स्वच्छ रखना हमारा परम कर्तव्य है। कचरा, कागज, प्लास्टिक की बोतलें, प्लास्टिक बैग, चिप्स के पैकेट को कार से बाहर नहीं फेंकना चाहिए। कार में एक थैली रखें ताकि कचरे को इकट्ठा करके घर लाकर कचरे के डिब्बे में डाला जा सके। काले और लाल बैग का उपयोग करके घरेलू कचरा, कांच, प्लास्टिक, सुई, सेनेटरी पैड, प्लास्टिक की बोतलों का निपटान ठीक से किया जाना चाहिए। कचरा बिल्कुल ना जलाएं।

▸▸ सिग्नल पर गाड़ियां बंद करें ताकि कार्बन डाइऑक्साइड से प्रदूषण होने से बचे। आसपास के मोहल्ले में जाना हो तो पैदल जाए या साइकिल से जाए।

▸▸ कहानियों, निबंधों और चित्रों के माध्यम से शुरू से ही बच्चों को पृथ्वी की देखभाल के महत्व को समझाएं।

आपका जीवन बदल देगी यह पुस्तक

- प्रो. डॉ. पंकज माहेश्वरी, उज्जैन

हर व्यक्ति जीवन में सफल होना चाहता है। कोई व्यक्ति सफल वैज्ञानिक बनना चाहता है तो कोई सफल साहित्यकार, कोई सफल डॉक्टर तो कोई सफल कलाकार या फिर व्यवसायी या उद्योगपति। यदि आपको सफल होना है वह भी उच्चतम शिखर तक यानि सफलता का आसमान छूना है तो आपको सफलता के सूत्र या रहस्य को जानना होगा।आपको यह जानना होगा कि जो लोग जीवन में सफलता के शिखर पर पहुँचे हैं, उन्हें इतनी बड़ी सफलता कैसे मिली? उन्होंने उनके समक्ष आयी समस्याओं, बाधाओं, चुनौतियों का मुकाबला कैसे किया और किन-किन विशेषताओं के कारण उन्होंने असाधारण सफलता पायी।

''**कैसे छुएँ आसमान**'' पुस्तक मोटीवेशनल लेखक डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की 16वीं पुस्तक है। पूर्व में 15 पुस्तकें देश के प्रतिष्ठित प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित की गयी है। इस पुस्तक में 20 अध्याय हैं और प्रत्येक अध्याय पढ़ने पर यह प्रतीत होता है कि व्यक्ति सीढ़ी-दर-सीढ़ी ऊपर अपने बनाये सपनों की सीढ़ियों पर चढ़ते जा रहे हैं। डॉ. माहेश्वरी ने सैकड़ों सफल व्यक्तियों के जीवन के अध्ययन के बाद यह पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक में कुछ उन महान लोगों की प्रेरणादायक कहानियाँ भी हैं, जो शून्य से शिखर तक पहुँचे हैं, जो कभी गरीबी, अशिक्षा और असफलताओं से ग्रस्त रहे हैं, परंतु उन्होंने हार मानने से इंकार कर दिया तथा अपने संघर्ष, लगन और हौसले के दम पर आसमान को छुआ है।

अगर आप अपनी जिंदगी की दिशा और गुणवत्ता में परिवर्तन चाहते हैं, यानि सफलता की ऊँचाई पर चढ़ना चाहते हैं तो उन बातों को व्यवहार में लाएँ जो पुस्तक में बतायी गयी है, तब आप पाएँगे कि आपके देखते-देखते जिंदगी बदल रही है और आप निरंतर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते जा रहे हैं।

पुस्तक प्रतिष्ठित प्रकाशन ऋषि मुनि प्रकाशन उज्जैन द्वारा प्रकाशित की गई है। पुस्तक का आवरण आकर्षक व प्रभावी है । पुस्तक की भाषा प्रभावी और सरल है। पुस्तक की कीमत 200/- है। लेखक डॉ. माहेश्वरी के अनुसार इस पुस्तक को आपने ध्यानपूर्वक पढ़ा और लिखी बातों पर अमल किया तो यह पुस्तक आपका जीवन बदल देगी। लेखक के अनुसार-

मन को छोटा मत करो, सम्मुख है आसमान।
बस छूने को चाहिए, थोड़ा सा विश्वास।
हर मंजिल मिल जायेगी, गर लो मन में ठान,
क्षमता तो आप में छिपी, उसको लो पहचान।

कोरोना महामारी मृत्यु रूप में हाथ धोकर हमारी जान के पीछे पड़ गई है। इससे बचने के हर सम्भव स्वास्थ्य उपाय किये जा रहे हैं, परंतु शत-प्रतिशत सफलता नहीं मिल पाई है। कोरोना योद्धाओं का रोगियों को बचाने का यथासंभव प्रयास जारी है, समाज बंधु-बांधव भी तन-मन-धन से सहायतार्थ आगे आ रहे हैं। ऐसे में कुछेक स्वार्थीजन मानवता को परे रखकर आवश्यक खान-पान की वस्तुओं की ही नहीं बल्कि कोरोना रक्षक दवाओं, रेमडेसिविर इंजेक्शन और ऑक्सिजन सिलेंडर तक की कालाबाजारी करके अपनी तिजोरियां भर रहे हैं। अपने और अपने परिवार के लिए घर पर दवाओं और इंजेक्शन्स का अनावश्यक संचय करने से भी बाज नही आ रहे जिससे बाजार में आपूर्ति का अभाव हो रहा है और रोगी बेमौत मर रहे हैं । क्या यह उचित समय है अपनी तिजोरी भरने का अथवा घर पर अनावश्यक संचय करने का? क्या कोरोना महामारी के कारण हमने स्वयं के साथ-साथ अपनी दिली इंसानियत को भी लॉकडाउन कर दिया है? इन आपातकालीन परिस्थितियों में हमें अवसरवादी होना चाहिए अथवा भावुक और जज्बाती? आइये जानें इस स्तम्भ की प्रभारी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।

''आपदा में अवसर की तलाश''

उचित अथवा अनुचित ?

कोरोनाकाल में इंसानियत भी हुई लॉकडाउन

आपदा में मानव सेवा करने का सुअवसर हाथ से ना जाने दें। अगर हम और हमारा परिवेश स्वस्थ रहा तो धन कमाने के लिए इतने अवसर मिलेंगे कि यह जीवन कम पड़ जायेगा। इस समय तो हमें निःस्वार्थ भाव से तन-मन-धन से मानव सेवा करके पुण्य लाभ अर्जित करना चाहिए। माना कि हम लॉकडाउन में हैं पर सहायता करने के लिए अनेकों दरवाजे खुले हैं। स्वार्थवश अगर हमने अपने मन-मस्तिष्क में जज्बात और इंसानियत की भावना को भी लॉकडाउन कर दिया है तो स्वयं को मनुष्य की श्रेणी में ना मानें। मृत्यु के बाद धन ना तो किसी के साथ गया है ना ही जाएगा, पर हमारे कर्म और धर्म जन्म-जन्मांतर तक हमारे साथ रहेंगे, यह भ्रम नहीं हमारी हिन्दू धर्म की आस्था और मान्यता है। कम से कम उन कोरोना योद्धाओं को देखकर ही कुछ प्रेरणा लें जो अपने और अपने परिवार के जीवन की परवाह किये बिना कोरोना संक्रमितों की सहायता कर रहे हैं। अगर आप सहायता नहीं करना चाहते तो ना सही, कम से कम कोरोना जीवनरक्षक दवाईयों और ऑक्सीजन सिलेंडर आदि की कालाबाजारी करके अपनी तिजोरी तो ना भरें। हमारे आस-पास लोग आवश्यक दवाओं और ऑक्सीजन के अभाव में तड़प-तड़प कर दम तोड़ रहें हैं और हमने उन आवश्यक दवाओं को अपने और अपने परिवार के आपातकाल के लिए संचय कर रखा है तो क्या वह संचय हमें सुकून से जीने देगा? सरकारी और गैर सरकारी अस्पताल भी सिर्फ और सिर्फ पैसा बटोरने में लगे हैं, इंसान की जान इतनी सस्ती है इस बात को एक महामारी ने आसानी से समझा दिया। जरा सी भी इंसानियत बची हो तो इस आपदा में इंसानियत की सेवा के अवसर तलाशें ना कि मेवा पाने के।

■ **सुमिता मूंधड़ा,** मालेगांव (महा.)

अवसर शब्द के सही मायने समझें

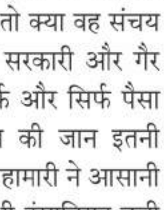

भारतीय संस्कृति के इतिहास पर नजर डाले तो अवसर इस शब्द के मायने खुद ब खुद समझ में आ ही जायेगें। ईश्वर से लेकर दानव तक और अति खास से लेकर आम इंसान तक हर किसी ने समयनुसार अवसर का फायदा उठाया , यह सर्वविदित। आपदा मे अवसर के भी कई पहलु है, जैसे मौका मिलने पर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना, समयोचित निर्णय लेकर अपनी महत्ता सिध्द करना इत्यादि। इसके साथ ही साथ आम जनता को लगनेवाली वस्तुएँ भी सही समय पर, सही दिशा में मिलना यही आपदा प्रबंधन की सही पहचान, व्यापार की प्रगति याने देश की प्रगति इसमें दो राय नहा। व्यापार का मूल मंत्र कमाई यानी दूसरे शब्दों में प्रॉफिट है। सामान्यतः किसी भी काम में प्रॉफिट की एक सीमा रहती है पर आपदा में उसके मायने को बदलते अभी हाल में ही हम देख रहे हैं । जो अत्यंत दुखदायक कष्टदायक है। सुनने में आ रहा है हॉस्पिटल में बेड मिलने से लेकर इंजेक्शन हासिल करने के लिए भी चहुँओर हाहाकार मचा है। सरकार प्रशासन की बात ही करना फिजूल है, मनमाने दाम वसूले जा रहे है। पेशंट के घरवाले मरते क्या न करते, अपनो को बचाने के खातिर अपने जमीर को ताक पर रखकर मजबूरी में वह सब कर रहे हैं। यह कटु सत्य। ऐसे समय मानवता को भुलाकर बेहिसाब धन कमाना बेहद शर्मनाक बात है। सबसे विशेष बात सरकार सख्ती लाये या न लाये, आपदा के समय हम इंसान को भी मानवता का धर्म निभाते हुये कार्य करना चाहिये।

■ **सतीश लाखोटिया,** नागपुर (महाराष्ट्र)

आपदा में अवसर की तलाश एकदम अनुचित

आपदा में अवसर की तलाश एकदम अनुचित है, विगत वर्ष से करोना ने जिस तरह हमारी जिंदगी बदली है, उससे हम अगर इंसानियत जिंदा रखना ना सीख पाये तो यह मानव जाति के लिए कलंक ही है। यह बीमारी जो ना गरीब देखती है, ना अमीर, ना कोई जात, ना पात इस समय में हमें अपनी पुरानी संस्कृति को अपनाने की जो सीख मिली है, अगर उससे हम खुद अपने को बदले और 'मैं' से निकल कर सबके हित का सोच कर कोरोना रक्षक दवाओं, खाने पीने की चीजों, इंजेक्शन, ऑक्सीजन सिलेंडर आदि की कालाबाजारी ना करके केवल अपनी ही ना सोच कर मानवता का परिचय अगर हर एक नागरिक दे, तो रोगी बेमौत नहीं मरेंगे। आज की परिस्थिति का मुकाबला करने का जिम्मा केवल सरकार या कुछ सीमित लोगों का ही काम नहीं है, अपितु देश का हर एक व्यक्ति अपने सच्चे मन से निःस्वार्थ भाव से जिससे जो संभव हो वह कार्य करें तो इस आपातकालीन परिस्थिति से हम अपनी एकता व निःस्वार्थता के बल से ही उबर पाएंगे।दूसरी लहर का कहर हमारी पहले की हुई मनमानियो के कारण हुआ है। अगर अब भी हम ना सुधरे, तो विनाश की आंधी से हमें कोई नहीं बचा पाएगा, एक साल हो गया हमें इस दौर से जूझते हुए ना जाने कितने कर्तव्य परायण लोग इस दौर में कालकवलित हो गए, कम से कम हम मानवता को तो जिंदा रख ही सकते हैं।

■ **रेखा लखोटिया,** नागपुर (महा.)

> *"माँ भले ही पढ़ी लिखी ना हो, पर दुनिया का सबसे अच्छा ज्ञान हमें माँ से ही मिलता है।"*

यह सत्कर्म करने का मौका

आज हम सब ऐसे हालात से गुजर रहे हैं. जहां जो व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव है वो शारीरिक और मानसिक तरह से अस्वस्थ है। जो कोरोना की चपेट में नहीं वो मुझे कुछ ना हो जाए या मेरे परिवार को कुछ ना हो जाए इस सोच से अस्वस्थ है। आपदा में अवसर को तलाशना यह हमारी संकुचित बुद्धि की निशानी है। आपदा में यदि सच में हमें अवसर की तलाश है तो नेकी से सत्कर्म करने का सुनहरा मौका अपनी हाथो से ना जाने दें और हमसे जितना हो सके यथाशक्ति जरुरतमंद की मदद करके कलयुग में भी सतयुग का निर्माण करें। यह आपदा की घड़ी गलत कार्य करके तिजोरी भरने की नहीं बल्कि अपनी तिजोरी में से यथासंभव मदद करके दुआएं बटोरने की है। आपदा की इस घड़ी में सबके सहयोग की सबके साथ की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि जंग को जीतने के लिए सही समय पर लिया गया सही निर्णय ही जीत हासिल कराता है। आज की विकट परिस्थिति में अपने स्वार्थ को त्याग कर समाज के लिए मदद हेतु हाथ आगे बढ़ाना ही जंग की जीत की ओर कदम बढ़ाना है।

■ **पूनम जाजू,** मुखेड (महाराष्ट्र)

अभी समय मानवता दिखाने का है

आज की स्थिति निश्चित तौर पर धनसंचय करने की नहीं है। जनता के प्राणों की बाजी दाव पर लगी है,ऐसे विकट हालात में मदत के हाथ आगे आएं यह जरूरी है। इस महामारी से बचाव के लिये कई शहरों में लॉकडाऊन है, लेकिन लॉक डाउन का सख्ती से पालन कर पाना निम्न वर्ग के लिए संभव नहीं। ऐसे में मेडिकल संबंधित जरुरी चीजों की कालाबाजारी करना अत्यंत ही घृणास्पद और शर्मसार करने वाली सोच है। जब कि हम देख रहे हैं, धन का संचय भी आज के दौर में काम नही आ रहा। धनाढ्य वर्ग भी आज महामारी की चपेट से नहीं बच पाएं। एहतियात बरतते हुए निम्न स्तरीय जनता को दाल रोटी का जुगाड़ हो पाए, कम से कम इतनी छूट दी जाए वरना काला बाजारी जैसे काले धंधे दिन पे दिन बढ़ते जाएंगे। हर कोई परिवार लेकर बैठा है जिनका भरण पोषण उन्हें करना ही है। डॉक्टर देवता का रुप है किंतु अस्पतालों में बहुत सी जगह लुटमारी हो रही हैं। इंसानियत के नाम पर इतना फरेब पैसा तो दे देगा किंतु अंतरआत्मा की शांति नही। देर सबेर पर कर्मों का फल जरुर मिलता ही है। कितने ही लोग अपनी जान गवां रहे हैं। काला बाजारी करने वालों के लिए उन दुखी परिवारों की आत्मा से जो नकारात्मक श्राप निकलेंगे उसका भुगतान करना ही पड़ेगा।

■ **राजश्री राठी**,अकोला

यह मानवता की सेवा का अवसर

इस कोरोना के विकराल काल में हर इंसान अवसरवादी बन रहा है। यह अवसरवाद अगर सकारात्मक हो तो बहुत ही बढ़िया बात है। अगर हम किसी कोरोना पीड़ित का धीरज बंधाते हैं, हमसे जो बन पाए वह सहायता करते हैं, तो यह सही मायनों में ईश्वर सेवा है। इस विकराल काल को हमें सुअवसर समझकर मानव सेवा करनी चाहिए। अगर हम नकारात्मक सोच रख के किसी की मजबूरी का फायदा उठाते हैं तो यह इंसानियत ही नहीं भगवान की नजर में भी बहुत बड़ा अपराध है। गलत तरीके से आया हुआ धन हमारी जिंदगी में सुख तो ला सकता है, पर शांति कभी नहीं ला सकता। तो इस विकराल काल में हम सकारात्मक दृष्टि से अवसरवादी बन कर अगर मानव सेवा करेंगे तो मुझे यकीन है कि हम अपनी जिंदगी में परम शांति का अनुभव करेंगे।

■ **मुकुंद लाहोटी,** नाशिक

निःस्वार्थ सेवा करें

अपना - अपना देखने का नजरिया है। जैसे सिक्के के दो पहलू होते हैं। पिछले 15 माह से कोविड महामारी ने आतंक फैला रखा है। इसका मुकाबला करने के लिए पैसा और ताकत दोनों की जरूरत है। सरकार को चाहिए कि वैक्सीन और प्राणवायु की कालाबाजारी को रोकें। जनता को भ्रमित करने वाली खबरों पर प्रतिबंध लगायें। नौकरियों में और पेमेंट में कटौती से तथा रोजमर्रा के जीवनावश्यक चीजों के बढ़े हुए दामों की वजह से घर का बिगड़ा हुआ बजट संभालना मुश्किल हो रहा है। ऐसी आपदा में कुछ लोग अवसर का फायदा उठाते हुए हर चीज बढ़े हुए दाम में बेंच कर खुद की जेब भरते हैं। वे यह नहीं सोचते कि समय निकल जाने पर लोगों की हमारे प्रति क्या धारणा होंगी? वे मात्र खुद आमिर होने के अवसर की ताक में रहते हैं जो अनुचित है। कठिन समय की नजाकत देखकर कुछ सेवाभावी संस्थाओं ने फ्री में भोजन के लंगर चलाएं। रेल और यातायात के साधन बंद होने पर बेरोजगारों को उनके घर पहुंचाने की जिम्मेदारी उठाई। किसी ने शादी वाले कार्यालय को दवाखाने का रूप दिया। जिनमें सेवा का जज्बा था उन्होंने ऐसे भीषण समय में भी सेवा करने का उचित अवसर ढूंढ लिया।

■ **मीना कलंत्री,** मुंबई

आपदा में अवसर की तलाश अनुचित

वर्तमान आपदा की स्थिति में अवसर की तलाश सर्वथा अनुचित ही है। आज वे? समय में अस्पतालों में तिगुना भाव में दवाएं, इंजेक्शन और ऑक्सीजन सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। अस्पतालों की चौगुना फीस लेकर चुकानी पड़ती है और उसके बाद भी डॉक्टर्स द्वारा उचित ट्रीटमेंट नहीं दिया जा रहा है। परिवार जनों को तो पीड़ित व्यक्ति से मिलना तो दूर देखने की भी अनुमति नहीं है। आज मानव 'ईश्वर' से भी नहीं डरता। भूल गया है मानवता और पापी बन गया है। दया, धर्म, अच्छे कर्म सब विलुप्त से हो गए हैं। मानव झूठी अकड़ और शान में इतना खो गया है कि वह भूल गया है, कि सब धरा रह जाएगा जब वह मृत्यु को पा जाएगा। आज 'ईश्वर' भी परीक्षा ले रहे हैं, दे रहे है चेतावनी। यदि मानव उसे समझ लेगा, तो उसका कल्याण हो जाएगा। शीशे के घर में बैठकर दूसरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। मानवता एक सागर ही है, सागर की कुछ बूंदे खराब हो तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता। 'मानवता' परमोधर्म है।

■ **पूजा काकाणी,** इंदौर

वास्तव में यह सहयोग का अवसर

कितना बड़ा अवसर है यह कि इस आपदा में उजड़े को सवांरने में अपना हाथ-साथ देकर सहयोग करें। आँसू पोंछने के अवसर देखें। किन्तु अफ़सोस है, लोग आँसू में कमाई के अवसर तलाश रहे हैं। कितने दुःख की बात है, कालाबाज़ारी आसमान पर है। किन्तु आह की बुनियाद पर कमाया पैसा कितना सुखद होगा? यह समय तो दुआ कमाने का है, जितना जैसा हो पाये अपनों और गैरो का हाथ थामने का है। किसी की मुस्कान को वापस लाने का अवसर है। भयानक दौर है। कल क्या हो किसने जाना? किसी को मुट्ठी भर उम्मीद देकर मनोबल बढ़ा कर उसका साहस बन जाने का अवसर हाथ से ना जाने दें। अवसाद में अपनों की लाठी बने और आपदा में जीवन का मकसद, सबको खुशियाँ बाँटना यही अवसर है। इंसान होने का फर्ज अदा करें। चंद रुपये अगर लोगों की मज़बूरी से कमा भी लिये तो क्या सुख मिल जायेगा? जाने कब किसकी आह से कमाया पैसा हमको दुःख दर्द दे जायेगा। हाँ, अवसर है आपदा में.. जो भी संभव हो करें छोटा से छोटा प्रयास भी किसी का सम्बल बन सकता है। इसलिये इंसानियत को जिंदा रखने का फर्ज निभायें।

■ **पूजा नबीरा काटोल,** (महाराष्ट्र)

आपदा में अवसर की तलाश अनुचित

कोरोना काल ने सबके जीवन में उथल पुथल कर दी है। जो भी परिवार कोरोना की चपेट में आये है, वो मानसिक तौर पर तो परेशान है ही, पर लोकडाउन के कारण आर्थिक तंगी भी झेल रहे है। एक तरफ अपनों को बचाने की चिंता तो दूसरी तरफ रोज की जरूरतों को कैसे पूरा किया जाए, इसका तनाव। मानवता तब शर्मसार हो जाती है जब कुछ लोग ऐसे नाजुक समय मे भी अपना मुनाफा देख रहे है। ऐसे लोग मलहम बनने के बजाय और घाव दे रहे है। आज जिन सामानों की आवश्यकता है उनके दोगुने दाम वसूल कर आमजन की परेशानियों को बढ़ा रहे है। क्या आपदा में ही तरक्की के अवसर हैं केवल? धन कमाने के तो और मौके मिल जाएंगे। अपने परिवार जनों को दुबारा नहीं ला पाएंगे? मेरा सभी से विनम्र निवेदन है कि आप इंसानियत भूलकर किसी की मजबूरी का फायदा ना उठायें। आज मैं मजबूर हूँ, हो सकता है कल आप की बारी आ जाये। आमजन के हौसले को बढ़ायें और क्षमतानुसार सहायता करें।आपदा में अवसर ना ढूंढें। यह किसी भी तरह से उचित नहीं है।

■ **ज्योति माहेश्वरी,** कोटा (राजस्थान)

ऐसे लोग मानवता के दुश्मन

आज पूरा देश कोरोना महामारी से ग्रसित है। शासन-प्रशासन, समाज और चिकित्सा कर्मी हर संभव सहायता करने को तत्पर हैं। स्वयंसेवी संस्थाएं भी तन मन धन से कोरोना पीड़ितों की हर संभव मदद करने को आगे आ रही हैं। इस महामारी की आपदा में हम भी पीड़ित परिवारों की तन - मन - धन से मदद करें, अपना स्वार्थ छोड़ कर सेवाभावी बनें। जो स्वार्थी जन या संस्थाएं मानवता को शर्मसार करते हुए आपदा में अवसर तलाश कर अपनी तिजोरिया भर रही हैं और दवाइयों का घर में अनावश्यक संचय कर रही है, वह सरासर अनुचित है। ऐसे स्वार्थी लोग और संस्थाएं ही इंसानियत के दुश्मन हैं। ऐसे लोगों के कारण ही कई बार समाज को भी शर्मसार होना पड़ता है। मुश्किल समय में दवाइयां न मिलने के कारण मरीजों की जान पर बन आती है। सेवा करने का मिला अवसर, उसे स्वयं के लिए ना बनाए अवसर। देने में जो मजा है, वह संचय में कहां। त्याग में जो मजा है, वह भोगो में कहा। अब तो जागो, हो जाओ सचेत भ्रष्टाचारियों व कालाबाजारियों, ठहरो ईश्वर से डरो। ईश्वर के घर देर है, अंधेर नहीं।

■ **भारती काल्या,** कोटा (राजस्थान)

जीवन में अनुकरण के लिये है गीता

हमारे कई परिवारों में भगवद् गीता का नित्य पठन होता आया है, एक अत्यंत पवित्र धार्मिक पुस्तक के रूप में। लेकिन यदि देखा जाऐ तो यह यहीं तक सीमित नहीं है बल्कि यह तो जीवन का संविधान है, जिसका यदि अनुकरण किया जाऐ तो जीवन सुखद व सफल हो सकता है।

कृष्णचंद्र टवाणी, मदनगंज-किशनगढ़

गीता तो प्रत्येक परिवार में उपलब्ध है और गीता का अध्ययन भी नियमित रूप से अधिकांश परिवारों में, संस्कृत विद्यालयों एवं धार्मिक स्थानों यथा मंदिरों, आश्रमों में होता रहता है। प्रतिवर्ष गीता जयंती के अवसर पर गीता श्लोक प्रतियोगिता का आयोजन भी स्कूलों में तथा अनेक संस्थाओं द्वारा किया जाता है। गीता पठन-पाठन एवं गीता के श्लोकों को कंठस्थ करके सुमधुर वाणी में पाठ करने का प्रचलन भी वर्तमान समय में पहले से ज्यादा हो रहा है। यह सब गीता के प्रति हमारे बढ़ते लगाव का द्योतक है। किंतु फिर भी गीता के उपदेशों का जीवन में अनुकरण बहुत कम हो रहा है। काश जितना गीता का अध्ययन तथा प्रतियोगिताएँ आयोजित हो रही हैं, उतना ही इसके उपदेशों का व्यवहार में पालन हो तो आज हमारे जीवन में जो तनाव है, समाज में जो हिंसात्मक प्रवृत्तियाँ व्याप्त हैं, उनका स्वतः ही निराकरण हो सकता है। हम गीता का पाठ करने के साथ-साथ उसके श्लोकों का भावार्थ भी अच्छी तरह समझकर उसकी शिक्षाओं का जीवन में अनुकरण करने की पूरी कोशिश करें तभी सच्चे अर्थों में गीता से जुड़ सकते हैं।

गीता हृदय में धारण करने का शास्त्र

गीता के अध्ययन के साथ-साथ उस पर चिंतन-मनन करना भी बहुत जरूरी है। गीता को शास्त्र की संज्ञा प्रदान करते हुए कहा गया है - ''गीता सुगीता कर्त्तव्याः।'' गीता भली प्रकार मनन करके हृदय में धारण करने योग्य है। गीता का सारांश इस श्लोक से प्रकट होता है कि-

एकं शास्त्रं देवकी पुत्र गीतम्, एको देवो देवकी पुत्र एव।
एको मंत्रस्तस्य नामानि यानि, कर्माप्येको तस्य देवस्य सेवा॥

अर्थात् एक ही शास्त्र है जो देवकी पुत्र भगवान ने श्रीमुख से गायन किया वह है - गीता। एक ही प्राप्त करने योग्य देव है, उस गायन में जो सत्य बताया-आत्मा। सिवाय आत्मा के कुछ भी शाश्वत नहीं है। उस गायन में उन महायोगेश्वर ने क्या जपने के लिए कहा? ''ऊँ'' अर्जुन ऊँ! ऊँ अक्षय परमात्मा का नाम है। उसका जप कर और ध्यान मेरा धर। एक ही कर्म है- गीता में वर्णित परमदेव, एक परमात्मा की सेवा। उन्हें श्रद्धा से अपने हृदय में धारण करो।''

शाश्वत है गीता का संदेश

चाहे भूतकाल, वर्तमान काल या भविष्य काल हो गीता का संदेश हर काल में समान रूप से महत्वपूर्ण है। आज मानव जीवन में अनेक समस्याएँ हैं, तनाव है, भय है,इन सब समस्याओं का समाधान गीता में है। मानव मात्र के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शिका तथा शाश्वत है- गीता। आज सर्वत्र नेतृत्व का संकट है। इस संकट ने नैतिक मूल्यों का ह्रास कर दिया है। दिव्य मूल्यों की पुर्नस्थापना गीता द्वारा बताये मार्ग से ही संभव है। विश्व कल्याण यदि किसी प्रकार से संभव है तो वह गीता के मार्ग का अनुसरण करने से ही हो सकता है। गीता हमें सिखाती है कि सुख-दुःख में एक समान रहें। गीता ही आत्म कल्याण का सर्वश्रेष्ठ साधन है।

देखिये-

समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः।
शीतोष्णसुखदुःखेषु समः सङ्गविवर्जिरः॥
तुल्यनिन्दास्तुतिमौंनी संतुष्टों येनकेनचित्।
अनिकेतः स्थिरमतिर्भक्तिमान् मे प्रियो नरः॥
(गीता अध्याय 12 श्लोक 18-19)

सभी के साथ समान व्यवहार

जो पुरूष शत्रु-मित्र में और मान-अपमान में सम है तथा सर्दी-गर्मी और सुख-दुखादिक द्वन्द्वों में सम है और सब संसार में आसक्ति से रहित है तथा जो निंदा स्तुति को समान समझने वाला और मननशील है, अर्थात ईश्वर के स्वरूप का निरन्तर मनन करने वाला है एवं जिस किस प्रकार से भी शरीर का निर्वाह होने में सदा ही संतुष्ट है और रहने के स्थान में ममता से रहित है वह स्थित बुद्धिवाला, भक्तिमान पुरूष मेरे को प्रिय है। मानव का यही कर्त्तव्य है कि वह अपना कार्य भली भांति करें, उसके फलों के प्रति विचार नहीं करे। गीता में कहा है कि तू कर्मो के फलों की वासना वाला मत हो तथा तेरी कर्म न करने में भी प्रीति न हो।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥
(गीता अध्याय 2 श्लोक 47)

सही मायने में समाजसेवा वह पथ है जिस पर चलने वाला सच्चा समाजसेवी कभी किसी पद - प्रतिष्ठा तो दूर, अपितु अपने नाम तक की कामना नहीं करता। वह तो सिर्फ दैवीय इच्छा मान कर इस दुर्गम पथ को अपनी आत्मशांति के लिए चुनता है। इन्हीं मूल्यवान आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने वाली मौन समाजसेवी थीं बडोदरा निवासी श्रीमती उमा काबरा। आप गत 10 अप्रैल 2021 को ना केवल समाजसेवा के क्षेत्र बल्कि अपने सुप्रतिष्ठित काबरा परिवार को अश्रुपूरित छोड़ - चिरशांति में विलीन हो गईं।

टीम SMT

नहीं रहीं मौन समाजसेवी
उमादेवी काबरा

मुंबई निवासी ख्यातिप्राप्त सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा की ज्येष्ठ पुत्रवधू एवं त्रिभुवन काबरा (वड़ोदरा निवासी) की धर्मपत्नी श्रीमती उमा काबरा ने जब अंतिम विदाई ली तो हर किसी की आंखें नम हुऐ बिना नहीं रहीं। वे अनेक सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़ी थीं जिन्हें वे निस्वार्थ भाव से अपनी सेवा प्रदान करती रहीं। उनके तन-मन-धन से दिये हुए योगदान ने अनगिनत आयोजनों और कार्यक्रमों में चार चांद लगा दिए। पारिवारिक संस्था द्वारा संचालित विद्यालय के बच्चों पर भी उन्होने अपने अविरल स्नेह और प्यार की वर्षा की।

सेवा पथ को समझा पारिवारिक दायित्व

कृतित्व व नेतृत्व का अनूठा संगम उमादेवी काबरा के व्यक्तित्व में विद्यमान था। आपका जन्म मुम्बई (महाराष्ट्र) में 14 अप्रैल 1956 को हुआ था। आपकी प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा मुम्बई में पूर्ण हुई। तत्पश्चात आपका विवाह मुम्बई निवासी रामेश्वरलाल काबरा के ज्येष्ठ पुत्र त्रिभुवन काबरा से 27 फरवरी 1975 को हुआ। आपका ससुराल ही नहीं अपितु पीहर पक्ष भी समाजसेवा में सदा अग्रणी रहा है। ससुराल आने के बाद समाजसेवा उन्हें पारिवारिक संस्कारों के रूप में इस तरह मिली की श्रीमती काबरा इन्हें अपना पारिवारिक दायित्व समझकर ही इनमें तल्लीनता से रम गईं।। प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी श्वसुर पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा तथा पति त्रिभुवन काबरा के मार्गदर्शन में आप अनेक सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़ीं। जिसमें विशेष रूप से गुजरात प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन से सक्रिय रूप से जुड़ी रहीं। अनेक दायत्व को गरिमा पूर्वक निभाने के बाद आप इस संगठन की अध्यक्षा मनोनीत की गईं। आर.आर. ग्लोबल द्वारा संचालित गोविंद देव गिरी वेद विद्यालय की अध्यक्षा रहीं। यहाँ के समस्त छात्रों को आपने ममतामयी माँ का सा वात्सल्य प्रेम दिया। आपके मार्गदर्शन में ही गोविन्द गौ संवर्द्धन केन्द्र भी संचालित है।

कई संस्थाओं का कुशल नेतृत्व

आपने माहेश्वरी महिला मंडल वडोदरा का मंत्री पद बखूबी संभाला और तत्पश्चात आप अध्यक्षा के पद पर आसीन की गईं। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन में आपको कोषाध्यक्ष और उपाध्यक्ष जैसे पदों से सुशोभित किया गया जिसका उत्तरदायित्व आपने सराहनीय रूप से संभाला और संगठन को एक नई दिशा दी। अहमदाबाद में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत अखिल भारतीय आयोजन 'ओजसम - 2014' का आयोजन हुआ तो आपने कुशल संयोजिका के रूप में अपनी समस्त जिम्मेदारियों का निर्वहन सफलतापूर्वक किया था - जिसकी भुरि भुरि प्रशंसा सर्वत्र हुई थी।मुंबई घाटकोपर क्षेत्र समिति से भी आप सम्बद्ध है। पति के साथ अपने पारिवारिक उद्योग समूह रामरत्ना ग्रुप के आर.आर.केबल आदि उद्योगों को अपनी महत्वपूर्ण सेवा देते हुए आप वनबंधु परिषद व विभिन्न शिक्षण संस्थाओं सहित कई समाजसेवी संस्थाओं को सेवा देती रहीं। बिना किसी अपेक्षा के निःस्वार्थ सेवा करने की प्रवृति ने सम्पूर्ण समाज में आपकी अति विशिष्ट पहचान बना दी। सरल जीवन और बिना किसी पद की लालसा ने 'साइलेंट वर्कर' अर्थात मौन समाजसेवी के रूप में आपकी अनूठी छवि कायम की।

हर पल आज भी मेरे साथ

पति त्रिभुवन काबरा अपनी स्मृतियों में खोते हुए कहते हैं, कि महिला संगठन की सभी सदस्याओं को मोतियों चमकदार माला के रूप में देखने का सुखद अवसर मुझे सोमनाथ और बालाजी निरोग धाम में प्राप्त हुआ। वहीं मुझे उमा के नेतृत्व कौशल और दक्ष संचालन क्षमता को देखने और समझने का सुअवसर मिला। उमा मेरे हृदय पटल में बसी हुई है। मैंने देखा है कि लोग पासपास रहते हुये भी दिल के पास नही होते। मैं जब भी व्यापार के लिए बाहर जाता और उमा मुझे याद करती, तभी मेरे फ़ोन की घंटी उसके फ़ोन पर बजती। यह हमारे अंतर्मन से एक दूसरे जुड़े होने का प्रतीक है। उमा ने कभी भी कोई मांग नही की। मेरे साठवें जन्मदिन पर बापूजी ने उमा से कहा कि कुछ तो मांगो। इस पर उमा ने कहा वह एक ऐसा पत्थर है जिसे कोई हिला नहीं सकता। लेकिन प्रभु की क्या इच्छा हुई एक ऐसी आंधी आई कि पत्थर कण-कण होकर पूरे विश्व में फैल गया।

विगत 9-10 महीनों से बीमारी की वजह से वे बहुत तकलीफ में रही थी परंतु उनकी सहनशीलता ने हमें इसका अहसास नहीं होने दिया। उनकी बीमारी के दौरान ग्रुप के स्टाफ जनों ने 100 से ज्यादा बार ब्लड डोनेट किया मै उन सबका आभारी हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हर जन्म में वह मेरी जीवनसंगिनी बने, सारथी बने। मैं उनको चार पंक्तियां समर्पित करना चाहूँगा-

परछाई आपकी हमारी आँखों मे है, यादें आपकी हमारे दिल मे है
कैसे भुलायें हम आपको, प्यार आपका हमारी साँसो मे है

गुजरात प्रांत तथा देश के किसी भी हिस्से में आगे भी मेरी तरफ से कोई भी सपोर्ट चाहिए तो उसके लिए मैं हरदम तैयार हूँ ।

श्रद्धासुमन किये अर्पित

मम्मी उस रूहानी इत्र की तरह थीं जिन्होंने हर उस ज़िन्दगी को चिरस्थाई खुशबू से महका दिया - जो उनके संपर्क में आया । मेरे लिए वह एक ऐसा सम्पूर्ण व्यक्तित्व थीं जिन्होंने अपने जीवन में हर किरदार को इतना बखूबी निभाया कि आज वह नारी के हर स्वरूप की आदर्श मिसाल बन गई हैं। वह मेरी माँ तो ईश्वरीय कृपा से थीं, परंतु जीवन में मुझे जब जैसी ज़रूरत पड़ती, वह स्वयं को उसी अनुरुप ढाल लेती - इसीलिए वह मेरी मित्र, शिक्षक, सलाहकार और पथप्रदर्शक भी थीं। उनके चले जाने से जीवन में जो रिक्तता आयी है, उसे कोई भी पूर्ण नहीं कर सकता। किसी ने सच ही कहा है कि एक माँ ही तो है जो सब की जगह ले सकती है, परंतु माँ की जगह कोई नहीं ले सकता।

मांगता हूं यही दुआ अपने भगवान से,
कि मुझे.. फिर यही जहां मिले,
फिर वही गोद मिले और फिर वही मां मिले।

■ **महेश काबरा** (सुपुत्र)

सासू माँ का देहावसान मेरे लिए ऐसा वज्रपात है, जिससे मैं कब और कैसे उबर पाऊंगी, यह कहना अत्यंत कठिन है। दुनियादारी के दृष्टिकोण से आप मेरी सासू माँ थीं, परंतु विगत वर्षों में आपसे जो स्नेह और सम्मान मिला, वह बहुतों को अपने माता - पिता से भी नहीं मिलता। आपका आदर्श जीवन, मेरे लिए सदैव आपके पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा ।

■ **विधि काबरा** (पुत्रवधु)

मम्मी आप का जाना मेरे लिए बहुत बड़ी क्षति है । मेरी माँ होने के साथ-साथ आप मेरी घनिष्ट सहेली और अनुकरणीय गुरु भी थीं। आपसे ही मैने जीवन के वह बहुमूल्य आदर्श जाने और समझे जो सदैव मेरा मार्गदर्शन करते हैं। आपका व्यक्तित्व कितना सहज, विशाल और स्नेह से परिपूर्ण था, यह तब मालूम पड़ता है जब कोई भी मेरा परिचय उमा जी की बेटी के रूप में देते हुए अनायास ही मम्मी के प्रति श्रद्धावन हो जाते हैं। निस्संदेह नियति के क्रूर आघात ने मुझ पर से ममता की स्नेहिल छाया छीन ली है, परंतु आपके द्वारा दिए गए संस्कार और गुण मुझे हमेशा सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

■ **सरिता झंवर** (पुत्री)

उमाजी को सादगी, विनम्रता, मिलनसारिता, सेवाभाव जैसे अनेक गुण मानो विरासत में ही प्राप्त थे। सवेंदनशीलता, उदारता, धर्मपरायणता ने उनके व्यक्तित्व को अत्यंत निखार दिया था। सभी से मुस्कान देकर सन्मान से मिलना उनका विशेष गुण था। रामायण में प्रसंग है कि सीता माँ ने दोनों कुलो के नाम में वृद्धि की थी, उन्ही गुणों को मैंने उमा भाभी मे पूर्णतः महसूस किया है। महिला संगठन के माध्यम से उन्होंने समाज सेवा को ही अपना लक्ष्य बिंदु बनाया था। मै अखिलभारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा एवं अपने परिवार की ओर से परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे उमाजी जो अपने चरणों में उत्तम गति, शांति और मोक्ष प्रदान करे।

■ **श्यामसुन्दर सोनी** (सभापति–अ.भा.माहेश्वरी महासभा)

उमाजी बहुत ही मिलनसार एवं हंसमुख थी, यहीं कारण है कि वे सभी की चहेती बनी रहीं। वे जरूरतमंदों को सहायता करने के लिए हरदम तत्पर रहती थी। उनको सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि अगर उनका कोई सामाजिक कार्य अधूरा रह गया हो तो हम सभी उसे कर्तव्य मानकर पूरा करें।

■ **गजानंद राठी** (अध्यक्ष-गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी सभा)

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन की ओर से उमाजी को श्रद्धांजलि प्रेषित करता हूँ

■ **नरेश केला** (अध्यक्ष-गुजरात प्रदेश अ.भा. युवा संगठन)

सामाजिक पत्रकारिता से सम्बद्ध होने के कारण काबरा परिवार से मेरा लम्बे समय से जुड़ाव रहा है। कारण यह है कि काबरा परिवार समर्पित भाव से समाज ही नहीं बल्कि मानवता की सेवा में आदर्श रूप से जुटा हुआ है। कहते हैं कि किसी भी परिवार के उत्थान-पतन मे नारी का हाथ अवश्य ही होता है। यह पंक्तियां यहाँ भी सत्य ही सिद्ध होती हैं। माँ रत्नादेवी के साथ ही पुत्रवधू के रूप में आदरणीय उमाजी न सिर्फ अपने परिवार अपितु सम्पूर्ण महिला संगठन को जो आदर्श जीवन का पाठ पढ़ा रही थीं वह वंदनीय है। आदरणीय उमाजी के असामयिक देहावसान से काबरा परिवार पर जो वज्रपात हुआ है, उसे सहन करने की परमपिता उन्हें शक्ति दें, ऐसी प्रार्थना करते हैं।

■ **पुष्कर बाहेती,** (सम्पादक-श्री माहेश्वरी टाईम्स)

सभी का इतना भावुक हो जाना उनके प्रेम का परिचायक है। छोटों को श्रद्धांजलि देना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। उमाजी सहजता और सरलता का पर्यायवाची थीं। वह एक बहुत अच्छी कार्यकर्ता के साथ ही बहुत अच्छी ग्रहणी भी थी। वडोदरा के मंदिर में हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा के समय मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला तथा उनको नजदीक से समझा। अभी पिछले महीने ही माँ ने उन्हें अखिल भारतीय महिला ट्रस्ट का ट्रस्टी बनाया था। उनकी मधुर स्मृतियां सदैव हमारे साथ रहेंगी।

■ **गीता मूंदड़ा** (पूर्व अध्यक्षा-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन)

उमाजी विनम्रता व विलक्षणता की धनी थीं। शुरू में वे संगठन की मीटिंग में आने के लिए मना ही करती थी। उनका कहना था कि अभी परिवार एवं माँ - बापूजी की ज़िम्मेदारी उनकी प्राथमिकता है। बहुत आग्रह के बाद जब उन्होने मीटिंगों में आना शुरू किया तो अपने पूरे कार्यकाल में उन्होंने अपने आप को बहुत तराशा तथा सामाजिक कार्यों के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया। माँ एवं बापूजी के सामने दो बहुओं का यूं चले जाना बहुत ही दुखदायी है।

■ **विमला साबू** (पूर्व अध्यक्षा-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन)

उमा जी से मेरा परिचय माँ की बहू के रूप में हुआ, जब एक व्यक्तिगत कार्यक्रम के सिलसिले में मैं उनके घर गई थी। उनसे घनिष्ठता तब बढ़ी, जब सोमनाथ महासभा की मीटिंग में जाने के समय एयरपोर्ट पर एक डेढ़ घंटे, फ्लाइट के दौरान तथा राजकोट से सोमनाथ का सफर इतनी बातों के साथ तय किया कि एक मिथक सा टूटने लगा। उनको याद करके गालिब की वह पंक्तियां याद आती है 'इंसानों की इस भीड़ में ढूंढता हूं एक आदमी'। इतनी सहज और सरल व्यक्तित्व वाली उमा जी को मैं वैसा ही पाती हूँ, सोमनाथ की मीटिंग में जिस जवाबदारी से उन्होंने काम किया वह एक मिसाल है।

■ **कल्पना गगडानी** (पूर्व अध्यक्षा-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन)

उमाजी सभी में लोकप्रिय थी। सहज सरल एवं निश्चल व्यवहार की धनी उमाजी को नजदीक से जानने का अवसर तब मिला जब राजकोट मीटिंग में मुझे वहां विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उनकी सरलता का मुझे तब अहसास हुआ जब दिल्ली के बालाजी निरोगधाम में हम मिले थे। वह दिन मेरे लिए अविस्मरणीय है। आपसी संवाद में उनका स्नेह व प्रेम अवर्णनीय है।

■ **आशा माहेश्वरी**

अध्यक्षा-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

आज एक गीत याद आता है 'दुनिया से जाने वाले जाने चले जाते हैं कहां'? अत्यंत काव्य दक्षता, उदारशीलता से परिपूर्ण व हमेशा जीवंत रहती थी, वे। मेरा उनसे घनिष्ठ परिचय छोटा उदयपुर के कार्यक्रम में जब हम दो-तीन दिन साथ रहे थे, तब हुआ। जीवन का श्रेष्ठ उपयोग करने वाले महान होते हैं। मरण से वरण को स्वीकार करने वाले लोग निराले ही होते हैं। उमा जी उनमें से ही एक थीं।

■ **मंजू बांगड़**

महामंत्री-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

उमा जी की वाणी व व्यवहार के सभी कायल थे। चाहे कोई भी कार्य हो, वे बहुत ही धैर्य से उसे हैंडल करती थीं। उनका शांत सौम्य और मुस्कुराता चेहरा सभी को हरदम याद आता रहेगा। वे सबको साथ लेकर काम करती थीं। उनके व्यवहार को अगर हम जीवन में थोड़ा भी अंगीकार कर सकते हैं तो यह उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

■ **ज्योति राठी**

कोषाध्यक्षा-अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

उमाजी बहुत ही मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव की तथा अत्यंत सरल व्यक्तित्व की धनी थीं। मेरा उनसे विशेष प्रेम रहा। इंदौर के सामूहिक विवाह समारोह तथा सोमनाथ के अधिवेशन में उन्हें नजदीक से जानने का मौका मिला। उनके जाने से मध्यांचल में एक आदर्श व समर्पित कार्यकर्ता की कमी हो गई है। जब उनको बीमारी डिटेक्ट हुई थी तब उल्टा वे मुझे सांत्वना देती थी कि मैं ठीक हो जाऊंगी तुम चिंता मत कराने।

■ **उषा करवा**

मध्यांचल - संयुक्त मंत्री, अ.भा.महिला संगठन

मेरे अध्यक्ष के कार्यकाल में ही बड़ौदा मे महिला संगठन बनाया गया था। इसके निर्माण में उनका जो सहयोग हमें मिला व सदा मिलता रहा, वह हम सभी के लिये अविस्मरणीय है। एक सम्पन्न परिवार से होने के बावजूद भी उमाजी इतनी सरल स्वभाव की थी, जिससे हर किसी को उनके साथ घुलने मिलने में समय ही नहीं लगता था।

■ **पुष्पलता बांगड़**

(पूर्व अध्यक्षा-गुजरात प्रांतीय महिला संगठन)

काबरा परिवार के लिए तो यह गहरा आघात है ही अपितु हम सब भी निशब्द हैं, स्तब्ध हैं। आज वे सिर्फ हमारी यादों में ही रह गई है। वे जब भी मिलती थी, गले मिलती थी, हाल-चाल पूछती। उनसे मिल कर आत्मीय प्रेम की अनुभूति होती थी, वह प्यार की सागर थी। उमाजी आपने बहुत जल्दी कर ली जाने की,अभी तो समाज सेवा का सोपान चखा ही था। संगठन व समाज के लिए अभी तो आपको बहुत कुछ करना बाकी था। आपके व माँ-बापूजी के साथ की गई चार धाम की यात्रा मेरे लिए अविस्मरणीय है।आपके साथ रामेश्वरम जाने का तो मन में ही रह गया। मां ने आपका परिचय बड़ी बहू के रूप में करवाया था तथा बड़ी बहू के नाते परिवार में रिश्ते बनाना व निभाना कोई आपसे सीखे। अभिमान तो कभी आपको छू भी नहीं सका। कैसे समझाएं अपने मन को कि अब आप हमारे बीच नही हैं।

■ **मंगल मर्दा**

पूर्व अध्यक्षा-गुजरात प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

उमाजी बहुत ही हंसमुख एवं मिलनसार व्यक्तित्व की धनी रही। वे जहां भी होती थीं महफिल की जान होती थी। चंद दिनों पहले की अंतिम मुलाकात मैं भुला नहीं सकती जब काफी देर तक हमारी बातें होती रहीं। बचपन के कई खेल हमने साथ खेले। मुझे मार्बल की गोटियों का खेल नहीं आता था तो उमा जी ने कहा कि मैं तुम्हें गोटियां खेलना सिखा दूंगी। उन्होंने मुझे गोटियां खेलना सिखाया।

■ **उर्मिला कलंत्री**

पूर्व अध्यक्षा-गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

उमाजी मेरी बहुत घनिष्ठ मित्र थीं। जब हमारी 'उमा - उमा' में बात होती तो वे मुझे उमाजी कह कर संबोधित करती थी। मैं उनसे कहती कि आप मुझे सिर्फ उमा ही कहा करें क्योंकि मैं आपसे छोटी हूँ परंतु छोटों-बड़ों सभी का आदर करना उनकी छवि में था। उनके साथ बिताए हुए बहुत सारे पल अविस्मरणीय हैं। उमाजी बहुत कम बोलने वाली थी। किसी मीटिंग या किसी मौके पर जब वह बोलती थी तो बहुत वजनदार बात बोलती थी। सभी कहते थे कि देखो उमाजी का सिक्सर आ गया है।

■ **उमा जाजू**

अध्यक्षा-गुजरात प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

समाजसेवा के क्षेत्र में लम्बे समय से उमाजी का साथ मिला था और हमने साथ मिलकर काम किया। उमाजी का देहावसान तो मेरी व्यक्तिगत क्षति ही है। उमाजी बहुत ही हँसमुख और मिलनसार व्यक्तित्व की धनी थी। वे बहुत ही मृदुभाषी तथा जरूरतमंद की सहायता के लिए हरदम तत्पर रहती थी।

■ **कांता मोदानी** (कोषाध्यक्षा - गुजरात प्रांतीय महिला संगठन)

गुजरात में आए हुए मुझे पांच - छह साल ही हुए हैं तथा उमाजी से पिछले दो साल से ही इतना संपर्क हो पाया लेकिन इतने कम समय में उनसे इतना लगाव हो गया, जैसे वर्षों से उनके सम्पर्क में रही हूँ। उनकी निश्चल हंसी आज भी हमारे हृदय पटल में मौजूद है।

■ **प्रतिभा होलानी**

प्रभु उमाजी की आत्मा को शांति तथा हम सभी को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे.

■ **पीयूशा बांगड़** (माहेश्वरी सखी सहेली मंडल, रतिकपुर)

वडोदरा में हम दस सहेलियों का एक ग्रुप है। महीने में एक बार मिलना व हंसी मज़ाक करना हमारा रूटीन था। उमाजी इतने बड़े इंडस्ट्रियल हाउस से होते हुये भी इतनी सादगी से सबसे मेलजोल रखती थी जिसे मैंने कहीं ओर नहीं देखा।

■ **ज्योति सोनी** (वडोदरा)

दो साल पहले जब मैं बड़ौदा गई थी कौशल्या भाभी के साथ हमें उनके साथ समय बिताने का मौका मिला था। उन्होंने पूरे दिन हमें घुमाया तथा अपनी फैक्ट्री भी ले कर गई। योगा का सेशन अटेंड करने पर वह मेरी बहुत तारीफ करती थी। इतने बड़े व्यक्तित्व की धनी होने के बावजूद वे हर छोटे-बड़े को अपने मधुर व मिलनसार व्यवहार से अपना बना लेती थी।

■ **डॉ. सीमा मूंदड़ा**

माहेश्वरी महिला संगठन, भरूच

खुश रहें - खुश रखें

भावुकता प्रतिक्रिया है तो संवेदनशीलता को दायित्व बोध मानें

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

किसी को भी सभी बातें जन्म से नहीं मिलती, उन्हें अर्जित करना पड़ती है। यह जितना सत्य संसार के मामले में है, उतना ही आध्यात्म के मामले में भी। नाम, दाम, धन, प्रतिष्ठा, आवश्यक नहीं कि पैदाइश से ही प्राप्त हो जाए। अपने-अपने ढंग से सभी को अर्जित करना पड़ती हैं। ऐसे ही आध्यात्मिक संसार में एक तत्व है संवेदनशीलता जिसे साधना द्वारा प्राप्त करना पड़ता है। पारिवारिक मामले में इसका बड़ा महत्व है।

हर मनुष्य के भीतर संवेदनशीलता एक संभावना के रूप में रहती है। गौतम बुद्ध कहा करते थे कि भक्तों को संवेदना और भावुकता का अंतर समझ में आना चाहिए। माना जाता है कि भावुकता का संचालन मस्तिष्क या बुद्धि से होता है और संवेदनशीलता ह्रदय से संचालित होती है। भावुक रहना साधारण व्यवहार है तो संवेदनशील होना एक असाधारण आचरण, जिसे अर्जित करना पड़ता है। भगवान कृष्ण के जीवन में भी अनेक ऐसे अवसर आए जब उन्होंने भावुकता और संवेदनशीलता को पृथक-पृथक स्थापित किया था।

कभी-कभी दूसरे का दुख देख हम दुखी हो जाते हैं, हो सकता है आंसू भी आ जाएँ। यह भावुकता है। लेकिन जब आप उस दुख को गहराई से महसूस कर उसके निदान में जुट जाते हैं, तब संवेदनशीलता का आरंभ होता है। भावुकता एक प्रतिक्रिया सी बन जाती है लेकिन संवेदनशीलता दायित्वबोध होता है, ग्यारह वर्ष की आयु में श्रीकृष्ण ने जब वृंदावन छोड़ा था और पहली बार मथुरा जा रहे थे, तो सारा वातावरण भावुक था। माता-पिता, गोप-ग्वाल सब विछोह में डूब हुए थे, पर श्रीकृष्ण सारे दृश्य को संवेदनशीलता से ले रहे थे।

कृष्ण का बृज छोड़ मथुरा जाने का अर्थ था- एक बड़ी जिम्मेदारी जिसमें व्यापक जनहित था जो मात्र बृजहित या बृजप्रेम से विशाल था। भावुकता और संवेदना की मिलीजुली प्रतिक्रिया है-जरा मुस्कुराइए...।

मॅन्गो डिलाइट

सामग्री :- मैंगो आइसक्रीम एक स्कोप, एक स्कूप चॉकलेट आइसक्रीम, एक स्कूप वैनिला आइस क्रीम, 20 मिलीलीटर हॉट चॉकलेट सॉस, 20 ग्राम मैंगो पल्प, 50 ग्राम आम के छोटे छोटे पिसेस, 20 ग्राम क्रंची लाल चेरी.

विधिः- आइसक्रीम के बड़े गिलास में पहले आम का रस डालना और चारों तरफ से उसको घुमा लेना।

फिर उसमें आम के छोटे छोटे पिसेस डालना, उसके ऊपर वैनिला आइस क्रीम, चॉकलेट आइसक्रीम और मैंगो आइसक्रीम एक-एक करके डालना। अब इस आइसक्रीम के ऊपर हॉट चॉकलेट सॉस और आम के पीसेस डाल कर थोड़ा सा आम का पल्प साइड में लगा कर, गिलास को क्रंची और लाल चेरी से सजा कर पेश करना।

शेफ पूनम राठी, नागपुर
विविधा कुकिंग क्लासेस
9970057423

जल देवता

वेद-पुराण-कुरान-बायबिल सहित सभी धर्मग्रन्थों ने भी कहा है- 'जल है तो कल है'। इन्हीं सन्दर्भों से सन्दर्भित **डॉ. विवेक चौरसिया** के जल पर केन्द्रित लेखों का संग्रह 'जल देवता'.

जिनमें आप पायेंगे न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि सम्पूर्ण विश्व ने स्वीकारी है जल की महत्ता.

Rs. 150/-
डाक खर्च सहित

खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद

55 के बाद की जिन्दगी सपनों का अन्त नहीं बल्कि उन्हें साकार करने का स्वर्णिम समय है. बस इसके लिए जरूरी है खूबसूरती से जीना कैसे जीएँ... इसी के सूत्र बताती है

डॉ. एच.एल. माहेश्वरी की पुस्तक "खूबसूरती से जीएँ 55 के बाद".

Rs. 120/-
डाक खर्च सहित

आपसे कहा जाता है -

- संकट निवारण हेतु पानी में नारियल बहा दें।
- सांप दिखे तो काम टालें।
- नल को पानी टपकता न छोड़ें।

... और भी बहुत कुछ **तो फिर...**

ऐसा क्यों?
a i s a k y o n

जिसमें छुपा है आपके हर क्यों का जवाब

प्रश्न उठना स्वाभाविक है - **"ऐसा क्यों?"** लेकिन इसका उत्तर देगी कौन? **इसका उत्तर देगी गहन अध्ययन से संजोई पुस्तक**

Rs. 100/-
डाक खर्च सहित

ऋषिमुनि प्रकाशन

90, विद्यानगर, साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) फोन - 0734-2526561, 2526761, मो. 094250-91161

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

जान है तो जहान है

खम्मा घणी सा हुक्म देश में कोरोना री दूसरी लहर अब बेकाबू हुवती नजर आ रही है, रोजाना कोरोना रा रिकॉर्ड तोड़ मामला सामने आ रिया है। कोरोना वायरस रो यो नयो स्ट्रेन इण वास्ते भी खतरनाक है, क्योंकि ओ युवाओं और छोटा बच्चों में तेजी सूं फैल रियो है। स्थिति अब बेकाबू होती नजर आ रही है। हर व्यक्ति रे सामने जो परिस्थितियां है, वे अपने आपमें भय सूं व्यथित करण वाली है और भय रा अनेक कारणों में एक कारण है सोशल मीडिया ...हुक्म प्रकृति रे इण तांडव ने जिण प्रकार मीडिया शस्त्र बणाने भय रो माहौल बणा रयो है, सर्वथा निंदनीय है। बार-बार केवण सुं कि तूं मर जाई-मर जाई सुनतो आदमी पक ग्यो है। ऊपर सूं धंधा-पाणी सब बंद। मिनख आखिर कई करे। घरे बैठा कई मिनख तो मानसिक रोगी बण गया है। अबे लुगाइयाँ ने समझ आई है कि आदमी दिनभर घर बैठो घणो खराब है।

हुक्म या बात जनता ने समझनी पड़ेला की मीडिया पेली माल बणावे फिर बेचण रो प्रयास करें उन्हें जनता रे सुख- दुख री कोई चिंता नही हैं। वाणों एक ही लक्ष्य है माल बेचनों। देश या विदेश सूं संचालित कई चैनल बिना धरातल समझे एकतरफा समाचार देवे। सोशल मीडिया जठे व्यक्ति जीवन मरण रे संघर्ष सूं झुंझ रिया है, वठे आग में घी डालण रो काम करें जो समाज देश रे वास्ते शुभचिंतक नहीं हैं।

हुक्म आपा जिता मीडिया री भ्रामक सूचनाओं पर आश्रित रेवेला उतो भय बढेला... तस्वीरों ने देख आपाणे मन री सवेंदनाएँ बिलख रही है जो आपाणे मन री इम्युनिटी शक्ति रो ह्यास कर रही है... मन शक्ति कमजोर करण री बजाय या परिस्थिति रो सामनों धैर्य पूर्वक करणो है.. मास्क जरूरी, दो गज री दूरी रो पालन करणो है गाइडलाइन रो पालन रे साथे घर मे ही रेवणो है बहुत ज्यादा जरूरी हुवे तो ही बारें निकलनो है। ईश्वर उणरी मदद करे जो खुद आपरी करै। ओ टाइम भी नहीं रेवेला। जगत में कोई चीज़ स्थाई कोनी, आज दुःख है, अंधेरों है तो काले उजालों भी आवैला। रात आई है तो दिन भी उगेला। पर जठ तक हालात खराब है, ध्यान तो राखणो ही पड़ैला। हुक्म जान है, तो जहान है या बात रखणी ध्यान है।

मुलाहिज़ा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
मेरठ

- परख से परे है... ये शख्शियत मेरी...
  मैं उन्हीं का हूँ... जो मुझ पे यकीं रखते हैं..
- ख़ामोशी से अपनी पहचान बनाते रहो,
  वक्त खुद बताएगा तुम्हारा नाम क्या है।
- कौन कहता है कुछ तोड़ने के लिए हथियार जरूरी है,
  लहजा बदल कर बोलने से भी बहुत कुछ टूट जाता है।
- बड़ा मुश्किल काम दे दिया किस्मत ने मुझको,
  कहती है तुम तो सबके हो गए,
  अब ढूंढो उनको जो तुम्हारे है !!!!
- हर गुनाह कबूल है हमे,
  बस सजा देने वाला बेगुनाह हो..!!
- तारीफ़ करने वाले बेशक आपको पहचानते होंगे,
  मगर फ़िक्र करने वालो को आपको ही पहचानना होगा !!!

कार्टून कौतुक

राशिफल
संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष

इस माह में जमीन से संबंधित रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। संतान से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। नई कार्ययोजना बनाने के योग प्रबल रहेंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। विरोधी परास्त होंगे। धातु से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी। अपने वर्चस्व में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। तर्क शक्ति में वृद्धि होगी। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी। वाहन सुख की प्राप्ति होगी। घर में मांगलिक कार्य पूर्ण होंगे। विवाह समारोह आदि में भाग लेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। सामान्य शरीर कष्ट बना रहेगा। साथ ही मन में अज्ञात भय व्याप्त होगा।

वृषभ

इस माह में आपको कठिन परिश्रम के उपरांत सफलता प्राप्त होगी। मन में चिंता जरूर होगी किंतु देर से सही कार्य में सफलता मिल जाएगी। अतिथि का आगमन होगा। शुभ एवं मांगलिक कार्यों में घर के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। विद्यार्थी वर्ग को सफलता प्राप्त होगी। लंबी यात्रा एवं तीर्थ यात्रा के योग रहेंगे। सुस्वाद व्यंजनों का लुत्फ उठाएंगे। चुनौती भरे कार्य को हाथ में लेंगे, उसको पूरा करने में सफलता प्राप्त होगी। भाई एवं परिवारजनों से विरोध सहन करना पड़ेगा। रक्त विकार से कष्ट के योग रहेंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा।

मिथुन

यह माह आपको चुनौती भरा रहेगा। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। स्थान परिवर्तन के योग स्वास्थ्य की चिंता संघर्ष के उपरांत स्वास्थ्य में लाभ मिलेगा। चिकित्सा पर खर्च करना होगा। रक्त विकार से संबंधित कष्ट के योग रहेंगे। लंबी यात्रा में भी धन खर्च होगा, किंतु नौकरी में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि, नए कार्य व्यवसाय में वृद्धि, आर्थिक संपन्नता मिलेगी। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। शासन सत्ता में रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। संतान के रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों से भेंट होगी शुभ समाचार प्राप्त होगा।

कर्क

यह माह आपको पद एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि प्रदान करने वाला होगा। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। नवीन नौकरी मिलने के योग तथा पदोन्नति के योग प्रबल रहेंगे। वाहन सुख की प्राप्ति होगी। आंखों से कष्ट के योग रहेंगे। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। विवाह संबंध तय होगा। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। पाचन तंत्र से संबंधित कष्ट के योग प्रबल रहेंगे। संतान के कार्यों की चिंता तो रहेगी, परंतु अंततः कार्य में सफलता प्राप्त हो जाएगी। व्यय की अधिकता एवं चुनौती भरे कार्यों में सफलता प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। स्थाई संपत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

सिंह

यह माह आपको खुशियों से भरा रहेगा। विगत कुछ वर्षों से रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। धन का आगमन होगा। अचानक संपत्ति का क्रय होने के योग प्रबल रहेंगे। वाहन सुख में वृद्धि के योग प्रबल रहेंगे। मित्रों से स्नेह एवं सहयोग प्राप्त होगा। पुराने मित्र से मुलाकात होगी। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। विवाह संबंध से संबंधित प्रकरण पूर्ण होगा। संतान से संबंधित कार्यों में सफलता मिलेगी, किंतु उधार करना आपके लिए हानिकारक रहेगा। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी।

कन्या

यह माह आपको मिश्रित फलदाई रहेगा। संतान से संबंधित रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। संपत्ति में वृद्धि होगी। नवीन भवन का निर्माण करेंगे। लंबी यात्रा के योग प्रबल रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। नवीन नौकरी की प्राप्ति होगी। नौकरी में पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। शुभ कार्य में भाग लेंगे। विवाह समारोह में एवं लंबी यात्रा के योग रहेंगे। सुस्वाद नमकीन व्यंजन का लुप्त उठाएंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। स्वास्थ्य संबंधित चिंता बनी रहेगी। शुभ समाचार मिलेगा।

तुला

यह माह आपके लिए धन लाभ, मान-सम्मान प्रदान करने वाला होगा। अधूरे कार्य पूर्ण होंगे। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। कोर्ट कचहरी में रुके हुए कार्य में प्रगति होगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग प्रबल रहेंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। आय से अधिक व्यय होगा। जीवन साथी से पूरा सहयोग प्राप्त होगा किंतु पारिवारिक उलझन अधिक रहेगी। मित्र सहयोगी रहेंगे। परिवार के साथ घूमने फिरने में समय व्यतीत करेंगे। स्वास्थ्य नरम गरम बना रहेगा। विवाह संबंधी कार्य पूर्ण होंगे, नवीन समाचार प्राप्त होगा।

वृश्चिक

इस माह आपके रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। सुखद आनंद की प्राप्ति, विद्यार्थी वर्ग को विशेष लाभ प्राप्त होगा। मकान परिवर्तन करेंगे। परिवार में वैचारिक मत मतांतर बनेंगे। धार्मिक सामाजिक कार्य में रूचि रहेगी। आर्थिक और व्यापारिक दृष्टि से समय लाभदायक रहेगा। पिता से वैचारिक मत मतांतर रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना जरूरी रहेगा। साझेदारी में तनाव बना रहेगा।

धनु

यह माह आपके लिए साहस बढ़ाने वाला होगा। कार्य व्यवसाय में चिंता बनी रहेगी परंतु अपनी सूझबूझ से सफलता प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धन की कमी का एहसास होगा किंतु आवश्यकतानुसार व्यवस्था हो जाया करेगी। नवीन कार्य प्रारंभ करेंगे। भूमि भवन एवं वाहनों से संबंधित कार्य में सावधानी बरतें। शत्रु पर विजय प्राप्त होगी। दांपत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी। बच्चों के कार्य पूर्ण होंगे। यात्रा होगी। बहुत दिनों से रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पुराने मित्र से भेंट होगी।

मकर

यह माह आपके लिए शुभ समाचार प्रदान करने वाला होगा। कार्यों में रुकावट के बाद सफलता मिलेगी। साझेदारी में कार्य करना, जमानत देना, अंधा विश्वास कर लेना, रुपए पैसे के लेनदेन, सोच समझ कर करें। विवाह संबंध होगा, पढ़ने वालों के लिए लक्ष्य की प्राप्ति होगी। घर से दूर जाना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। आय के साधनों की प्राप्ति होगी। ईश्वर की आराधना से कई रुके हुए कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। संपत्ति संबंधी प्रकरण में सफलता मिलेगी। कर्ज़ के माध्यम से प्रगति होगी।

कुम्भ

यह माह आपके लिए नवीन सफलता प्रदान करने वाला होगा। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। नौकरी में पद एवं प्रतिष्ठा मिलेगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। विवाह संबंध, संबंधित प्रकरण में सफलता मिलेगी। मित्रों एवं अपनों से सहयोग प्राप्त होगा। परिश्रम से कठिन से कठिन कार्य में सफलता मिल जाएगी। नवीन संपर्क से सावधानी बरतें। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। मनोरंजन भौतिक सुख सुविधाओं पर खर्च करेंगे। अचानक धन लाभ के योग रहेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन

यह माह आपके लिए यश सम्मान प्रदान करने वाला होगा। आय के नए स्त्रोत की प्राप्ति होगी। नौकरी मिलने के योग रहेंगे। पद एवं प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। मूलभूत परिवर्तन की संभावना रहेगी। आर्थिक उन्नति होगी। घर में हर्ष उल्लास का वातावरण निर्मित होगा। भौतिक सुख सुविधा एवं मनोरंजन, यात्रा, दिखावे आदि पर खर्च करेंगे। सामान्य से अधिक खर्च करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। दान पुण्य धार्मिक कार्य में भाग लेंगे। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी। संपत्ति का निर्माण होगा। यात्रा के योग प्रबल रहेंगे।

IS:1786

CM/L - 6943589

GBR TMT

THE STRENGTH WITHIN

www.gbrmetals.com

Manufacturers of High quality
MS Billets and TMT Bars

Works:
#295, G.N.T Road,
Peravallur Village,
Ponneri Taluk - 601 206
Tamil Nadu
Website: www.gbrmetals.com

Registered Office:
#4, Ramanan Road,
Chennai - 600 079
Tamil Nadu
Ph: +91 44 25292151
E-mail: sales@gbrmetals.com